स्थिर सामान्य ज्ञान प्रश्न बैंक

विषय सूची

87 विषय • 17,400 बहुविकल्पीय प्रश्न • उत्तर एवं हिंदी व्याख्या सहित

01 भारतीय लोक नृत्य शास्त्रीय नृत्य एवं कलाकार....3
01 नृत्य सिद्धांत और सौंदर्यशास्त्र....3
02 भरतनाट्यम....4
03 कथक....6
04 कथकली और मोहिनीअट्टम....7
05 कुचिपुड़ी और ओडिसी....8
06 मणिपुरी और सत्रिया....10
07 छऊ और नृत्य विरासत....12
08 पूर्वोत्तर भारत के लोक नृत्य....13
09 उत्तर और पश्चिम भारत के लोक नृत्य....14
10 मध्य और पूर्वी भारत के लोक नृत्य....17
11 दक्षिण भारत की नृत्य और नाट्य परंपराएँ....18
12 उत्सव संस्थाएँ और कलाकार....21
02 प्रमुख वाद्ययंत्र एवं वादक....22
03 भारत के प्रमुख त्योहार उत्सव एवं मेले....38
04 भारत के प्रमुख मंदिर....55
05 भारत के महत्वपूर्ण पारंपरिक व्यंजन....72
06 भारतीय परिधान और वस्त्र परंपराएँ....88
07 भारत की प्रमुख लोक कलाएँ....105
08 भारत सामान्य परिचय....122
09 भारत के राज्य एवं केंद्रशासित प्रदेश....139
10 भारत की जनजातियाँ....155
11 भारत के संरक्षित क्षेत्र और आर्द्रभूमियाँ....173
12 प्रमुख पर्वत और भौगोलिक स्थलरूप....190
13 नदियों के किनारे बसे प्रमुख भारतीय एवं वैश्विक शहर....207
14 भारत के बंदरगाह जलमार्ग विमानन रेलवे और राष्ट्रीय राजमार्ग....222
15 भौगोलिक संकेतक और भारत के जीआई उत्पाद....239
16 खनिज संसाधन और भारत के अग्रणी राज्य....257
17 भारत के प्रमुख ऊर्जा संयंत्र और बाँध....274
18 भारत के प्रमुख उद्यान....291
19 भारत के पड़ोसी देश....307
20 जनगणना 2011....323
21 यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल....341
22 भारत के प्रसिद्ध पर्यावरणविद....357
23 भारत का अंतरिक्ष एवं रक्षा कार्यक्रम....375
24 नया संसद भवन....391
25 भारत के राष्ट्रीय प्रतीक....408
26 भारत के प्रमुख राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय दिवस....424
27 प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संगठन एवं उनके मुख्यालय....442
28 प्रमुख पुस्तकें एवं लेखक....458
29 प्रमुख पुरस्कार एवं सम्मान....476
30 भारत के प्रधानमंत्री एवं राष्ट्रपति....498
31 भारतीय संविधान के महत्वपूर्ण अनुच्छेद....518
32 भारतीय संविधान के स्रोत....537
33 भारत का वरीयता क्रम....558
34 भारतीय संविधान के प्रमुख संशोधन....579
35 भारत के राजनीतिक दल....602
36 भारत के उच्च न्यायालय....620
37 भारत की भाषाएँ....639
38 संवैधानिक पदों की शपथ एवं त्यागपत्र....656
39 भारत के राज्यों की राजधानियाँ एवं स्थापना दिवस....676

Cosmo Classes

40 भारत के गवर्नर जनरल एवं वायसराय....694
41 भारत के महत्वपूर्ण विद्रोह....714
42 लोकसभा चुनाव 2024....731
43 ब्रिटिशकालीन भारत की संस्थाएँ संगठन सभाएँ एवं आंदोलन....749
44 भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों से संबंधित प्रमुख वचन एवं नारे....768
45 प्रमुख उपाधियाँ प्राप्तकर्ता एवं उपाधि देने वाले व्यक्तित्व....787
46 भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रमुख अधिवेशन....805
47 भारत के प्रमुख ऐतिहासिक युद्ध....823
48 भारत के प्रमुख राजवंश संस्थापक एवं राजधानियाँ....840
49 सामाजिक सुधार अधिनियम....858
50 भारत में विदेशी यात्री....877
51 स्मारक एवं मकबरे....896
52 भारत में पंचवर्षीय योजनाएँ....913
53 भारतीय रिज़र्व बैंक....931
54 भारत के प्रमुख नियामक निकाय....948
55 वस्तु एवं सेवा कर....965
56 प्रमुख उद्योग महारत्न एवं नवरत्न कंपनियाँ....982
57 महत्वपूर्ण क्रांतियाँ....998
58 महत्वपूर्ण समितियाँ एवं प्रमुख आयोग....1016
59 महत्वपूर्ण संगठन....1034
60 प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संगठन एवं उनके मुख्यालय....1055
61 प्रमुख राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार....1075
62 भारत एवं विश्व में प्रथम और प्रमुख भौगोलिक कीर्तिमान....1093
63 संयुक्त सैन्य अभ्यास 2024–25....1112
64 विज्ञान की शाखाएँ....1129
65 भारतीय स्थानों और कार्यक्रमों के परिवर्तित नाम....1149
66 गुप्तचर संस्थाएँ और समाचार एजेंसियाँ....1167
67 विश्व के प्रसिद्ध स्मारक....1189
68 विश्व के देश राजधानी और मुद्रा....1207
69 भारतीय शहरों और राज्यों के भौगोलिक उपनाम....1225
70 प्रमुख पुस्तकें और लेखक....1243
71 महत्वपूर्ण दिवस सप्ताह और थीम 2024 तथा 2025....1263
72 देशों और भारतीय राज्यों के प्रतीक चिह्न....1285
73 प्रमुख देशों के राष्ट्रीय पशु और पक्षी....1304
74 भारत के राष्ट्रीय प्रतीक....1324
75 भारत और विश्व के पर्यटन स्थल....1343
76 भारत के प्रमुख अनुसंधान संस्थान....1362
77 भारत के प्रमुख संग्रहालय....1388
78 खेल सामान्य ज्ञान....1410
79 प्रमुख वैज्ञानिक नाम....1429
80 मूल मात्रक और मापन....1449
81 प्रमुख रासायनिक नाम और सूत्र....1468
82 मानव शरीर में होने वाले रोग....1485
83 चिकित्सा संबंधी आविष्कार और खोजें....1507
84 प्रमुख आविष्कार और आविष्कारक....1528
85 प्राकृतिक अम्ल और क्षार....1547
86 केंद्र सरकार की प्रमुख योजनाएँ....1568
87 संक्षिप्तीकरण और परिवर्णी शब्द....1591

अध्याय 01 भारतीय लोक नृत्य शास्त्रीय नृत्य एवं कलाकार

200 बहुविकल्पीय प्रश्न • उत्तर एवं व्याख्या सहित

नृत्य सिद्धांत और सौंदर्यशास्त्र

1. भारतीय प्रदर्शन कलाओं के आधारभूत ग्रंथ 'नाट्यशास्त्र' की रचना का श्रेय परंपरागत रूप से किसे दिया जाता है?
(क) नंदिकेश्वर
(ख) भरत मुनि
(ग) मतंग मुनि
(घ) शार्ङ्गदेव
उत्तर: (ख) भरत मुनि
व्याख्या: नाट्यशास्त्र के रचयिता भरत मुनि माने जाते हैं। इसमें नृत्य, नाटक, अभिनय, रस, भाव, संगीत और रंगमंच से जुड़े सिद्धांतों का विस्तृत वर्णन है।

2. एक कलाकार किसी कविता का अर्थ या पात्र प्रस्तुत किए बिना लयबद्ध गतियाँ करता है। इस खंड के लिए कौन-सा शब्द सबसे उपयुक्त है?
(क) नृत्त
(ख) नाट्य
(ग) वाचिक अभिनय
(घ) आहार्य अभिनय
उत्तर: (क) नृत्त
व्याख्या: नृत्त शुद्ध लयात्मक नृत्य है, जिसमें कथात्मक अर्थ की अभिव्यक्ति आवश्यक नहीं होती। इसके विपरीत 'नृत्य' में भाव और अर्थ का संप्रेषण भी जुड़ता है।

3. कथन: नर्तक स्वयं संवाद बोले बिना भी कथा संप्रेषित कर सकता है। कारण: शारीरिक संकेत और मुखाभिव्यक्तियाँ कथात्मक अर्थ व्यक्त कर सकती हैं। सही संबंध चुनिए।
(क) कथन असत्य है, पर कारण सत्य है
(ख) कथन सत्य है, पर कारण असत्य है
(ग) दोनों सत्य हैं, पर कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता
(घ) दोनों सत्य हैं और कारण कथन की सही व्याख्या करता है
उत्तर: (घ) दोनों सत्य हैं और कारण कथन की सही व्याख्या करता है
व्याख्या: अभिनय में संकेत, दृष्टि और मुखाभिव्यक्ति से अर्थ व्यक्त किया जा सकता है। इसलिए नर्तक का स्वयं संवाद बोलना कथा-प्रस्तुति की अनिवार्य शर्त नहीं है। कारण कथन की व्याख्या करता है।

4. अभिव्यक्ति के साधनों का मिलान कीजिए: 1. आंगिक 2. वाचिक 3. आहार्य 4. सात्त्विक। क. वाणी ख. वेशभूषा और मुख-सज्जा ग. शरीर की गति घ. भाव की मनोशारीरिक अभिव्यक्ति।
(क) 1–ख, 2–क, 3–घ, 4–ग
(ख) 1–क, 2–ग, 3–ख, 4–घ
(ग) 1–ग, 2–घ, 3–क, 4–ख
(घ) 1–ग, 2–क, 3–ख, 4–घ
उत्तर: (घ) 1–ग, 2–क, 3–ख, 4–घ
व्याख्या: आंगिक शरीर, वाचिक वाणी तथा आहार्य वेशभूषा और सज्जा से संबंधित हैं। सात्त्विक अभिनय में भावों के सूक्ष्म मनोशारीरिक संकेत, जैसे अश्रु या कंप, आते हैं।

5. भारतीय प्रदर्शन-सौंदर्यशास्त्र में 'रस' और 'भाव' की कौन-सी व्याख्या सबसे उपयुक्त है?
(क) भाव प्रस्तुत भावावस्था है; रस दर्शक द्वारा उसका सौंदर्यात्मक आस्वादन है
(ख) रस एक वाद्य है; भाव तालचक्र है
(ग) भाव केवल गति है; रस केवल स्वर की ऊँचाई है
(घ) रस वेशभूषा है; भाव मंच का प्रकाश है
उत्तर: (क) भाव प्रस्तुत भावावस्था है; रस दर्शक द्वारा उसका सौंदर्यात्मक आस्वादन है
व्याख्या: भाव और रस संबंधित हैं, पर समानार्थी नहीं। कलाकार भावों को प्रस्तुत करता है और उपयुक्त कलात्मक प्रस्तुति से दर्शक में रसास्वादन संभव होता है।

6. एक नृत्य सामुदायिक उत्सव से शहरी मंच पर पहुँचता है। कौन-सा निष्कर्ष सबसे तर्कसंगत है?
(क) उसका भौगोलिक उद्गम नई प्रशिक्षण संस्था का स्थान हो जाता है
(ख) वह स्वतः शास्त्रीय नृत्य बन जाता है
(ग) प्रस्तुति का संदर्भ बदलता है, पर ऐतिहासिक पहचान का अलग अध्ययन आवश्यक है
(घ) उसका वर्गीकरण केवल दर्शकों की संख्या से तय किया जाना चाहिए
उत्तर: (ग) प्रस्तुति का संदर्भ बदलता है, पर ऐतिहासिक पहचान का अलग अध्ययन आवश्यक है
व्याख्या: मंच-परिवर्तन और नृत्य की ऐतिहासिक श्रेणी अलग विषय हैं। शहरी प्रस्तुति मात्र से किसी लोकनृत्य की उत्पत्ति या उसकी सांस्कृतिक पहचान नहीं बदल जाती।

7. नर्तक समान आठ-मात्रा वाले तालचक्र को पहले धीमे और फिर तेज करता है, लेकिन उसकी मात्रा-संरचना नहीं बदलता। मुख्यतः क्या बदला है?
(क) ताल अनिवार्यतः आठ से सोलह मात्रा का हो गया है
(ख) नृत्य का भौगोलिक उद्गम
(ग) कथा के पात्रों की संख्या
(घ) लय बदली है, जबकि ताल की संरचना समान है
उत्तर: (घ) लय बदली है, जबकि ताल की संरचना समान है
व्याख्या: लय गति या चाल से संबंधित है, जबकि ताल मात्राओं के चक्रीय संगठन से। गति बढ़ने पर ताल की मात्रा-संख्या अपने-आप नहीं बदलती।

8. हस्तमुद्राओं पर विचार कीजिए: 1. असंयुक्त हस्त एक हाथ से बनते हैं। 2. संयुक्त हस्त दोनों हाथों से मिलकर बनते हैं। 3. प्रत्येक मुद्रा का हर संदर्भ में केवल एक अर्थ होता है। कौन-से कथन सही हैं?
(क) केवल 2 और 3
(ख) 1, 2 और 3
(ग) केवल 1 और 3
(घ) केवल 1 और 2
उत्तर: (घ) केवल 1 और 2
व्याख्या: असंयुक्त और संयुक्त का अंतर हाथों के प्रयोग का है। किसी मुद्रा का अर्थ संदर्भ, दिशा, गति और अभिनय से बदल सकता है; इसलिए तीसरा कथन गलत है।

9. रस का उसके प्रमुख भावात्मक संबंध से मिलान कीजिए: 1. वीर 2. करुण 3. अद्भुत 4. भयानक। क. विस्मय ख. भय ग. वीरता घ. करुणा या शोक।
(क) 1–ग, 2–क, 3–घ, 4–ख
(ख) 1–घ, 2–ग, 3–ख, 4–क
(ग) 1–ग, 2–घ, 3–क, 4–ख
(घ) 1–ख, 2–घ, 3–क, 4–ग
उत्तर: (ग) 1–ग, 2–घ, 3–क, 4–ख
व्याख्या: वीर रस वीरता, करुण रस शोक और करुणा, अद्भुत रस विस्मय तथा भयानक रस भय से संबंधित है। रसों के नाम और उनके भावात्मक संकेत नृत्य-अभिनय की व्याख्या में उपयोगी हैं।

10. तांडव और लास्य के बारे में कौन-सा कथन सबसे सटीक है?
(क) वे गति के भिन्न गुणों को बताते हैं और कलाकार के लिंग पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं हैं
(ख) एक ही प्रस्तुति में दोनों से जुड़े तत्व नहीं हो सकते
(ग) तांडव महिलाएँ कभी नहीं कर सकतीं
(घ) लास्य की अभिव्यक्ति पुरुष कभी नहीं कर सकते
उत्तर: (क) वे गति के भिन्न गुणों को बताते हैं और कलाकार के लिंग पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं हैं
व्याख्या: तांडव को प्रायः ऊर्जस्विता और लास्य को सौम्यता से जोड़ा जाता है। इन्हें पुरुष और महिला कलाकारों पर लागू कठोर, सार्वभौमिक प्रतिबंध मानना उचित नहीं है।

11. ग्रंथों का उनके परंपरागत रूप से माने जाने वाले रचनाकारों से मिलान करें: 1. अभिनयदर्पण; 2. संगीत रत्नाकर; 3. दशरूपक। क. शार्ङ्गदेव; ख. धनंजय; ग. नंदिकेश्वर।
(क) 1–ग, 2–ख, 3–क
(ख) 1–ख, 2–क, 3–ग
(ग) 1–क, 2–ग, 3–ख
(घ) 1–ग, 2–क, 3–ख
उत्तर: (घ) 1–ग, 2–क, 3–ख
व्याख्या: अभिनयदर्पण नंदिकेश्वर, संगीत रत्नाकर शार्ङ्गदेव और दशरूपक धनंजय से संबद्ध हैं। ये क्रमशः अभिनय, संगीत-नृत्य तथा नाट्यरूपों के अध्ययन में महत्त्वपूर्ण हैं।

12. कथन: करण को केवल जड़ मूर्तिकला-मुद्रा समझना उचित नहीं है। कारण: नाट्यशास्त्र की परंपरा में करण समन्वित शारीरिक गति से संबंधित है। सही मूल्यांकन चुनें।
(क) दोनों सही हैं, पर कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है
(ख) कथन गलत है, कारण सही है
(ग) कथन सही है, कारण गलत है
(घ) दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या है
उत्तर: (घ) दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या है
व्याख्या: करण गतिशील नृत्य-इकाई है। मूर्तियाँ उसके किसी क्षण या रूप को दिखा सकती हैं; इसलिए उसे केवल स्थिर मुद्रा मानना अधूरा है।

13. एक शोधार्थी नाट्यशास्त्र में वर्णित करणों के पारंपरिक समूह का अध्ययन करता है। इस समूह में कितने करण हैं?
(क) ८४
(ख) ६४
(ग) १०८
(घ) ३२
उत्तर: (ग) १०८
व्याख्या: नाट्यशास्त्र में 108 करणों का वर्णन मिलता है। करण हाथ-पैर और शरीर की समन्वित नृत्य-गतियों से संबंधित हैं।

भरतनाट्यम

14. भरतनाट्यम मुख्यतः भारत के किस राज्य से संबंधित है?
(क) केरल
(ख) कर्नाटक
(ग) तमिलनाडु
(घ) आंध्र प्रदेश
उत्तर: (ग) तमिलनाडु
व्याख्या: भरतनाट्यम तमिलनाडु की प्रमुख शास्त्रीय नृत्य शैली है। इसका विकास विशेष रूप से मंदिर परंपरा और देवदासी नृत्य परंपरा से जुड़ा रहा है।

15. वर्तमान भरतनाट्यम नृत्य परंपरा का ऐतिहासिक रूप से कौन-सा पुराना नाम प्रचलित था?
(क) सदिर
(ख) रासलीला
(ग) भागवत मेला
(घ) छऊ
उत्तर: (क) सदिर
व्याख्या: भरतनाट्यम का पूर्ववर्ती रूप 'सदिर' या 'सदिर अट्टम' कहलाता था। 20वीं शताब्दी में इसके पुनरुद्धार और पुनर्संरचना के बाद 'भरतनाट्यम' नाम व्यापक हुआ।

16. भरतनाट्यम के पुनरुद्धार से संबंधित प्रसिद्ध संस्था 'कलाक्षेत्र' की स्थापना किसने की?
(क) यामिनी कृष्णमूर्ति
(ख) टी. बालासरस्वती
(ग) सोनल मानसिंह
(घ) रुक्मिणी देवी अरुंडेल
उत्तर: (घ) रुक्मिणी देवी अरुंडेल
व्याख्या: रुक्मिणी देवी अरुंडेल ने 1936 में कलाक्षेत्र की स्थापना की। उन्होंने भरतनाट्यम को मंचीय प्रतिष्ठा दिलाने और उसके शिक्षण को संस्थागत रूप देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

17. टी. बालासरस्वती मुख्यतः किस शास्त्रीय नृत्य से संबंधित थीं?
(क) ओडिसी
(ख) भरतनाट्यम
(ग) कथक
(घ) मणिपुरी
उत्तर: (ख) भरतनाट्यम
व्याख्या: टी. बालासरस्वती भरतनाट्यम की महान कलाकार थीं। उनकी शैली विशेष रूप से 'अभिनय' और भावाभिव्यक्ति के लिए प्रसिद्ध थी।

18. पारंपरिक भरतनाट्यम प्रस्तुति में वर्णम् को चुनौतीपूर्ण केंद्रीय खंड क्यों माना जाता है?
(क) इसमें ताल और भाव दोनों नहीं होते
(ख) इसमें विस्तृत लयात्मक नृत्य और भावात्मक व्याख्या का समन्वय होता है
(ग) इसमें केवल मौखिक परिचय होता है
(घ) यह केवल अंतिम प्रणाम है
उत्तर: (ख) इसमें विस्तृत लयात्मक नृत्य और भावात्मक व्याख्या का समन्वय होता है
व्याख्या: वर्णम् में तकनीकी नृत्य और अभिनय दोनों की क्षमता परखी जाती है। इसकी विस्तृत संरचना के कारण कलाकार को लय, स्मृति, भाव और शारीरिक सहनशीलता का समन्वय करना होता है।

19. भरतनाट्यम की प्रस्तुति-सूची में तिल्लाना की पहचान किस विशेषता से सबसे अच्छी होती है?
(क) आरंभ का अनिवार्य मौखिक वाद-विवाद
(ख) संगीतात्मक लय का पूर्ण अभाव
(ग) सामान्यतः अंत के निकट रखा जाने वाला सजीव, लयप्रधान खंड
(घ) मंच के स्तंभ बनाने की तकनीक
उत्तर: (ग) सामान्यतः अंत के निकट रखा जाने वाला सजीव, लयप्रधान खंड
व्याख्या: तिल्लाना भरतनाट्यम का सजीव लयप्रधान खंड है, जो सामान्यतः प्रस्तुति के अंतिम भाग में आता है। इसमें नृत्त प्रमुख रहता है; संक्षिप्त साहित्यांश भी हो सकता है।

20. वी. पी. धनंजयन और शांता धनंजयन का विशेष संबंध किस नृत्य से है?
(क) भरतनाट्यम

(ख) सत्रिया
(ग) ओडिसी
(घ) मणिपुरी

उत्तर: (क) भरतनाट्यम

व्याख्या: धनंजयन दंपती भरतनाट्यम के प्रमुख कलाकार और गुरु हैं। उनकी पहचान युगल प्रस्तुतियों तथा शिक्षण से भी जुड़ी है।

21. भरतनाट्यम मार्गम् के आरंभिक भाग का कौन-सा क्रम पारंपरिक प्रगति के अनुरूप है?

(क) वर्णम् → शब्दम् → अलारिप्पु → जतिस्वरम्
(ख) शब्दम् → वर्णम् → जतिस्वरम् → अलारिप्पु
(ग) जतिस्वरम् → वर्णम् → अलारिप्पु → शब्दम्
(घ) अलारिप्पु → जतिस्वरम् → शब्दम् → वर्णम्

उत्तर: (घ) अलारिप्पु → जतिस्वरम् → शब्दम् → वर्णम्

व्याख्या: मानक मार्गम् में अलारिप्पु के बाद जतिस्वरम्, शब्दम् और वर्णम् आते हैं। वास्तविक प्रस्तुतियों में परिवर्तन संभव है; प्रश्न पारंपरिक क्रम के बारे में है।

22. किस समूह के सभी कलाकार मुख्यतः भरतनाट्यम के लिए प्रसिद्ध हैं?

(क) अलार्मेल वल्ली, मालविका सरुक्कई, सितारा देवी
(ख) अलार्मेल वल्ली, मालविका सरुक्कई, लीला सैमसन
(ग) संयुक्ता पाणिग्रही, लीला सैमसन, मालविका सरुक्कई
(घ) लीला सैमसन, सितारा देवी, संयुक्ता पाणिग्रही

उत्तर: (ख) अलार्मेल वल्ली, मालविका सरुक्कई, लीला सैमसन

व्याख्या: अलार्मेल वल्ली, मालविका सरुक्कई और लीला सैमसन भरतनाट्यम की प्रमुख कलाकार हैं। सितारा देवी कथक और संयुक्ता पाणिग्रही ओडिसी से विशेष रूप से संबंधित थीं।

23. तंजावुर चतुष्टय के बारे में कौन-सा कथन सही है?

(क) चिन्नय्या, पोन्नय्या, शिवानंदम् और वडिवेलु ने भरतनाट्यम की प्रस्तुति-सूची को व्यवस्थित करने में योगदान दिया
(ख) इसके सदस्य असम के सत्रों के मध्यकालीन संस्थापक थे
(ग) इसमें कथक के प्रमुख घरानों के चार संस्थापक थे
(घ) इसके चार सदस्यों ने पुरी में महारी परंपरा की स्थापना की

उत्तर: (क) चिन्नय्या, पोन्नय्या, शिवानंदम् और वडिवेलु ने भरतनाट्यम की प्रस्तुति-सूची को व्यवस्थित करने में योगदान दिया

व्याख्या: तंजावुर चतुष्टय चार संगीतज्ञ-नृत्याचार्य भाइयों का समूह था। उन्होंने उन्नीसवीं सदी में भरतनाट्यम के प्रदर्शनों और रचनाओं को व्यवस्थित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

24. भरतनाट्यम में 'अरंगेत्रम्' सामान्यतः किसे कहा जाता है?

(क) एक प्रकार का तालवाद्य
(ख) निर्धारित सेवानिवृत्ति समारोह
(ग) पर्याप्त प्रशिक्षण के बाद विद्यार्थी की औपचारिक प्रथम मंच-प्रस्तुति
(घ) एक नया क्षेत्रीय घराना

उत्तर: (ग) पर्याप्त प्रशिक्षण के बाद विद्यार्थी की औपचारिक प्रथम मंच-प्रस्तुति

व्याख्या: अरंगेत्रम् प्रशिक्षित विद्यार्थी की औपचारिक मंच-प्रवेश प्रस्तुति है। यह शिक्षण-यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव है, लेकिन सीखने की अंतिम सीमा नहीं है।

25. भरतनाट्यम प्रस्तुति में नट्टुवनार लयबद्ध बोल उच्चारित करता है और छोटी झाँझ बजाकर नर्तक का संचालन करता है। इस गतिविधि को क्या कहते हैं?

(क) मंगलाचरण
(ख) नट्टुवांगम्
(ग) गत-भाव
(घ) रंगपूजा

उत्तर: (ख) नट्टुवांगम्

व्याख्या: नट्टुवांगम् में लयात्मक बोलों और झाँझ के माध्यम से नृत्य का संचालन किया जाता है। नट्टुवनार की भूमिका कलाकार और संगत के बीच तालमेल बनाए रखने में महत्वपूर्ण है।

26. भरतनाट्यम प्रशिक्षण में पद-संचालन और शारीरिक गतियों की बुनियादी समन्वित इकाई को क्या कहते हैं?

(क) कोरवै
(ख) जाति
(ग) तीर्मानम्
(घ) अडवु

उत्तर: (घ) अडवु

व्याख्या: अडवु भरतनाट्यम की आधारभूत गति-इकाई है। अनेक अडवुओं को जोड़कर विस्तृत नृत्य-विन्यास बनाए जाते हैं; कोरवै एक संयोजित नृत्य-श्रृंखला है।

27. अरैमंडी के बारे में विचार करें: 1. यह घुटने मोड़कर बनाई जाने वाली अर्धबैठक मुद्रा है। 2. इसका अर्थ एक पैर पर सीधे खड़े होना है। कौन-सा कथन सही है?

(क) केवल 1
(ख) केवल 2
(ग) 1 और 2 दोनों
(घ) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (क) केवल 1

व्याख्या: अरैमंडी भरतनाट्यम की अर्धबैठक वाली आधारभूत स्थिति है। इसमें घुटने मुड़े होते हैं; इसे एक पैर पर सीधे खड़े होने की मुद्रा कहना गलत है।

28. एक शिक्षक अनेक अडवुओं को जोड़कर क्रमबद्ध नृत्य-श्रृंखला बनाता है। भरतनाट्यम में इसके लिए कौन-सा शब्द सबसे उपयुक्त है?

(क) कोरवै
(ख) अरैमंडी
(ग) साहित्य
(घ) अरंगेत्रम

उत्तर: (क) कोरवै

व्याख्या: कोरवै अनेक नृत्य-गतियों का संयोजित क्रम है। अरैमंडी एक शारीरिक स्थिति, अरंगेत्रम प्रथम औपचारिक मंच-प्रस्तुति और साहित्य गीत का शब्द-पक्ष है।

29. सामान्य भरतनाट्यम प्रस्तुति में जतिस्वरम् और शब्दम् का सही अंतर कौन-सा है?

(क) जतिस्वरम् संवाद-नाटक है; शब्दम् में गायन नहीं होता
(ख) दोनों अनिवार्यतः समान गीत से एक ही कथा कहते हैं
(ग) जतिस्वरम् केवल मंगलात्मक गद्य है; शब्दम् केवल पद-संचालन है
(घ) जतिस्वरम् में स्वरों पर नृत्य प्रमुख है; शब्दम् में पाठ का भावाभिनय आता है

उत्तर: (घ) जतिस्वरम् में स्वरों पर नृत्य प्रमुख है; शब्दम् में पाठ का भावाभिनय आता है

व्याख्या: जतिस्वरम् में स्वर और लय पर आधारित नृत्त प्रमुख होता है। शब्दम् में अर्थयुक्त गीत के माध्यम से अभिव्यक्ति और कथात्मक पक्ष उभरता है।

30. प्रेम, विरह या भक्ति व्यक्त करने वाले गीत की विस्तृत भावव्याख्या के लिए भरतनाट्यम की कौन-सी प्रस्तुति विशेष रूप से उपयुक्त है?

(क) जतिस्वरम्
(ख) तीर्मानम्
(ग) पदम्
(घ) अलारिप्पु

उत्तर: (ग) पदम्

व्याख्या: पदम् में साहित्य के भावों की सूक्ष्म व्याख्या और अभिनय प्रमुख होते हैं। अलारिप्पु तथा जतिस्वरम् मुख्यतः नृत्त-केंद्रित प्रस्तुतियाँ हैं।

31. नृत्य में जावली के बारे में विचार करें: 1. इनमें प्रायः लौकिक प्रेम की अपेक्षाकृत सीधी अभिव्यक्ति होती है। 2. इन्हें शब्दरहित एकल तालवाद्य-प्रस्तुति के रूप में परिभाषित किया जाता है। कौन-सा कथन सही है?

(क) न तो 1, न ही 2
(ख) 1 और 2 दोनों
(ग) केवल 1
(घ) केवल 2

उत्तर: (ग) केवल 1

व्याख्या: जावली गीतात्मक रचना है, जिसमें प्रायः लौकिक शृंगार और प्रेम का चित्रण होता है। नृत्य में इसका प्रयोग अभिनय के लिए किया जाता है।

32. करणों पर शोध के आधार पर 'भरत नृत्यम्' प्रस्तुति-पद्धति का विकास किसने किया?

(क) रुक्मिणी देवी अरुंडेल
(ख) पद्मा सुब्रह्मण्यम
(ग) मृणालिनी साराभाई
(घ) टी. बालासरस्वती

उत्तर: (ख) पद्मा सुब्रह्मण्यम

व्याख्या: पद्मा सुब्रह्मण्यम का कार्य नाट्यशास्त्र के करणों के शोध और भरत नृत्यम् से विशेष रूप से जुड़ा है।

कथक

33. किस शास्त्रीय नृत्य का विकास मुख्यतः उत्तर भारत में हुआ तथा जिसका नाम कथा सुनाने वाले कलाकारों की परंपरा से संबंधित है?

(क) कथक
(ख) कथकली
(ग) कुचिपुड़ी
(घ) सत्रिया

उत्तर: (क) कथक

व्याख्या: 'कथक' शब्द 'कथा' तथा 'कथाकार' से जुड़ा है। प्रारंभ में कथाकार धार्मिक कथाओं को नृत्य एवं अभिनय के माध्यम से प्रस्तुत करते थे।

34. कथक के जयपुर घराने की विशेष पहचान निम्न में से किससे है?

(क) केवल मुखाभिव्यक्ति पर बल
(ख) तालबद्ध रचनाओं का अभाव
(ग) मंदिर मूर्तियों का प्रमुख उपयोग
(घ) सशक्त पद-संचालन और जटिल लयकारी

उत्तर: (घ) सशक्त पद-संचालन और जटिल लयकारी

व्याख्या: जयपुर घराना विशेष रूप से तीव्र पद-संचालन, ताल, लयकारी और जटिल तकनीकी रचनाओं के लिए जाना जाता है। लखनऊ घराना भाव-अभिनय और नजाकत के लिए अधिक प्रसिद्ध है।

35. पंडित बिरजू महाराज मुख्यतः कथक के किस घराने के प्रतिनिधि थे?

(क) बनारस
(ख) जयपुर
(ग) लखनऊ
(घ) रायगढ़

उत्तर: (ग) लखनऊ

व्याख्या: बिरजू महाराज लखनऊ घराने के विश्वप्रसिद्ध कथक गुरु थे। वे कालका-बिंदादीन परंपरा से संबंधित थे तथा कथक केंद्र से भी लंबे समय तक जुड़े रहे।

36. कथक की एक रचना में एक वाक्यांश तीन बार दोहराकर 'सम' पर समाप्त किया जाता है। इसे किस शब्द से पहचाना जाता है?

(क) ठाट
(ख) तिहाई
(ग) गत-निकास
(घ) वंदना

उत्तर: (ख) तिहाई

व्याख्या: तिहाई में लयात्मक वाक्यांश तीन बार आता है और प्रायः अंतिम आघात सम पर पहुँचता है। सम तालचक्र का पहला और महत्वपूर्ण बिंदु है।

37. कथक प्रशिक्षण में 'तत्कार' मुख्यतः किसे कहते हैं?

(क) पोशाक की कढ़ाई
(ख) लयबद्ध पद-संचालन
(ग) मुखौटा निर्माण
(घ) काव्य-रचना

उत्तर: (ख) लयबद्ध पद-संचालन

व्याख्या: तत्कार कथक का आधारभूत लयबद्ध पद-संचालन है। पैरों से ताल के बोलों को स्पष्ट करना इसके अभ्यास का प्रमुख उद्देश्य है।

38. कथक में 'पढ़ंत' का अर्थ क्या है?

(क) केवल तंतुवाद्य को मिलाना
(ख) नृत्य के बोलों का लयबद्ध उच्चारण
(ग) बेलनाकार घाघरा पहनना
(घ) कलाकार का चेहरा रंगना

उत्तर: (ख) नृत्य के बोलों का लयबद्ध उच्चारण

व्याख्या: पढ़ंत में कलाकार ताल और लय के अनुरूप बोलों का उच्चारण करता है। इससे रचना का लयात्मक ढाँचा नृत्य से पहले या उसके साथ स्पष्ट होता है।

39. कुमुदिनी लाखिया ने अहमदाबाद में कदंब की स्थापना मुख्यतः किस नृत्य के प्रशिक्षण के लिए की?

(क) मणिपुरी
(ख) मोहिनीअट्टम
(ग) कथक
(घ) ओडिसी

उत्तर: (ग) कथक

व्याख्या: कुमुदिनी लाखिया कथक की प्रमुख कलाकार और नृत्य-निर्देशक थीं। कदंब कथक शिक्षण और समूह-नृत्य रचनाओं के लिए प्रसिद्ध संस्था है।

40. शोवना नारायण का विशेष संबंध किस शास्त्रीय नृत्य से है?

(क) ओडिसी
(ख) कथक
(ग) मणिपुरी
(घ) कुचिपुड़ी

उत्तर: (ख) कथक

व्याख्या: शोवना नारायण कथक की प्रमुख कलाकार हैं। उनकी प्रस्तुतियों में परंपरागत कथक के साथ विषय-आधारित नृत्य-रचनाएँ भी महत्वपूर्ण रही हैं।

41. कथक प्रस्तुति में कलाकार संतुलित स्थिति और सूक्ष्म गतियों से सौंदर्यपूर्ण ठहराव स्थापित करता है। इस आरंभिक अंग के लिए कौन-सा शब्द सबसे उपयुक्त है?

(क) परन
(ख) ठाट

Cosmo Classes

(ग) लड़ी
(घ) चक्कर

उत्तर: (ख) ठाट

व्याख्या: कथक का ठाट सौंदर्यपूर्ण खड़े होने, ठहराव और सूक्ष्म गतियों का अंग है। परन तालबद्ध रचना तथा चक्कर घूर्णन-गति से संबंधित हैं।

42. कथक में विशेष रूप से पखावज के बोलों पर आधारित रचना को सामान्यतः क्या कहते हैं?
(क) दरुवु
(ख) परन
(ग) पल्लवी
(घ) पदम्

उत्तर: (ख) परन

व्याख्या: परन कथक की तालबद्ध रचना है, जिसके बोल पखावज-परंपरा से विशेष रूप से जुड़े होते हैं। इसका प्रस्तुतीकरण प्रायः सशक्त लयात्मक रूप में होता है।

43. कथक में गत-निकास और गत-भाव का सही अंतर कौन-सा है?
(क) गत-निकास ओडिसी और गत-भाव सत्रिया का अंग है
(ख) गत-निकास में मुखौटा और गत-भाव में पीतल की थाली अनिवार्य है
(ग) गत-निकास में शैलीबद्ध चाल, गत-भाव में भावपूर्ण प्रसंग का विस्तार होता है
(घ) गत-निकास केवल गायन, गत-भाव केवल वादन है

उत्तर: (ग) गत-निकास में शैलीबद्ध चाल, गत-भाव में भावपूर्ण प्रसंग का विस्तार होता है

व्याख्या: गत-निकास में शैलीबद्ध चलन और चरित्र की झलक मिलती है। गत-भाव में किसी कथा या प्रसंग का अभिनयात्मक विस्तार किया जाता है।

44. कथक कलाकार स्थिर मूल संदर्भ-गति के सापेक्ष पहले एकगुन में 16 मात्राओं का एक पूरा आवर्तन और फिर दुगुन में दो पूरे आवर्तन प्रस्तुत करता है। दोनों भागों में लगे समय का अनुपात क्या होगा?
(क) 2 : 1
(ख) 1 : 4
(ग) 1 : 1
(घ) 1 : 2

उत्तर: (ग) 1 : 1

व्याख्या: एकगुन में 16 मात्राओं का समय 16 मूल इकाइयाँ है। दुगुन में 32 मात्राएँ भी 16 मूल इकाइयों में पूरी होती हैं; इसलिए समय समान है।

45. कथक कलाकार ताल के अगले आवर्तन के आरंभ पर लयबद्ध रचना समाप्त करता है। इस आगमन-बिंदु को क्या कहते हैं?
(क) खाली
(ख) उपज
(ग) विभाग
(घ) सम

उत्तर: (घ) सम

व्याख्या: सम ताल-आवर्तन की पहली मात्रा है। कथक में अनेक लयात्मक रचनाओं का सम पर सटीक आगमन महत्त्वपूर्ण होता है।

46. अवध के कौन-से उन्नीसवीं शताब्दी के शासक कथक और संबंधित दरबारी कलाओं के संरक्षक के रूप में विशेष रूप से याद किए जाते हैं?
(क) सिराजुद्दौला
(ख) रणजीत सिंह
(ग) सवाई जयसिंह द्वितीय
(घ) वाजिद अली शाह

उत्तर: (घ) वाजिद अली शाह

व्याख्या: वाजिद अली शाह ने अवध में कथक, संगीत और नाट्य प्रस्तुतियों को संरक्षण दिया। उनका दरबार लखनऊ की प्रदर्शन-संस्कृति का महत्त्वपूर्ण केंद्र था।

कथकली और मोहिनीअट्टम

47. कथकली किस राज्य की शास्त्रीय नृत्य-नाट्य परंपरा है?
(क) केरल
(ख) ओडिशा
(ग) असम
(घ) मणिपुर

उत्तर: (क) केरल

व्याख्या: कथकली का विकास केरल में हुआ। इसमें विस्तृत वेशभूषा, मुखाभिनय, हस्तमुद्राओं तथा रंगीन मुख-सज्जा का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है।

48. कथकली की मुख-सज्जा में 'पच्चा' अर्थात हरे रंग का चेहरा सामान्यतः किस प्रकार के पात्र का प्रतिनिधित्व करता है?
(क) राक्षसी स्त्री पात्र
(ख) शिकारी
(ग) श्रेष्ठ और सद्गुणी नायक
(घ) हास्य सेवक

उत्तर: (ग) श्रेष्ठ और सद्गुणी नायक

व्याख्या: 'पच्चा' मुख-सज्जा कृष्ण, राम, अर्जुन जैसे श्रेष्ठ, वीर तथा सद्गुणी पात्रों के लिए प्रयुक्त होती है। 'काठी' सामान्यतः अहंकारी या दुष्ट पात्रों से जुड़ी होती है।

49. मोहिनीअट्टम की गति एवं अभिव्यक्ति मुख्यतः किस शैली से जुड़ी मानी जाती है?
(क) केवल तांडव
(ख) युद्धात्मक गति
(ग) कलाबाजी
(घ) लास्य

उत्तर: (घ) लास्य

व्याख्या: मोहिनीअट्टम केरल की कोमल एवं सौम्य शास्त्रीय नृत्य शैली है जिसमें 'लास्य' तत्व प्रधान है। इसकी गतियाँ वृत्ताकार, लयात्मक और मृदु होती हैं।

50. डॉ. कनक रेले का नाम मुख्यतः किस नृत्य शैली के प्रचार एवं अनुसंधान से संबंधित है?
(क) कथक
(ख) मोहिनीअट्टम
(ग) सत्रिया
(घ) मणिपुरी

उत्तर: (ख) मोहिनीअट्टम

व्याख्या: कनक रेले मोहिनीअट्टम की प्रमुख नृत्यांगना एवं विदुषी थीं। उन्होंने इस नृत्य की तकनीक के अध्ययन और संस्थागत शिक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

51. वेशभूषा की सूची में ये प्रविष्टियाँ हैं: 1. मोहिनीअट्टम — सुनहरी किनारी वाली सफेद या क्रीम पोशाक। 2. कथकली — अपेक्षाकृत विस्तृत शिरोभूषण और परतदार पोशाक। सही आकलन कौन-सा है?
(क) दोनों प्रविष्टियाँ सामान्यतः सही हैं
(ख) कोई भी प्रविष्टि सही नहीं है
(ग) केवल प्रविष्टि 1 सही है
(घ) केवल प्रविष्टि 2 सही है

Cosmo Classes

उत्तर: (क) दोनों प्रविष्टियाँ सामान्यतः सही हैं

व्याख्या: मोहिनीअट्टम में सफेद या क्रीम और सुनहरी किनारी वाली पोशाक परिचित है। कथकली में पात्रानुसार विस्तृत शिरोभूषण और वेशभूषा मिलती है। किसी एक संकेत के साथ अन्य विशेषताओं को भी देखना चाहिए।

52. केरल कलामंडलम किस जिले के चेरुतुरुत्ती में स्थित है?

(क) कोल्लम
(ख) त्रिशूर
(ग) कोझिकोड
(घ) कासरगोड

उत्तर: (ख) त्रिशूर

व्याख्या: केरल कलामंडलम त्रिशूर जिले के चेरुतुरुत्ती में है। वल्लथोल नारायण मेनन और सहयोगियों ने इसकी स्थापना 1930 में की; संस्था 1936 में चेरुतुरुत्ती के अपने परिसर में स्थानांतरित हुई।

53. रावण जैसे अभिमानी, शक्तिशाली किंतु अधार्मिक पात्रों के लिए कथकली की कौन-सी शृंगार-श्रेणी सबसे उपयुक्त है?

(क) पच्चा
(ख) मिनुक्कु
(ग) वेल्ला ताड़ी
(घ) कत्ति

उत्तर: (घ) कत्ति

व्याख्या: कत्ति वेश अभिमानी और दुष्प्रवृत्त शक्तिशाली पात्रों से जुड़ा है। रावण इसका प्रमुख उदाहरण है; पच्चा सामान्यतः सद्गुणी नायकों से संबंधित है।

54. कथकली की श्रेणियों का मिलान करें: 1. वेल्ला ताड़ी; 2. करुत्त ताड़ी; 3. मिनुक्कु। क. सौम्य स्त्री या ऋषि पात्र; ख. हनुमान; ग. शिकारी पात्र।

(क) 1–ख, 2–ग, 3–क
(ख) 1–ग, 2–ख, 3–क
(ग) 1–क, 2–ग, 3–ख
(घ) 1–ख, 2–क, 3–ग

उत्तर: (क) 1–ख, 2–ग, 3–क

व्याख्या: वेल्ला ताड़ी सफेद दाढ़ी वाला वेश है, जैसे हनुमान। करुत्त ताड़ी शिकारी पात्रों तथा मिनुक्कु सौम्य स्त्री और ऋषि पात्रों से जुड़ा है।

55. कथकली में प्रयुक्त व्यवस्थित हस्तमुद्राओं के लिए कौन-सा ग्रंथ विशेष रूप से महत्त्वपूर्ण है?

(क) हस्तलक्षणदीपिका
(ख) अमरकोश
(ग) लीलातिलकम्
(घ) अर्थशास्त्र

उत्तर: (क) हस्तलक्षणदीपिका

व्याख्या: कथकली की हस्तमुद्रा-पद्धति के लिए हस्तलक्षणदीपिका महत्त्वपूर्ण आधार है। हस्तमुद्राएँ पात्रों, क्रियाओं और विचारों को व्यक्त करने में सहायक होती हैं।

56. कथकली परंपरा में 'आट्टकथा' का अर्थ क्या है?

(क) मुख-शृंगार की सफेद किनारी
(ख) बड़ा अलंकृत मुकुट
(ग) केवल आँखों का प्रशिक्षण-अभ्यास
(घ) नृत्य-नाट्य प्रस्तुति के लिए रचित साहित्यिक पाठ

उत्तर: (घ) नृत्य-नाट्य प्रस्तुति के लिए रचित साहित्यिक पाठ

व्याख्या: आट्टकथा कथकली के मंचन हेतु रचित नाट्य-पाठ है। इससे कथानक, पात्र और गायन के साहित्यिक अंश प्राप्त होते हैं।

57. सही सुमेलित कलाकार और क्षेत्र की पहचान करें।

(क) दुर्गालाल — मोहिनीअट्टम
(ख) शोभा नायडू — ओडिसी
(ग) कलामंडलम गोपी — कथकली
(घ) कलामंडलम कल्याणीकुट्टी अम्मा — सत्रिया

उत्तर: (ग) कलामंडलम गोपी — कथकली

व्याख्या: कलामंडलम गोपी कथकली के कलाकार हैं। कल्याणीकुट्टी अम्मा मोहिनीअट्टम, शोभा नायडू कुचिपुड़ी और दुर्गालाल कथक से संबंधित हैं।

58. कलामंडलम कल्याणीकुट्टी अम्मा के बारे में विचार करें: 1. उन्होंने मोहिनीअट्टम के पुनरुद्धार में कार्य किया। 2. उन्होंने कथक का बनारस घराना स्थापित किया। 3. उनकी कला-यात्रा केरल कलामंडलम से जुड़ी थी। कौन-से कथन सही हैं?

(क) केवल 1 और 2
(ख) 1, 2 और 3
(ग) केवल 1 और 3
(घ) केवल 2 और 3

उत्तर: (ग) केवल 1 और 3

व्याख्या: कल्याणीकुट्टी अम्मा मोहिनीअट्टम के पुनरुद्धार और कलामंडलम से जुड़ी थीं। बनारस कथक घराने की स्थापना-परंपरा जानकी प्रसाद से संबद्ध है।

59. कृष्णनाट्टम जिस 'कृष्णगीति' पर आधारित है, उसके रचयिता कौन-से शासक-कवि थे?

(क) कालीकट के मानवेद
(ख) रायगढ़ के राजा चक्रधर सिंह
(ग) त्रावणकोर के स्वाति तिरुनाल
(घ) मणिपुर के भाग्यचंद्र

उत्तर: (क) कालीकट के मानवेद

व्याख्या: कालीकट के मानवेद ने संस्कृत में कृष्णगीति की रचना की। कृष्णनाट्टम में कृष्ण के जीवन की घटनाएँ नृत्य-नाट्य के रूप में प्रस्तुत होती हैं।

60. कृष्णनाट्टम की सतत प्रस्तुति-परंपरा विशेष रूप से किस मंदिर या संस्था से जुड़ी है?

(क) बृहदीश्वर मंदिर
(ख) कामाख्या मंदिर
(ग) गुरुवायूर मंदिर
(घ) गोविंद देवजी मंदिर, जयपुर

उत्तर: (ग) गुरुवायूर मंदिर

व्याख्या: कृष्णनाट्टम गुरुवायूर मंदिर की अनुष्ठानिक नृत्य-नाट्य परंपरा से विशेष रूप से जुड़ा है। इसके विषय कृष्ण के जीवन से लिए जाते हैं।

61. कौन-सा संबंध गलत है?

(क) दुर्गालाल — कथक का जयपुर घराना
(ख) गोपीकृष्ण — कथक का बनारस घराना
(ग) राजा चक्रधर सिंह — रायगढ़ कथक परंपरा
(घ) जानकी प्रसाद — कथक का लखनऊ घराना

उत्तर: (घ) जानकी प्रसाद — कथक का लखनऊ घराना

व्याख्या: जानकी प्रसाद बनारस घराने की स्थापना-परंपरा से जुड़े हैं, लखनऊ से नहीं। अन्य तीनों युग्म सही हैं।

कुचिपुड़ी और ओडिसी

62. कुचिपुड़ी नृत्य की उत्पत्ति वर्तमान में किस राज्य में माने जाने वाले क्षेत्र में हुई?

(क) तमिलनाडु
(ख) ओडिशा
(ग) आंध्र प्रदेश
(घ) कर्नाटक

उत्तर: (ग) आंध्र प्रदेश

व्याख्या: कुचिपुड़ी का नाम आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले के कुचिपुड़ी गाँव से जुड़ा है। यह मूलतः नृत्य-नाट्य परंपरा के रूप में विकसित हुआ।

63. कुचिपुड़ी नृत्य-नाट्य परंपरा के विकास से परंपरागत रूप से किसका नाम जुड़ा है?

(क) सिद्धेंद्र योगी
(ख) शंकरदेव
(ग) वल्लथोल नारायण मेनन
(घ) राजा चक्रधर सिंह

उत्तर: (क) सिद्धेंद्र योगी

व्याख्या: सिद्धेंद्र योगी को कुचिपुड़ी परंपरा के व्यवस्थित विकास से जोड़ा जाता है। 'भामाकलापम्' उनकी परंपरा की प्रसिद्ध प्रस्तुति मानी जाती है।

64. पीतल की थाली के किनारों पर नृत्य करने वाली प्रसिद्ध 'तरंगम्' प्रस्तुति किस नृत्य से विशेष रूप से संबंधित है?

(क) कथकली
(ख) कुचिपुड़ी
(ग) ओडिसी
(घ) भरतनाट्यम

उत्तर: (ख) कुचिपुड़ी

व्याख्या: 'तरंगम्' कुचिपुड़ी की प्रसिद्ध प्रस्तुति है। इसमें कलाकार पीतल की थाली पर संतुलन रखते हुए लयबद्ध पद-संचालन करता है। इस प्रस्तुति में 'कृष्णलीला तरंगिणी' के अंश गाए जाते हैं।

65. ओडिसी में चौक और त्रिभंग के बीच कौन-सा अंतर सही है?

(क) हस्तमुद्रा बनाम तालवाद्य का बोल
(ख) बैठी हुई मुद्रा बनाम ऊँची छलाँग
(ग) मुखौटे का प्रकार बनाम वेशभूषा का प्रकार
(घ) चौकोर संतुलित स्थिति बनाम तीन भंगों वाली मुद्रा

उत्तर: (घ) चौकोर संतुलित स्थिति बनाम तीन भंगों वाली मुद्रा

व्याख्या: चौक ओडिसी की सममित, चौकोर आधार-स्थिति है। त्रिभंग में शरीर तीन स्तरों पर मुड़ता है। दोनों नृत्य के शरीर-विन्यास को समझने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

66. गुरु केलुचरण महापात्र किस नृत्य के प्रमुख कलाकार थे?

(क) कथकली
(ख) मोहिनीअट्टम
(ग) सत्रिया
(घ) ओडिसी

उत्तर: (घ) ओडिसी

व्याख्या: केलुचरण महापात्र ओडिसी के प्रमुख गुरु थे। उन्होंने इसके आधुनिक पुनरुद्धार, प्रशिक्षण और मंचीय विस्तार में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

67. 'गीतगोविंद', जिसकी अष्टपदियाँ ओडिसी अभिनय में महत्वपूर्ण हैं, की रचना किसने की?

(क) बाणभट्ट
(ख) जयदेव
(ग) कालिदास
(घ) भास

उत्तर: (ख) जयदेव

व्याख्या: जयदेव का गीतगोविंद राधा-कृष्ण के प्रेम और भक्ति पर केंद्रित है। इसकी अष्टपदियाँ ओडिसी सहित कई प्रदर्शन परंपराओं में भाव-अभिव्यक्ति का आधार हैं।

68. ओडिसी से जुड़ी दो ऐतिहासिक परंपराओं का कौन-सा तुलनात्मक वर्णन सही है?

(क) महारी में मुखौटाधारी योद्धा थे; गोटीपुआ में दरबारी चित्रकार थे
(ख) दोनों केवल वाद्य-निर्माण की परंपराएँ थीं
(ग) महारी में मंदिर सेवा से जुड़ी महिलाएँ थीं; गोटीपुआ में लड़के स्त्री-वेश में नृत्य करते थे
(घ) दोनों आधुनिक फिल्मी नृत्यों के रूप में उत्पन्न हुईं

उत्तर: (ग) महारी में मंदिर सेवा से जुड़ी महिलाएँ थीं; गोटीपुआ में लड़के स्त्री-वेश में नृत्य करते थे

व्याख्या: महारी और गोटीपुआ ओडिसी के इतिहास को समझने में महत्वपूर्ण हैं। गोटीपुआ की कलाबाजी और स्त्री-वेश में बालकों की प्रस्तुति उसे महारी परंपरा से अलग पहचान देती है।

69. राजा रेड्डी और राधा रेड्डी किस नृत्य की प्रसिद्ध कलाकार-जोड़ी हैं?

(क) कुचिपुड़ी
(ख) मणिपुरी
(ग) कथकली
(घ) सत्रिया

उत्तर: (क) कुचिपुड़ी

व्याख्या: राजा रेड्डी और राधा रेड्डी कुचिपुड़ी के प्रमुख कलाकार हैं। नृत्य-नाट्य और मंचीय प्रस्तुतियों के माध्यम से उन्होंने इस शैली के प्रसार में योगदान दिया।

70. पारंपरिक कुचिपुड़ी नृत्य-नाट्य पर विचार कीजिए: 1. दरुवु से पात्र का परिचय कराया जा सकता है। 2. कलाकार बोले गए संवाद का प्रयोग कर सकता है। 3. इस परंपरा में सभी नाटकीय पात्रांकन निषिद्ध हैं। कौन-से कथन सही हैं?

(क) केवल 1 और 3
(ख) केवल 2 और 3
(ग) 1, 2 और 3
(घ) केवल 1 और 2

उत्तर: (घ) केवल 1 और 2

व्याख्या: कुचिपुड़ी की नृत्य-नाट्य परंपरा में पात्र-प्रवेश के लिए दरुवु तथा संवाद का प्रयोग मिलता है। इसलिए इसे पात्रांकन से रहित मानना गलत है।

71. यामिनी कृष्णमूर्ति ने विशेष रूप से जिन दो नृत्य शैलियों में ख्याति प्राप्त की, उनका सही युग्म कौन-सा है?

(क) भरतनाट्यम और कुचिपुड़ी
(ख) कथक और मणिपुरी
(ग) ओडिसी और सत्रिया
(घ) कथकली और मोहिनीअट्टम

उत्तर: (क) भरतनाट्यम और कुचिपुड़ी

व्याख्या: यामिनी कृष्णमूर्ति भरतनाट्यम और कुचिपुड़ी की अग्रणी कलाकार थीं। उन्हें किसी एक शैली तक सीमित समझना उनके योगदान का अधूरा चित्र होगा।

72. उस गुरु की पहचान करें जिन्होंने मद्रास में कुचिपुड़ी आर्ट अकादमी स्थापित की और शोभा नायडू जैसे कलाकारों को प्रशिक्षित किया।

(क) केलुचरण महापात्र
(ख) वेम्पति चिन्ना सत्यम
(ग) शंभू महाराज
(घ) बिपिन सिंह

उत्तर: (ख) वेम्पति चिन्ना सत्यम

व्याख्या: वेम्पति चिन्ना सत्यम ने कुचिपुड़ी के प्रशिक्षण और नृत्य-रचनाओं को व्यापक बनाया। मद्रास की कुचिपुड़ी आर्ट अकादमी उनके कार्य का प्रमुख केंद्र रही।

73. वेदांतम सत्यनारायण शर्मा विशेष रूप से किस योगदान के लिए प्रसिद्ध थे?

(क) संस्कृत कृष्णगीति की रचना
(ख) बनारस कथक घराने का विकास

(ग) महिला कलाकार के रूप में ओडिसी महारी प्रदर्शनों का पुनरुद्धार
(घ) पारंपरिक कुचिपुड़ी में स्त्री पात्रों का अभिनय

उत्तर: (घ) पारंपरिक कुचिपुड़ी में स्त्री पात्रों का अभिनय

व्याख्या: वेदांतम सत्यनारायण शर्मा कुचिपुड़ी के स्त्री-वेष अभिनय के विख्यात कलाकार थे। सत्यभामा जैसे पात्रों के उनके अभिनय को विशेष प्रतिष्ठा मिली।

74. विलासिनी नाट्यम् के पुनरुद्धार और मंचीय प्रस्तुति से कौन-सी कलाकार विशेष रूप से जुड़ी हैं?
(क) दर्शना झवेरी
(ख) स्वप्नसुंदरी
(ग) संयुक्ता पाणिग्रही
(घ) रोशन कुमारी

उत्तर: (ख) स्वप्नसुंदरी

व्याख्या: स्वप्नसुंदरी विलासिनी नाट्यम् के पुनरुद्धार से जुड़ी हैं। यह तेलुगु क्षेत्र की वंशानुगत महिला कलाकारों की नृत्य-परंपराओं पर आधारित है।

75. भामाकलापम् की प्रमुख नायिका सत्यभामा किस देवता की पत्नी के रूप में संबद्ध हैं?
(क) कृष्ण
(ख) कार्तिकेय
(ग) शिव
(घ) राम

उत्तर: (क) कृष्ण

व्याख्या: सत्यभामा कृष्ण की पत्नी हैं। भामाकलापम् में उनके प्रेम, अभिमान और भावनात्मक अनुभवों का नाटकीय चित्रण किया जाता है।

76. ओडिसी की सामान्य प्रस्तुति में निम्न अंगों का प्रचलित क्रम कौन-सा है?
(क) अभिनय → मंगलाचरण → मोक्ष → बटु → पल्लवी
(ख) मंगलाचरण → बटु → पल्लवी → अभिनय → मोक्ष
(ग) बटु → मोक्ष → मंगलाचरण → पल्लवी → अभिनय
(घ) मोक्ष → पल्लवी → बटु → अभिनय → मंगलाचरण

उत्तर: (ख) मंगलाचरण → बटु → पल्लवी → अभिनय → मोक्ष

व्याख्या: ओडिसी का प्रचलित क्रम मंगलाचरण, बटु, पल्लवी, अभिनय और मोक्ष है। किसी विशेष नृत्य-रचना का चयन अलग हो सकता है।

77. ओडिसी में एक प्रस्तुति राग के आधार पर गतियों और लय-विन्यास का क्रमशः विस्तार करती है, जिसमें गीत-कथा का वर्णन प्रमुख नहीं है। यह कौन-सा अंग है?
(क) मंगलाचरण
(ख) अष्टपदी अभिनय
(ग) साभिनय पद
(घ) पल्लवी

उत्तर: (घ) पल्लवी

व्याख्या: पल्लवी में राग के साथ नृत्य का क्रमिक विस्तार होता है। इसमें नृत्त की गतियाँ और लयात्मक संरचना प्रमुख होती हैं।

78. ओडिसी के किस गुरु की शैली में ओडिशा की जनजातीय और लोक परंपराओं का प्रमुख समावेश विशेष रूप से उल्लेखनीय है?
(क) कलामंडलम गोपी
(ख) गुरु अमुबी सिंह
(ग) वेम्पति चिन्ना सत्यम
(घ) देबप्रसाद दास

उत्तर: (घ) देबप्रसाद दास

व्याख्या: गुरु देबप्रसाद दास की ओडिसी शैली लोक, जनजातीय और शास्त्रीय तत्त्वों के समन्वय के लिए जानी जाती है।

79. कलाकारों का उनकी प्रमुख नृत्य परंपराओं से मिलान करें: 1. माधवी मुद्गल; 2. भारती शिवाजी; 3. राजकुमार सिंहजीत सिंह। क. मणिपुरी; ख. ओडिसी; ग. मोहिनीअट्टम।
(क) 1–ख, 2–क, 3–ग
(ख) 1–ग, 2–ख, 3–क
(ग) 1–क, 2–ग, 3–ख
(घ) 1–ख, 2–ग, 3–क

उत्तर: (घ) 1–ख, 2–ग, 3–क

व्याख्या: माधवी मुद्गल ओडिसी, भारती शिवाजी मोहिनीअट्टम और राजकुमार सिंहजीत सिंह मणिपुरी के प्रतिष्ठित कलाकार हैं।

80. सोनल मानसिंह के बारे में विचार करें: 1. उनकी कला-यात्रा में भरतनाट्यम शामिल है। 2. उनकी कला-यात्रा में ओडिसी शामिल है। कौन-सा कथन सही है?
(क) 1 और 2 दोनों
(ख) केवल 1
(ग) न तो 1, न ही 2
(घ) केवल 2

उत्तर: (क) 1 और 2 दोनों

व्याख्या: सोनल मानसिंह का प्रशिक्षण और कार्य भरतनाट्यम तथा ओडिसी दोनों से संबंधित है। इसलिए दोनों कथन सही हैं।

81. गीतात्मक रूप में अष्टपदी की पहचान किस संरचनात्मक विशेषता से होती है?
(क) आठ पद या अंतरे
(ख) केवल सोलह हस्तमुद्राएँ
(ग) प्रत्येक प्रस्तुति में चार कलाकार
(घ) बारह अनिवार्य ताल-आवर्तन

उत्तर: (क) आठ पद या अंतरे

व्याख्या: अष्टपदी में 'अष्ट' आठ तथा 'पदी' पदों को सूचित करता है। गीतगोविंद की अष्टपदियाँ विभिन्न नृत्य-परंपराओं में भावाभिनय के लिए प्रयुक्त होती हैं।

82. नारायण तीर्थ की कौन-सी रचना कुचिपुड़ी के तरंगम् के लिए महत्त्वपूर्ण साहित्यिक आधार है?
(क) कृष्णगीति
(ख) कृष्णलीला तरंगिणी
(ग) अभिनयदर्पण
(घ) गीतगोविंद

उत्तर: (ख) कृष्णलीला तरंगिणी

व्याख्या: नारायण तीर्थ की कृष्णलीला तरंगिणी कृष्ण-कथाओं पर आधारित रचना है। कुचिपुड़ी के तरंगम् में इससे चयनित गीत प्रयुक्त होते हैं।

मणिपुरी और सत्रिया

83. सत्रिया को संरक्षित करने वाली ऐतिहासिक 'सत्र' संस्थाओं का सबसे उपयुक्त वर्णन क्या है?
(क) राजस्थान के सैन्य प्रशिक्षण केंद्र
(ख) दक्कन की राजकीय चित्रशालाएँ
(ग) महाराष्ट्र के बौद्ध गुफा-विहार
(घ) असम की वैष्णव मठीय संस्थाएँ

उत्तर: (घ) असम की वैष्णव मठीय संस्थाएँ

व्याख्या: सत्र असम की वैष्णव धार्मिक और सांस्कृतिक संस्थाएँ हैं। सत्रिया का नाम और संरक्षण इनसे जुड़ा है; नृत्य, संगीत और धार्मिक प्रस्तुति यहाँ परस्पर संबद्ध रहे हैं।

84. वैष्णव भक्ति के माध्यम के रूप में सत्रिया के उद्भव से प्रमुख रूप से कौन-से संत जुड़े हैं?
(क) नामदेव
(ख) तुलसीदास

(ग) श्रीमंत शंकरदेव
(घ) बसवन्ना

उत्तर: (ग) श्रीमंत शंकरदेव

व्याख्या: श्रीमंत शंकरदेव ने असम में नववैष्णव आंदोलन के अंतर्गत नृत्य, संगीत और नाट्य का उपयोग किया। सत्रिया की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि इसी धार्मिक-सांस्कृतिक परंपरा से संबंधित है।

85. पारंपरिक रास प्रस्तुतियों में पहनी जाने वाली 'कुमिल' नामक कड़ी, बेलनाकार घाघरा-आकृति की पोशाक किससे संबंधित है?

(क) सत्रिया
(ख) कुचिपुड़ी
(ग) मणिपुरी
(घ) कथक

उत्तर: (ग) मणिपुरी

व्याख्या: मणिपुरी रास में स्त्री पात्रों की विशिष्ट पोशाक का प्रमुख भाग कुमिल है। इसकी बेलनाकार संरचना नृत्य की दृश्य पहचान का महत्वपूर्ण संकेत है।

86. पुंग चोलोम का कौन-सा वर्णन सही है?

(क) ओडिशा का मौन मुखौटा-निर्माण अनुष्ठान
(ख) पुंग ढोल बजाते हुए किया जाने वाला मणिपुरी नृत्य
(ग) केवल तलवारों से किया जाने वाला गुजराती नृत्य
(घ) बाँस की ऊँची टेक पर किया जाने वाला राजस्थानी नृत्य

उत्तर: (ख) पुंग ढोल बजाते हुए किया जाने वाला मणिपुरी नृत्य

व्याख्या: पुंग चोलोम में कलाकार पुंग बजाते हुए नृत्य करता है। इसमें ताल, संतुलन, गति और शारीरिक नियंत्रण का संयुक्त कौशल दिखाई देता है।

87. सत्रिया को संगीत नाटक अकादेमी से 2000 में शास्त्रीय मान्यता मिली। कौन-सा निष्कर्ष सही है?

(क) नृत्य का आविष्कार 2000 में हुआ
(ख) मान्यता 2000 में मिली, पर परंपरा कई शताब्दियाँ पुरानी है
(ग) सभी सत्रों की स्थापना 2000 में हुई
(घ) 2000 से पहले सत्रिया का कोई धार्मिक संदर्भ नहीं था

उत्तर: (ख) मान्यता 2000 में मिली, पर परंपरा कई शताब्दियाँ पुरानी है

व्याख्या: संस्थागत मान्यता का वर्ष और किसी परंपरा का उद्भव-वर्ष अलग हो सकते हैं। सत्रिया की ऐतिहासिक जड़ें मध्यकालीन असम में हैं; 2000 मान्यता का वर्ष है।

88. झवेरी बहनें विशेष रूप से किस नृत्य में योगदान के लिए जानी जाती हैं?

(क) सत्रिया
(ख) मणिपुरी
(ग) कुचिपुड़ी
(घ) कथकली

उत्तर: (ख) मणिपुरी

व्याख्या: झवेरी बहनों ने मणिपुरी नृत्य के मंचीय प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वे गुरु बिपिन सिंह की शिक्षण परंपरा से संबंधित थीं।

89. मणिपुर की सांस्कृतिक परंपराओं के बारे में कौन-सा कथन सही है?

(क) लाई हराओबा की जड़ें स्थानीय मैतेई धर्म में हैं, जबकि रास परंपराओं में वैष्णव प्रभाव है
(ख) लाई हराओबा वैष्णव रास की प्रस्तुति-सूची का ही दूसरा नाम है
(ग) लाई हराओबा केवल वैष्णव है, जबकि रास में राधा और कृष्ण नहीं आते
(घ) मणिपुर का प्रत्येक अनुष्ठान एक ही वैष्णव दरबारी आयोजन से उत्पन्न हुआ

उत्तर: (क) लाई हराओबा की जड़ें स्थानीय मैतेई धर्म में हैं, जबकि रास परंपराओं में वैष्णव प्रभाव है

व्याख्या: मणिपुर की नृत्य-संस्कृति में स्थानीय धार्मिक परंपराएँ और बाद का वैष्णव प्रभाव दोनों हैं। लाई हराओबा को केवल राधा-कृष्ण रास का दूसरा नाम मानना सही नहीं है।

90. 'थांग-ता' नाम और उसकी युद्धक परंपरा का सही संबंध कौन-सा है?

(क) ओडिशा के युद्धात्मक प्रदर्शन में धनुष और बाण
(ख) कुमाऊँ के विवाह नृत्य में तलवार और ढाल
(ग) केरल की मंदिर प्रस्तुति में लाठी और कटार
(घ) मणिपुरी युद्धक परंपरा में तलवार और भाला

उत्तर: (घ) मणिपुरी युद्धक परंपरा में तलवार और भाला

व्याख्या: थांग-ता मणिपुर की युद्धक कला है। 'थांग' तलवार और 'ता' भाले से संबंधित हैं। इसके प्रदर्शनात्मक पक्ष को हथियारों तथा युद्धक गतियों के संदर्भ में समझना चाहिए।

91. सत्रिया प्रशिक्षण में 'माटी अखाड़ा' क्यों महत्वपूर्ण हैं?

(क) वे दर्शकों की बैठक-व्यवस्था बताते हैं
(ख) वे केवल प्रस्तुति के अंतिम गीत हैं
(ग) वे धातु के मुखौटों के नाम हैं
(घ) वे शारीरिक अभ्यास और नृत्य-गतियों की तैयारी की आधारभूत प्रणाली हैं

उत्तर: (घ) वे शारीरिक अभ्यास और नृत्य-गतियों की तैयारी की आधारभूत प्रणाली हैं

व्याख्या: माटी अखाड़ा सत्रिया के शारीरिक प्रशिक्षण का आधार हैं। इन अभ्यासों से नृत्य के लिए आवश्यक नियंत्रण, लचीलापन और शरीर के विभिन्न अंगों का समन्वय विकसित किया जाता है।

92. जतिन गोस्वामी किस नृत्य के प्रमुख गुरु और कलाकार हैं?

(क) मोहिनीअट्टम
(ख) कथकली
(ग) भरतनाट्यम
(घ) सत्रिया

उत्तर: (घ) सत्रिया

व्याख्या: जतिन गोस्वामी सत्रिया के प्रमुख गुरु हैं। नृत्य-रचना, शिक्षण और सत्रिया संबंधी लेखन में उनका महत्वपूर्ण योगदान है।

93. अठारहवीं शताब्दी में मणिपुरी की शास्त्रीय रास-परंपरा के विकास से कौन-से शासक विशेष रूप से जुड़े हैं?

(क) मानवेद
(ख) भाग्यचंद्र
(ग) कृष्णदेवराय
(घ) चक्रधर सिंह

उत्तर: (ख) भाग्यचंद्र

व्याख्या: महाराजा भाग्यचंद्र मणिपुरी रास की संरचना और संरक्षण से विशेष रूप से जुड़े हैं। इस परंपरा में राधा-कृष्ण भक्ति का प्रमुख स्थान है।

94. मणिपुरी रास के बारे में विचार करें: 1. राधा, कृष्ण और गोपियाँ प्रमुख पात्र हैं। 2. इसका भक्ति-आधार वैष्णव है। 3. उग्र पदाघात इसकी निर्णायक अभिव्यक्तिगत विशेषता है। कौन-से कथन सही हैं?

(क) केवल 1 और 2
(ख) केवल 1 और 3
(ग) केवल 2 और 3
(घ) 1, 2 और 3

उत्तर: (क) केवल 1 और 2

व्याख्या: मणिपुरी रास राधा-कृष्ण की वैष्णव भक्ति से जुड़ा है। इसकी प्रवाहपूर्ण और कोमल गतियों को उग्र पदाघात द्वारा परिभाषित करना गलत है।

95. लाई हराओबा की अनुष्ठानिक नृत्य-प्रस्तुतियों से कौन-से धार्मिक विशेषज्ञ विशेष रूप से जुड़े हैं?
(क) मैबी
(ख) भागवतार
(ग) चाक्यार
(घ) भागवत मेला के पुजारी
उत्तर: (क) मैबी
व्याख्या: मैबी मणिपुर की पारंपरिक धार्मिक विशेषज्ञ होती हैं। लाई हराओबा में उनकी नृत्यगतियाँ सृष्टि और सांस्कृतिक जीवन के प्रसंग प्रस्तुत करती हैं।

96. यूनेस्को में अंकित मणिपुरी संकीर्तन की सबसे उपयुक्त पहचान कौन-सी है?
(क) अनुष्ठानिक चित्रांकन, पाठ और दीप-पूजा
(ख) अनुष्ठानिक गायन, ढोलवादन और नृत्य
(ग) धागे की कठपुतली-संचालन सहित एकल कथावाचन
(घ) तलवार–ढाल सहित मुखौटाधारी युद्धक नृत्य
उत्तर: (ख) अनुष्ठानिक गायन, ढोलवादन और नृत्य
व्याख्या: मणिपुर का संकीर्तन अनुष्ठानिक गायन, ढोलवादन और नृत्य का संयुक्त रूप है। यह सामुदायिक और धार्मिक जीवन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

97. असम की वैष्णव प्रदर्शन-परंपरा में नाट्यरूप तथा उसके मंचन का सही युग्म कौन-सा है?
(क) अंकिया नाट — भाओना
(ख) बरगीत — गरबा
(ग) पल्लवी — यक्षगान
(घ) आट्टकथा — जात्रा
उत्तर: (क) अंकिया नाट — भाओना
व्याख्या: अंकिया नाट असम की एकांकी नाट्य-परंपरा है। भाओना उसके अभिनय-मंचन से जुड़ा नाम है, जिसका विकास वैष्णव सांस्कृतिक वातावरण में हुआ।

98. शंकरदेव के बाद असम के वैष्णव आंदोलन के प्रमुख व्यक्तित्व बने तथा उसकी भक्तिपरक प्रदर्शन-परंपराओं में महत्त्वपूर्ण योगदान देने वाले कौन थे?
(क) नरहरि तीर्थ
(ख) माधवदेव
(ग) अन्नमाचार्य
(घ) पुरंदरदास
उत्तर: (ख) माधवदेव
व्याख्या: माधवदेव शंकरदेव के प्रमुख शिष्य और उत्तराधिकारी थे। उन्होंने असम की भक्ति, संगीत और नाट्य-परंपराओं को समृद्ध किया।

99. शंकरदेव और माधवदेव से जुड़े बरगीतों की सबसे उपयुक्त पहचान क्या है?
(क) भरतनाट्यम पद-संचालन के शब्दरहित अभ्यास
(ख) कथकली के खलनायकों के बोले गए संवाद
(ग) राग-परंपरा पर आधारित भक्तिगीत
(घ) केवल तलवार-नृत्य में प्रयुक्त युद्ध-घोष
उत्तर: (ग) राग-परंपरा पर आधारित भक्तिगीत
व्याख्या: बरगीत असम की वैष्णव भक्ति-संगीत परंपरा के रागबद्ध गीत हैं। शंकरदेव और माधवदेव इनके प्रमुख रचनाकार हैं।

100. पारंपरिक भाओना में वर्णन और अभिनय द्वारा नाट्य-क्रिया का परिचय देने तथा उसे जोड़ने का कार्य कौन करता है?
(क) चुट्टी कलाकार
(ख) सूत्रधार
(ग) महारी
(घ) मर्दल निर्माता
उत्तर: (ख) सूत्रधार
व्याख्या: सूत्रधार भाओना में नाट्य-प्रसंगों को जोड़ने और दर्शकों का मार्गदर्शन करने वाला प्रमुख पात्र है। उसकी भूमिका कथन और प्रस्तुति दोनों से जुड़ी होती है।

101. निम्न में से कौन-से कलाकार मुख्यतः सत्रिया से संबंधित हैं?
(क) लच्छू महाराज
(ख) घनकांत बोरा
(ग) कलामंडलम रामनकुट्टी नायर
(घ) मायाधर राउत
उत्तर: (ख) घनकांत बोरा
व्याख्या: घनकांत बोरा सत्रिया के प्रमुख गुरु हैं। मायाधर राउत ओडिसी, लच्छू महाराज कथक और रामनकुट्टी नायर कथकली से संबंधित हैं।

102. शंकरदेव के अंकिया नाट की रचनाओं से कौन-सी भाषा विशेष रूप से जुड़ी है?
(क) पश्चिमी राजस्थान का अपभ्रंश
(ख) अर्धमागधी
(ग) मणिप्रवालम्
(घ) ब्रजावली
उत्तर: (घ) ब्रजावली
व्याख्या: अंकिया नाट में ब्रजावली का विशेष प्रयोग मिलता है। यह वैष्णव साहित्य और प्रदर्शन के लिए प्रयुक्त साहित्यिक भाषा-रूप है।

छऊ और नृत्य विरासत

103. छऊ की शैलियों पर विचार कीजिए: 1. सरायकेला में परंपरागत रूप से मुखौटे प्रयुक्त होते हैं। 2. पुरुलिया में परंपरागत रूप से मुखौटे प्रयुक्त होते हैं। 3. मयूरभंज की प्रत्येक प्रस्तुति में मुखौटा अनिवार्य है। कौन-से कथन सही हैं?
(क) केवल 2 और 3
(ख) 1, 2 और 3
(ग) केवल 1 और 2
(घ) केवल 1 और 3
उत्तर: (ग) केवल 1 और 2
व्याख्या: सरायकेला और पुरुलिया छऊ में मुखौटे प्रयुक्त होते हैं। मयूरभंज छऊ की प्रमुख विशेषता मुखौटों का प्रयोग न करना है, इसलिए तीसरा कथन गलत है।

104. इन यूनेस्को अमूर्त सांस्कृतिक विरासत अभिलेखनों को पुराने से नए क्रम में रखिए: 1. गुजरात का गरबा 2. छऊ नृत्य 3. मणिपुर का संकीर्तन।
(क) 1 → 2 → 3
(ख) 2 → 3 → 1
(ग) 3 → 2 → 1
(घ) 2 → 1 → 3
उत्तर: (ख) 2 → 3 → 1
व्याख्या: छऊ 2010 में, मणिपुर का संकीर्तन 2013 में और गुजरात का गरबा 2023 में यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में शामिल हुए। सही क्रम 2, 3, 1 है।

105. छऊ की शैली का उसके प्रमुख राज्य से मिलान कीजिए: 1. सरायकेला 2. पुरुलिया 3. मयूरभंज। क. ओडिशा ख. झारखंड ग. पश्चिम बंगाल।
(क) 1–ग, 2–ख, 3–क
(ख) 1–ख, 2–ग, 3–क
(ग) 1–क, 2–ग, 3–ख
(घ) 1–ख, 2–क, 3–ग

उत्तर: (ख) 1–ख, 2–ग, 3–क

व्याख्या: सरायकेला झारखंड, पुरुलिया पश्चिम बंगाल और मयूरभंज ओडिशा में है। छऊ की क्षेत्रीय शैलियों को अलग-अलग राज्यों से जोड़ना आवश्यक है; पूरी परंपरा को एक ही राज्य तक सीमित करना गलत होगा।

106. कालबेलिया पर विचार कीजिए: 1. इसकी नृत्य-गतियाँ समुदाय के साँपों से जुड़े पारंपरिक जीवन का संकेत देती हैं। 2. इसके गीत और नृत्य परंपरागत रूप से मौखिक रूप में संचारित होते रहे हैं। कौन-से कथन सही हैं?

(क) केवल 1
(ख) केवल 2
(ग) 1 और 2 दोनों
(घ) न 1, न 2

उत्तर: (ग) 1 और 2 दोनों

व्याख्या: राजस्थान के कालबेलिया नृत्य में सर्प जैसी लचीली गतियाँ मिलती हैं। गीत-नृत्य की सीख पीढ़ी-दर-पीढ़ी मौखिक और प्रदर्शन-आधारित परंपरा से आगे बढ़ी है।

107. नृत्य का उसकी विशिष्ट तालवाद्य संगत से मिलान कीजिए: 1. ओडिसी 2. सत्रिया 3. कथकली। क. खोल ख. चेंडा ग. मर्दल।

(क) 1–क, 2–ख, 3–ग
(ख) 1–ख, 2–ग, 3–क
(ग) 1–ग, 2–ख, 3–क
(घ) 1–ग, 2–क, 3–ख

उत्तर: (घ) 1–ग, 2–क, 3–ख

व्याख्या: ओडिसी में मर्दल, सत्रिया में खोल और कथकली में चेंडा महत्वपूर्ण हैं। किसी शैली में अन्य संगत वाद्य भी हो सकते हैं; यहाँ प्रमुख पहचान का मिलान पूछा गया है।

108. किसी भारतीय नृत्य को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में शामिल किया जाता है। इससे कौन-सा निष्कर्ष निकलता है?

(क) नृत्य को हर राष्ट्रीय संस्था से स्वतः शास्त्रीय दर्जा मिल जाता है
(ख) जीवित सांस्कृतिक परंपरा को मान्यता मिली है; इससे वह स्वतः विश्व धरोहर स्मारक नहीं बनती
(ग) संबंधित प्रस्तुति-स्थल स्वतः विश्व धरोहर स्थल बन जाता है
(घ) अभिलेखन सभी भावी प्रस्तुतियों को स्थायी रूप से अपरिवर्तनीय कर देता है

उत्तर: (ख) जीवित सांस्कृतिक परंपरा को मान्यता मिली है; इससे वह स्वतः विश्व धरोहर स्मारक नहीं बनती

व्याख्या: अमूर्त विरासत में जीवित परंपराएँ, कौशल और अभिव्यक्तियाँ आती हैं। विश्व धरोहर स्थलों की सूची अलग है; नृत्य का अभिलेखन किसी भवन का दर्जा नहीं देता।

109. छऊ के विषय और गतियों पर विचार कीजिए: 1. इसकी गति-भाषा पर युद्धक तकनीकों का प्रभाव है। 2. विषयों में महाकाव्य, स्थानीय लोककथाएँ और अमूर्त विचार हो सकते हैं। 3. हर प्रस्तुति में वास्तविक ऐतिहासिक युद्ध का पुनरभिनय अनिवार्य है। कौन-से कथन सही हैं?

(क) 1, 2 और 3
(ख) केवल 1 और 2
(ग) केवल 2 और 3
(घ) केवल 1 और 3

उत्तर: (ख) केवल 1 और 2

व्याख्या: छऊ की गतियों में युद्धक प्रभाव है, पर उसके विषय केवल वास्तविक युद्धों तक सीमित नहीं हैं। महाकाव्यीय प्रसंग, लोकजीवन और अमूर्त विषय भी प्रस्तुत किए जाते हैं।

पूर्वोत्तर भारत के लोक नृत्य

110. बिहू नृत्य का सबसे निकट संबंध भारत के किस राज्य से है?

(क) असम
(ख) मेघालय
(ग) त्रिपुरा
(घ) सिक्किम

उत्तर: (क) असम

व्याख्या: बिहू असम की प्रमुख लोकनृत्य परंपरा है। विशेष रूप से वसंत ऋतु के रोंगाली या बोहाग बिहू में गीत और नृत्य का महत्वपूर्ण स्थान है।

111. बाँसों के बीच समन्वित पद-संचालन वाला चेराव नृत्य मुख्यतः कहाँ का है?

(क) मिजोरम
(ख) हिमाचल प्रदेश
(ग) पंजाब
(घ) गुजरात

उत्तर: (क) मिजोरम

व्याख्या: चेराव मिजोरम का प्रसिद्ध बाँस नृत्य है। बाँसों को लय में खोलने और बंद करने वाले कलाकारों के साथ नर्तकों के पद-संचालन का समन्वय आवश्यक होता है।

112. बागुरुम्बा का विशेष संबंध किस समुदाय से है?

(क) टोडा
(ख) भील
(ग) गद्दी
(घ) बोडो

उत्तर: (घ) बोडो

व्याख्या: बागुरुम्बा असम के बोडो समुदाय की प्रसिद्ध नृत्य परंपरा है। इसकी गतियों में प्रकृति से प्रेरित सौम्यता दिखाई देती है।

113. संतुलन की विशिष्ट गतियों के लिए प्रसिद्ध त्रिपुरा का होजागिरी किस समुदाय से संबंधित है?

(क) खासी
(ख) संथाल
(ग) लेपचा
(घ) रियांग या ब्रू

उत्तर: (घ) रियांग या ब्रू

व्याख्या: होजागिरी त्रिपुरा के रियांग या ब्रू समुदाय का नृत्य है। महिला कलाकार शरीर के संतुलन और नियंत्रित गतियों से इसे विशिष्ट बनाती हैं।

114. सिंघी छम अर्थात हिमसिंह नृत्य किससे संबंधित है?

(क) तमिलनाडु
(ख) महाराष्ट्र
(ग) सिक्किम
(घ) हरियाणा

उत्तर: (ग) सिक्किम

व्याख्या: सिंघी छम सिक्किम की प्रसिद्ध मुखौटाधारी नृत्य परंपरा है। इसमें हिमसिंह का प्रतीकात्मक रूप प्रस्तुत किया जाता है।

115. मेघालय की नृत्य-परंपराओं का समुदायों से मिलान करें: 1. वांगला; 2. नोंगक्रेम; 3. लाहो। क. खासी; ख. पनार या जयंतिया; ग. गारो।

(क) 1–क, 2–ग, 3–ख
(ख) 1–ख, 2–क, 3–ग
(ग) 1–ग, 2–क, 3–ख
(घ) 1–ग, 2–ख, 3–क

उत्तर: (ग) 1–ग, 2–क, 3–ख

व्याख्या: वांगला गारो, नोंगक्रेम खासी और लाहो पनार/जयंतिया समुदाय से जुड़ा है। एक ही राज्य की अलग समुदाय-परंपराओं का अंतर यहाँ महत्त्वपूर्ण है।

116. एक नृत्य को मिजो परंपरा का 'अतिथियों का नृत्य' कहा गया है। यह कौन-सा नृत्य है?

(क) छेइहलम
(ख) चेराव
(ग) सरलामकाई
(घ) खुल्लम

उत्तर: (घ) खुल्लम

व्याख्या: खुल्लम का अर्थ अतिथियों का नृत्य है। यह मिजोरम की सामुदायिक और उत्सवी नृत्य-परंपराओं में शामिल है।

117. अरुणाचल प्रदेश में नृत्य और समुदाय का कौन-सा युग्म सही है?

(क) बार्डो छाम — आदि
(ख) पोनुंग — मोनपा
(ग) अजी ल्हामु — अपातानी
(घ) पोनुंग — आदि

उत्तर: (घ) पोनुंग — आदि

व्याख्या: पोनुंग आदि समुदाय से जुड़ा है। अजी ल्हामु मोनपा और बार्डो छाम शेरदुकपेन परंपरा से संबंधित हैं।

118. कितने युग्म सही सुमेलित हैं? 1. गुमराग — मिसिंग समुदाय; 2. अली-आई-लिगांग — बीज बोने का उत्सव; 3. गुमराग — गारो समुदाय।

(क) एक
(ख) एक भी नहीं
(ग) तीन
(घ) दो

उत्तर: (घ) दो

व्याख्या: पहले दो युग्म सही हैं। गुमराग मिसिंग समुदाय का नृत्य है और अली-आई-लिगांग बीज बोने से जुड़ा उत्सव है; तीसरा युग्म गलत है।

119. असम की कौन-सी नृत्य-परंपरा विशेष रूप से सर्पदेवी मनसा की उपासना से जुड़ी है?

(क) देवधनी
(ख) भोरताल
(ग) बागुरुम्बा
(घ) गुमराग

उत्तर: (क) देवधनी

व्याख्या: असम की देवधनी परंपरा का एक प्रमुख संदर्भ देवी मनसा की उपासना है। इसके अनुष्ठानिक स्वरूप को सामान्य कृषि-उत्सव नृत्य से अलग पहचानना चाहिए।

120. बरपेटा का एक दल बड़े झाँझ हाथ में लेकर तेज और समन्वित गतियाँ करता है। यह सबसे संभवतः कौन-सा नृत्य है?

(क) दुम्हाल
(ख) भोरताल नृत्य
(ग) धीमसा
(घ) छेइहलम

उत्तर: (ख) भोरताल नृत्य

व्याख्या: भोरताल नृत्य में बड़े झाँझों के साथ सामूहिक लयात्मक गतियाँ होती हैं। इसका विकास बरपेटा की सांस्कृतिक परंपरा से विशेष रूप से जुड़ा है।

121. त्रिपुरा का एक नृत्य खेतों में आने वाले रंगीन कीटों को पकड़ने की गतिविधि दिखाता है। यह संकेत किस नृत्य से मेल खाता है?

(क) होजागिरी
(ख) पोनुंग
(ग) लेबांग बूमानी
(घ) वांगला

उत्तर: (ग) लेबांग बूमानी

व्याख्या: लेबांग बूमानी में लेबांग कीटों को पकड़ने की गतिविधि का नृत्यात्मक चित्रण होता है। यह त्रिपुरा के कृषि-जीवन से संबंधित है।

उत्तर और पश्चिम भारत के लोक नृत्य

122. गिद्धा महिलाओं का प्रमुख पारंपरिक लोकनृत्य किस क्षेत्र का है?

(क) तमिलनाडु
(ख) अरुणाचल प्रदेश
(ग) ओडिशा
(घ) पंजाब

उत्तर: (घ) पंजाब

व्याख्या: गिद्धा पंजाब की महिला लोकनृत्य परंपरा है। इसमें बोलियाँ, तालियाँ और समूह-अभिव्यक्ति महत्वपूर्ण हैं; विषयों में दैनिक जीवन और सामाजिक अनुभव भी आते हैं।

123. नवरात्रि के दौरान पारंपरिक गरबा मुख्यतः किस दैवी शक्ति की आराधना से संबंधित है?

(क) केवल समुद्र-देव वरुण
(ख) केवल धन-देव कुबेर
(ग) केवल मृत्यु-देव यम
(घ) शक्ति अर्थात देवी

उत्तर: (घ) शक्ति अर्थात देवी

व्याख्या: गुजरात का गरबा नवरात्रि में शक्ति-आराधना से जुड़ा है। दीपयुक्त छिद्रित पात्र या देवी की प्रतिमा के चारों ओर सामूहिक वृत्ताकार नृत्य इसके पारंपरिक रूप की पहचान है।

124. लावणी का प्रमुख संबंध किस राज्य से है?

(क) असम
(ख) मिजोरम
(ग) महाराष्ट्र
(घ) हरियाणा

उत्तर: (ग) महाराष्ट्र

व्याख्या: लावणी महाराष्ट्र की प्रमुख गीत-नृत्य परंपरा है। इसमें प्रभावपूर्ण गायन, अभिव्यक्ति और प्रायः ढोलकी की संगत महत्वपूर्ण होती है।

125. नाटी किस राज्य की प्रसिद्ध लोकनृत्य परंपरा है?

(क) हिमाचल प्रदेश
(ख) केरल
(ग) त्रिपुरा
(घ) तेलंगाना

उत्तर: (क) हिमाचल प्रदेश

व्याख्या: नाटी हिमाचल प्रदेश की प्रमुख सामूहिक नृत्य परंपरा है। इसके विभिन्न स्थानीय रूप हैं; कुल्लू की नाटी विशेष रूप से प्रसिद्ध है।

126. पारंपरिक घूमर की सबसे विशिष्ट विशेषता कौन-सी है?

(क) राजस्थान में महिलाओं का घूमते घाघरों के साथ वृत्ताकार नृत्य
(ख) सिक्किम में मुखौटों के साथ हिमसिंह की गतियाँ
(ग) कर्नाटक में ढोलधारियों के युद्धात्मक विन्यास
(घ) मिजोरम में पुरुषों का बाँसों के साथ नृत्य

उत्तर: (क) राजस्थान में महिलाओं का घूमते घाघरों के साथ वृत्ताकार नृत्य

व्याख्या: घूमर राजस्थान का प्रमुख महिला लोकनृत्य है। वृत्ताकार घूमना और घाघरे का फैलाव इसकी परिचित दृश्य विशेषताएँ हैं।

127. रौफ लोकनृत्य का विशेष संबंध किस क्षेत्र से है?

(क) कोंकण
(ख) रायलसीमा
(ग) मालवा
(घ) कश्मीर

उत्तर: (घ) कश्मीर

व्याख्या: रौफ कश्मीर की महिला समूह-नृत्य परंपरा है। पंक्तियों में खड़े होकर समन्वित और मृदु पद-संचालन करना इसकी विशिष्ट पहचान है।

128. 'भवाई' नाम के दो प्रयोगों के बीच भ्रम दूर करने वाला सही कथन कौन-सा है?

(क) दोनों राज्यों में भवाई समान मुखौटाधारी युद्धात्मक नृत्य है
(ख) दोनों राज्यों में भवाई विशेषतः नाट्य से रहित महिला वृत्त-नृत्य है
(ग) राजस्थान में भवाई संतुलन-प्रधान नृत्य है; गुजरात में इसी नाम की लोकनाट्य परंपरा है
(घ) राजस्थान में भवाई लोकनाट्य है; गुजरात में केवल संतुलन वाला भवाई नृत्य है

उत्तर: (ग) राजस्थान में भवाई संतुलन-प्रधान नृत्य है; गुजरात में इसी नाम की लोकनाट्य परंपरा है

व्याख्या: राजस्थान की भवाई में सिर पर पात्रों का संतुलन जैसी दक्षताएँ प्रमुख हैं। गुजरात की भवाई लोकनाट्य है; समान नाम होने पर भी विधा और क्षेत्र को अलग पहचानना चाहिए।

129. राजस्थान की तेरहताली में लयात्मक ध्वनि उत्पन्न करने के लिए विशेष रूप से किसका उपयोग होता है?

(क) धनुष पर तना एक तार
(ख) शरीर के अंगों पर बाँधे गए मंजीरों को लय में बजाना
(ग) दौड़ते समय केवल घुँघरू
(घ) केवल एक बाँसुरी

उत्तर: (ख) शरीर के अंगों पर बाँधे गए मंजीरों को लय में बजाना

व्याख्या: तेरहताली में शरीर पर लगे मंजीरों को लयबद्ध ढंग से बजाया जाता है। यह राजस्थान के कामड़ समुदाय की प्रसिद्ध प्रदर्शन परंपरा से संबंधित है।

130. राजस्थान की कच्छी घोड़ी में कलाकार सामान्यतः किस रूप में दिखाई देता है?

(क) सजी हुई कृत्रिम घोड़ी पर सवार
(ख) चलते बाँस पर संतुलन बनाते हुए
(ग) बेलनाकार घाघरे में नृत्य करते हुए
(घ) हिमसिंह का मुखौटा पहने हुए

उत्तर: (क) सजी हुई कृत्रिम घोड़ी पर सवार

व्याख्या: कच्छी घोड़ी में कलाकार कमर के चारों ओर कृत्रिम घोड़ी की संरचना धारण करता है। यह राजस्थान, विशेषतः शेखावाटी, की प्रसिद्ध लोक-प्रदर्शन परंपरा है।

131. तलवार की गतियों और विवाह-यात्राओं से संबंधित छोलिया विशेष रूप से किस क्षेत्र का नृत्य है?

(क) गुजरात का कच्छ
(ख) केरल का मालाबार
(ग) उत्तराखंड का कुमाऊँ
(घ) असम का माजुली

उत्तर: (ग) उत्तराखंड का कुमाऊँ

व्याख्या: छोलिया उत्तराखंड के कुमाऊँ क्षेत्र की युद्धात्मक लोकनृत्य परंपरा है। इसे विवाह-यात्राओं में तलवार और ढाल के साथ प्रस्तुत किया जाता है।

132. फुगड़ी महिलाओं का पारंपरिक लोकनृत्य विशेष रूप से कहाँ से संबंधित है?

(क) गोवा और कोंकण क्षेत्र
(ख) केवल पंजाब और मालवा क्षेत्र
(ग) केवल मणिपुर और बराक घाटी
(घ) लद्दाख और कराकोरम क्षेत्र

उत्तर: (क) गोवा और कोंकण क्षेत्र

व्याख्या: फुगड़ी गोवा और निकटवर्ती कोंकण की महिला नृत्य परंपरा है। इसे प्रायः वृत्त या पंक्ति में गीत और लयबद्ध सामूहिक गतियों के साथ किया जाता है।

133. भांगड़ा का पारंपरिक संबंध किस क्षेत्र से है?

(क) ओडिशा
(ख) केरल
(ग) पंजाब
(घ) सिक्किम

उत्तर: (ग) पंजाब

व्याख्या: भांगड़ा पंजाब का ऊर्जस्वी लोकनृत्य है। इसका संबंध कृषि और फसल-उत्सव की संस्कृति से रहा है; आधुनिक मंचीय रूपों का व्यापक प्रसार हुआ है।

134. कथन: डांडिया रास की पहचान डंडियों के समन्वित प्रहार से की जा सकती है। कारण: प्रत्येक वृत्ताकार सामूहिक नृत्य में डंडियाँ अनिवार्य होती हैं। सही संबंध चुनिए।

(क) दोनों सत्य हैं, पर कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता
(ख) दोनों सत्य हैं और कारण कथन की सही व्याख्या करता है
(ग) कथन असत्य है, पर कारण सत्य है
(घ) कथन सत्य है, पर कारण असत्य है

उत्तर: (घ) कथन सत्य है, पर कारण असत्य है

व्याख्या: डांडिया रास में डंडियों का लयबद्ध प्रयोग प्रमुख है। केवल वृत्ताकार विन्यास होने से डंडियों का उपयोग अनिवार्य नहीं हो जाता; इसलिए कारण गलत है।

135. हिमालयी सांस्कृतिक परंपरा के संदर्भ में वाद्य-नृत्य का कौन-सा संबंध सही है?

(क) डम्फू — तामांग सेलो
(ख) खोल — सिंघी छाम
(ग) चेंडा — मारुनी
(घ) मर्दल — तामांग सेलो

उत्तर: (क) डम्फू — तामांग सेलो

व्याख्या: तामांग सेलो में डम्फू का विशेष स्थान है। यह तामांग सांस्कृतिक परंपरा से जुड़ा गीत-नृत्य रूप है, जो सिक्किम सहित हिमालयी क्षेत्रों में मिलता है।

136. कश्मीर का दुम्हाल नृत्य विशेष रूप से किस समुदाय से जुड़ा है?

(क) कुरुबा
(ख) वट्टल
(ग) रियांग
(घ) गारो

उत्तर: (ख) वट्टल

व्याख्या: दुम्हाल कश्मीर के वट्टल समुदाय की नृत्य-परंपरा है। इसके कलाकारों की विशिष्ट पोशाक और लंबी शंक्वाकार टोपी उल्लेखनीय हैं।

137. सही क्षेत्रीय संबंध चुनें।

(क) कुड — जम्मू का डोगरा सांस्कृतिक क्षेत्र
(ख) कुड — मालवा

(ग) झोड़ा — सौराष्ट्र
(घ) खोड़िया — कश्मीर घाटी

उत्तर: (क) कुड — जम्मू का डोगरा सांस्कृतिक क्षेत्र

व्याख्या: कुड जम्मू के डोगरा सांस्कृतिक क्षेत्र से जुड़ा है। झोड़ा उत्तराखंड और खोड़िया हरियाणा की नृत्य-परंपराओं में शामिल हैं।

138. किस युग्म में हरियाणा से जुड़े नृत्य हैं?
(क) झोड़ा और चांचरी
(ख) फाग और खोड़िया
(ग) मटकी और ग्रीडा
(घ) धालो और देखणी

उत्तर: (ख) फाग और खोड़िया

व्याख्या: फाग और खोड़िया हरियाणा से जुड़े हैं। झोड़ा–चांचरी उत्तराखंड, मटकी–ग्रीडा मध्य प्रदेश तथा धालो–देखणी गोवा से संबंधित हैं।

139. राजस्थान की कौन-सी परंपरा अनुष्ठान, नृत्य और नाटक को जोड़ती है तथा मेवाड़ के भीलों से विशेष रूप से जुड़ी है?
(क) केवल कुचामन का ख्याल
(ख) देखणी
(ग) गवरी
(घ) मांड

उत्तर: (ग) गवरी

व्याख्या: गवरी मेवाड़ के भील समुदाय की अनुष्ठानिक नृत्य-नाट्य परंपरा है। मांड मुख्यतः राजस्थान की गायन-शैली है।

140. राजस्थान की एक प्रस्तुति में कलाकार सिर पर अग्नि वाले पात्र संतुलित करते हैं। इस विशिष्टता से कौन-सा नृत्य सबसे उपयुक्त रूप से मेल खाता है?
(क) गैर
(ख) गवरी
(ग) कच्छी घोड़ी
(घ) चरी

उत्तर: (घ) चरी

व्याख्या: चरी नृत्य में सिर पर रखे पात्रों और प्रज्वलित दीपों के साथ संतुलन कौशल प्रदर्शित किया जाता है। यह राजस्थान की प्रसिद्ध नृत्य-परंपरा है।

141. कथन: गैर ओडिसी का अभिनय-अंग है। कारण: गैर राजस्थान में होली के आसपास प्रमुखता से प्रस्तुत होता है। सही मूल्यांकन चुनें।
(क) दोनों सही हैं, पर कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है
(ख) कथन गलत है, कारण सही है
(ग) दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या है
(घ) कथन सही है, कारण गलत है

उत्तर: (ख) कथन गलत है, कारण सही है

व्याख्या: गैर राजस्थान का सामूहिक लोकनृत्य है, ओडिसी का अभिनय-अंग नहीं। इसका होली से प्रमुख संबंध है; इसलिए कथन गलत और कारण सही है।

142. गुलाबो सपेरा किस नृत्य-परंपरा को लोकप्रिय बनाने से विशेष रूप से जुड़ी हैं?
(क) गवरी
(ख) कालबेलिया
(ग) गैर
(घ) चरी

उत्तर: (ख) कालबेलिया

व्याख्या: गुलाबो सपेरा कालबेलिया नृत्य की विख्यात कलाकार हैं। उन्होंने इस समुदाय की नृत्य-परंपरा को व्यापक मंचों पर पहुँचाया।

143. गुजरात की कौन-सी नृत्य-परंपरा लंबे उपकरणों से लयबद्ध फर्श-कुटाई के श्रम से ऐतिहासिक रूप से जुड़ी है?
(क) गरबा
(ख) टिप्पनी
(ग) डांगी
(घ) पढार

उत्तर: (ख) टिप्पनी

व्याख्या: टिप्पनी सौराष्ट्र की श्रम-संबंधी नृत्य-परंपरा है। फर्श को कूटने वाले लंबे उपकरण और सामूहिक लय इसकी विशिष्ट पहचान हैं।

144. कथन: पढार नृत्य जल से जुड़ी आजीविका का प्रभाव दिखाता है। कारण: यह गुजरात के परंपरागत मत्स्यजीवी समुदाय से जुड़ा है और इसकी गतियों में नाव चलाने जैसी गतिविधियाँ झलकती हैं। सही मूल्यांकन चुनें।
(क) दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या है
(ख) कथन सही है, कारण गलत है
(ग) दोनों सही हैं, पर कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है
(घ) कथन गलत है, कारण सही है

उत्तर: (क) दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या है

व्याख्या: पढार समुदाय का परंपरागत जीवन जल और मत्स्य-आजीविका से जुड़ा है। नृत्य की नाव चलाने जैसी गतियाँ इसी सांस्कृतिक अनुभव को दर्शाती हैं।

145. गुजरात के सिद्दी समुदाय की अफ्रीकी वंशपरंपरा से कौन-सा नृत्य जुड़ा है?
(क) गरबी
(ख) टिप्पनी
(ग) सिद्दी धमाल
(घ) पढार

उत्तर: (ग) सिद्दी धमाल

व्याख्या: सिद्दी धमाल गुजरात के सिद्दी समुदाय से संबंधित है। इसकी तालात्मक और शारीरिक अभिव्यक्ति में समुदाय की अफ्रीकी सांस्कृतिक विरासत दिखाई देती है।

146. लेजिम का सही वर्णन कौन-सा है?
(क) केवल मूक अभिनय पर आधारित ओडिसी का अंग
(ख) महाराष्ट्र की सामूहिक प्रस्तुति, जिसमें इसी नाम का हाथ में पकड़ा जाने वाला झंकारयुक्त उपकरण प्रयुक्त होता है
(ग) केवल बाँसों के साथ किया जाने वाला असम का नृत्य
(घ) रंगे लकड़ी के मुखौटे वाला केरल का एकल नृत्य

उत्तर: (ख) महाराष्ट्र की सामूहिक प्रस्तुति, जिसमें इसी नाम का हाथ में पकड़ा जाने वाला झंकारयुक्त उपकरण प्रयुक्त होता है

व्याख्या: लेजिम महाराष्ट्र में सामूहिक व्यायामात्मक नृत्य-प्रस्तुति है। इसमें लेजिम नाम के झंकारयुक्त उपकरण के साथ समन्वित गतियाँ की जाती हैं।

147. महाराष्ट्र के तटीय नृत्य में नाव चलाने और मछली पकड़ने का जाल फेंकने की गतियाँ हैं। यह किस समुदाय के नृत्य का संकेत है?
(क) कोली
(ख) भील
(ग) बोडो
(घ) सतनामी

उत्तर: (क) कोली

व्याख्या: कोली नृत्य महाराष्ट्र के मत्स्यजीवी समुदाय के जीवन को दर्शाता है। नाव चलाने और जाल फेंकने की गतियाँ उसकी पहचान हैं।

148. गोवा का कौन-सा नृत्य घोड़े की प्रतिकृतियों का प्रमुख उपयोग करता है और शिगमो उत्सव से जुड़ा है?
(क) देखणी

(ख) गोफ
(ग) धालो
(घ) घोड़े मोडणी

उत्तर: (घ) घोड़े मोडणी

व्याख्या: घोड़े मोडणी गोवा की योद्धा-संबंधी लोकनृत्य परंपरा है। इसमें घोड़े की प्रतिकृति के साथ प्रस्तुति होती है और शिगमो इसका प्रमुख अवसर है।

149. किस युग्म में तमिल लोकनृत्यों के बजाय गोवा की नृत्य-परंपराएँ हैं?

(क) कावड़ीअट्टम और देवराट्टम
(ख) कुम्मी और कोलाट्टम
(ग) धालो और देखणी
(घ) मयिलाट्टम और ओयिलाट्टम

उत्तर: (ग) धालो और देखणी

व्याख्या: धालो और देखणी गोवा की परंपराएँ हैं। अन्य युग्मों में तमिल क्षेत्र के लोकनृत्य शामिल हैं।

मध्य और पूर्वी भारत के लोक नृत्य

150. पंथी नृत्य छत्तीसगढ़ की किस धार्मिक-सामाजिक परंपरा से संबंधित है?

(क) लिंगायत परंपरा और बसवन्ना
(ख) सतनामी परंपरा और गुरु घासीदास
(ग) वारकरी परंपरा और तुकाराम
(घ) चिश्ती सूफी परंपरा और अमीर खुसरो

उत्तर: (ख) सतनामी परंपरा और गुरु घासीदास

व्याख्या: पंथी छत्तीसगढ़ के सतनामी समुदाय की प्रमुख नृत्य परंपरा है। गुरु घासीदास की शिक्षाओं और आध्यात्मिक-सामाजिक संदेशों से इसका संबंध है।

151. छत्तीसगढ़ का राउत नाचा विशेष रूप से किससे संबंधित है?

(क) पशुपालक यादव या राउत समुदाय
(ख) लक्षद्वीप का समुद्री समुदाय
(ग) सिक्किम के भूटिया मठ
(घ) केवल प्राचीन पुरी की मंदिर नर्तकियाँ

उत्तर: (क) पशुपालक यादव या राउत समुदाय

व्याख्या: राउत नाचा छत्तीसगढ़ के यादव या राउत समुदाय का समूह-नृत्य है। इसकी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि पशुपालन और कृष्ण-परंपरा से जुड़ी है।

152. डालखाई लोकनृत्य मुख्यतः किस क्षेत्र से संबंधित है?

(क) पूर्वी लद्दाख
(ख) तटीय गुजरात
(ग) दक्षिणी केरल
(घ) पश्चिमी ओडिशा

उत्तर: (घ) पश्चिमी ओडिशा

व्याख्या: डालखाई पश्चिमी ओडिशा की प्रसिद्ध लोकनृत्य परंपरा है। इसमें समूह-नृत्य और सशक्त तालवाद्य संगत प्रमुख हैं।

153. एक प्रश्न में करमा नृत्य को 'केवल एक आधुनिक भारतीय राज्य तक सीमित' बताया गया है। सबसे उपयुक्त सुधार क्या है?

(क) करमा मध्य और पूर्वी भारत के अनेक जनजातीय समुदायों में मिलता है
(ख) करमा ओडिशा तक सीमित है, क्योंकि जनजातीय नृत्य भाषाई सीमाएँ पार नहीं कर सकते
(ग) करमा को केवल उस राज्य से जोड़ना चाहिए जहाँ संबंधित दल पंजीकृत है
(घ) करमा झारखंड तक सीमित है; अन्यत्र समान नाम असंबद्ध परंपराएँ दर्शाते हैं

उत्तर: (क) करमा मध्य और पूर्वी भारत के अनेक जनजातीय समुदायों में मिलता है

व्याख्या: करमा या करम नृत्य झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और ओडिशा सहित व्यापक क्षेत्र में मिलता है। समुदाय और सांस्कृतिक क्षेत्र कई बार आधुनिक राज्य-सीमाओं से आगे फैले होते हैं।

154. मध्य भारत के सैला या सेला नृत्य की सामान्य पहचान क्या है?

(क) केवल मुखौटे के साथ संस्कृत संवाद की प्रस्तुति
(ख) बिना शारीरिक गति के एकल गायन
(ग) प्रत्येक प्रस्तुति में सिर पर पीतल की थाली रखना
(घ) डंडियों के लयबद्ध प्रहार के साथ समूह-गतियाँ

उत्तर: (घ) डंडियों के लयबद्ध प्रहार के साथ समूह-गतियाँ

व्याख्या: सैला मध्य भारत के लोक और जनजातीय समूहों में प्रचलित डंडा-नृत्य है। सामूहिक लय, पद-संचालन और डंडियों का तालबद्ध प्रयोग इसकी विशेषताएँ हैं।

155. ओडिशा के रूपों का विशिष्ट संबंधों से मिलान करें: 1. घुमुरा; 2. रणप्पा; 3. चैती घोड़ा। क. ऊँचे डंडों पर नृत्य; ख. कालाहांडी; ग. घोड़े की प्रतिकृति और मत्स्यजीवी परंपरा।

(क) 1–क, 2–ख, 3–ग
(ख) 1–ख, 2–क, 3–ग
(ग) 1–ग, 2–क, 3–ख
(घ) 1–ख, 2–ग, 3–क

उत्तर: (ख) 1–ख, 2–क, 3–ग

व्याख्या: घुमुरा कालाहांडी से, रणप्पा डंडों पर चढ़कर किए जाने वाले नृत्य से और चैती घोड़ा मत्स्यजीवी समुदाय की घोड़ा-प्रतिकृति परंपरा से जुड़ा है।

156. भिखारी ठाकुर विशेष रूप से किस भोजपुरी प्रदर्शन-परंपरा से जुड़े हैं?

(क) यक्षगान
(ख) माच
(ग) बिदेसिया
(घ) भवाई

उत्तर: (ग) बिदेसिया

व्याख्या: भिखारी ठाकुर बिदेसिया के प्रमुख रचनाकार और कलाकार थे। इस भोजपुरी लोकनाट्य परंपरा में प्रवास, परिवार और सामाजिक जीवन के प्रश्न उभरते हैं।

157. मिथिला क्षेत्र की एक प्रस्तुति में जट और जटिन के संबंध तथा संवाद प्रस्तुत होते हैं। इसका सही नाम क्या है?

(क) पाइका
(ख) झिझिया
(ग) जट-जटिन
(घ) छऊ

उत्तर: (ग) जट-जटिन

व्याख्या: जट-जटिन मिथिला की गीत-नृत्य परंपरा है। इसमें दांपत्य जीवन और सामाजिक अनुभवों का संवादात्मक चित्रण मिलता है।

158. बिहार के किस लोकनृत्य की पहचान सिर पर रखे छिद्रयुक्त मिट्टी के घड़ों और उनमें जलते दीपों से होती है?

(क) जट-जटिन
(ख) बिदेसिया
(ग) झिझिया
(घ) पाइका

उत्तर: (ग) झिझिया

व्याख्या: झिझिया में महिलाएँ छिद्रयुक्त घड़ों के भीतर दीप रखकर सिर पर धारण करती हैं। यह बिहार, विशेषतः मिथिला की अनुष्ठानिक परंपरा से जुड़ा है।

159. झारखंड का कौन-सा नृत्य युद्धक गतियों और तलवार-ढाल के उपयोग से विशेष रूप से जुड़ा है?
(क) डोमकच
(ख) सोहराय नृत्य
(ग) झूमर
(घ) पाइका
उत्तर: (घ) पाइका
व्याख्या: पाइका झारखंड की युद्धक नृत्य-परंपरा है। तलवार और ढाल के साथ की जाने वाली गतियाँ इसकी प्रमुख पहचान हैं।

160. कौन-सा नृत्य-क्षेत्र युग्म गलत है?
(क) राई — कोंकण
(ख) मटकी — मालवा
(ग) झोड़ा — कुमाऊँ
(घ) घुमुरा — कालाहांडी
उत्तर: (क) राई — कोंकण
व्याख्या: राई बुंदेलखंड से विशेष रूप से जुड़ा है, कोंकण से नहीं। मटकी–मालवा, झोड़ा–कुमाऊँ और घुमुरा–कालाहांडी सही संबंध हैं।

161. डोमकच के बारे में विचार करें: 1. यह बिहार और झारखंड के कुछ क्षेत्रों में विवाह-उत्सवों से जुड़ा है। 2. यह ओडिसी की मानक प्रस्तुति का अंतिम अंग है। कौन-सा कथन सही है?
(क) केवल 2
(ख) केवल 1
(ग) 1 और 2 दोनों
(घ) न तो 1, न ही 2
उत्तर: (ख) केवल 1
व्याख्या: डोमकच विवाह-संबंधी लोकनृत्य परंपरा है। ओडिसी की सामान्य प्रस्तुति का समापन मोक्ष से होता है, डोमकच से नहीं।

162. संथाल समुदाय सामूहिक गीत-नृत्य के साथ बाहा मनाता है। बाहा मुख्यतः किसका उत्सव है?
(क) मत्स्य-ऋतु के आरंभ का
(ख) फूलों और वसंत ऋतु का
(ग) पशुधन और शरदकालीन फसल का
(घ) धान की पहली बुआई का
उत्तर: (ख) फूलों और वसंत ऋतु का
व्याख्या: बाहा संथाल समुदाय का फूलों का पर्व है। इसके सामूहिक नृत्य प्रकृति, ऋतु और समुदाय के संबंध को अभिव्यक्त करते हैं।

दक्षिण भारत की नृत्य और नाट्य परंपराएँ

163. यक्षगान किस राज्य की प्रमुख पारंपरिक नृत्य-नाट्य शैली है?
(क) कर्नाटक
(ख) हिमाचल प्रदेश
(ग) पंजाब
(घ) मिजोरम
उत्तर: (क) कर्नाटक
व्याख्या: यक्षगान कर्नाटक की प्रमुख नृत्य-नाट्य परंपरा है। इसमें गायन, संवाद, नृत्य, विस्तृत वेशभूषा और पौराणिक कथा-प्रस्तुति का समन्वय मिलता है।

164. डोल्लु कुनिता की सबसे उपयुक्त पहचान क्या है?
(क) कर्नाटक का ऊर्जस्वी ढोल नृत्य
(ख) असम का शास्त्रीय एकल नृत्य
(ग) कश्मीर का बैठकर किया जाने वाला कथात्मक नृत्य
(घ) गोवा का बाँस नृत्य
उत्तर: (क) कर्नाटक का ऊर्जस्वी ढोल नृत्य
व्याख्या: डोल्लु कुनिता में बड़े ढोलों के साथ सामूहिक तालबद्ध और ऊर्जस्वी गतियाँ होती हैं। यह कर्नाटक की कुरुबा सांस्कृतिक परंपरा से भी संबंधित है।

165. तमिल लोकनृत्यों का उनकी विशिष्ट क्रियाओं से मिलान कीजिए: 1. कुम्मी 2. कोलाट्टम 3. करगट्टम। क. पात्र का संतुलन ख. तालियाँ ग. डंडियों को बजाना।
(क) 1–क, 2–ख, 3–ग
(ख) 1–ख, 2–क, 3–ग
(ग) 1–ख, 2–ग, 3–क
(घ) 1–ग, 2–क, 3–ख
उत्तर: (ग) 1–ख, 2–ग, 3–क
व्याख्या: कुम्मी में तालियाँ और कोलाट्टम में डंडियों का लयबद्ध प्रयोग प्रमुख है। करगट्टम में सिर पर सजे हुए पात्र का संतुलन महत्वपूर्ण है। ये संकेत नृत्य की पहचान में सहायक हैं।

166. तेलुगु क्षेत्र की लोक-प्रदर्शन परंपराओं में 'डप्पु' किससे संबंधित है?
(क) एक फ्रेम ड्रम और उससे जुड़ा ऊर्जस्वी नृत्य
(ख) केवल रास में प्रयुक्त रेशमी पोशाक
(ग) हिमसिंह के मुखौटे वाला नृत्य
(घ) मंदिर स्थापत्य पर संस्कृत ग्रंथ
उत्तर: (क) एक फ्रेम ड्रम और उससे जुड़ा ऊर्जस्वी नृत्य
व्याख्या: डप्पु एक तालवाद्य है और उससे संबंधित नृत्य-प्रदर्शन की पहचान भी है। तेलंगाना तथा आंध्र प्रदेश की लोक-संस्कृति में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है।

167. कूटियाट्टम और कथकली के बीच कौन-सा अंतर सही है?
(क) दोनों एक ही विधा की वैकल्पिक वर्तनियाँ हैं
(ख) कूटियाट्टम में केवल अमूर्त गतियाँ हैं; केवल कथकली में पात्रांकन होता है
(ग) कूटियाट्टम संस्कृत रंगमंच की परंपरा है; कथकली एक अलग नृत्य-नाट्य परंपरा है
(घ) कूटियाट्टम समान प्रस्तुति-सूची वाला मोहिनीअट्टम का उपरूप है
उत्तर: (ग) कूटियाट्टम संस्कृत रंगमंच की परंपरा है; कथकली एक अलग नृत्य-नाट्य परंपरा है
व्याख्या: दोनों केरल की महत्वपूर्ण प्रदर्शन परंपराएँ हैं, लेकिन एक ही विधा नहीं हैं। कूटियाट्टम संस्कृत नाट्य की जीवित परंपरा है; कथकली की अपनी नृत्य-नाट्य तकनीक और प्रस्तुति संरचना है।

168. पेरिनी शिवतांडवम् का विशेष संबंध किस ऐतिहासिक-क्षेत्रीय पृष्ठभूमि से है?
(क) औपनिवेशिक बंगाल और मुखौटाधारी सिंह नृत्य
(ख) प्राचीन गोवा और बाँसों का नृत्य
(ग) मुगलकालीन कश्मीर और महिलाओं का फसल नृत्य
(घ) काकतीयकालीन तेलंगाना और ऊर्जस्वी शैव नृत्य परंपरा
उत्तर: (घ) काकतीयकालीन तेलंगाना और ऊर्जस्वी शैव नृत्य परंपरा
व्याख्या: पेरिनी शिवतांडवम् तेलंगाना की काकतीयकालीन शैव और वीरतापूर्ण नृत्य परंपरा से जुड़ा है। इसके आधुनिक पुनरुद्धार में नटराज रामकृष्ण का प्रमुख योगदान था।

169. भूत कोला विशेष रूप से किस क्षेत्र और संदर्भ से संबंधित है?
(क) पश्चिमी पंजाब और केवल गेहूँ की कटाई
(ख) तटीय कर्नाटक और दैव या आत्मा-आराधना का अनुष्ठान
(ग) उत्तरी सिक्किम और आधुनिक फिल्मी नृत्य
(घ) पूर्वी उत्तर प्रदेश और केवल दरबारी बैले

उत्तर: (ख) तटीय कर्नाटक और दैव या आत्मा-आराधना का अनुष्ठान

व्याख्या: भूत कोला तटीय कर्नाटक, विशेषतः तुलुनाडु, की अनुष्ठानिक परंपरा है। नृत्य, विशिष्ट वेशभूषा और स्थानीय दैव-आराधना इसके सांस्कृतिक संदर्भ का हिस्सा हैं।

170. तेय्यम का सबसे उपयुक्त वर्णन क्या है?

(क) विशेष रूप से उत्तर मालाबार की अनुष्ठानिक प्रदर्शन परंपरा
(ख) जयपुर दरबारों में उत्पन्न शास्त्रीय नृत्य
(ग) फारसी लघुचित्र शैली
(घ) केवल मिजोरम का बाँस नृत्य

उत्तर: (क) विशेष रूप से उत्तर मालाबार की अनुष्ठानिक प्रदर्शन परंपरा

व्याख्या: तेय्यम उत्तर केरल की अनुष्ठानिक कला है। इसमें नृत्य, संगीत, मुख-सज्जा, शिरोभूषण और स्थानीय देव-परंपराओं की संयुक्त भूमिका होती है।

171. वीरनाट्यम् विशेष रूप से किससे संबंधित है?

(क) गुजरात और संस्कृत का न्यायालय-नाटक
(ख) मिजोरम और हिमसिंह परंपरा
(ग) आंध्र प्रदेश और वीरभद्र की आराधना
(घ) पंजाब और केवल नदी-देवताओं की आराधना

उत्तर: (ग) आंध्र प्रदेश और वीरभद्र की आराधना

व्याख्या: वीरनाट्यम् आंध्र प्रदेश की ऊर्जस्वी अनुष्ठानिक नृत्य परंपरा है। इसका संबंध शिव के वीरभद्र रूप की आराधना से है।

172. केरल का पड़यणी बड़े 'कोलम्' मुखौटों के लिए प्रसिद्ध है। इन्हें परंपरागत रूप से किससे बनाया जाता है?

(क) ठोस ग्रेनाइट की पट्टियाँ
(ख) चमकाई हुई काँच की चादरें
(ग) सुपारी के पेड़ की पत्ती के आवरण
(घ) ढलवाँ लोहे की पट्टियाँ

उत्तर: (ग) सुपारी के पेड़ की पत्ती के आवरण

व्याख्या: पड़यणी के मुखौटों में सुपारी-पर्ण के आवरण का प्रयोग प्रमुख है। चित्रित कोलम्, ताल और सामूहिक अनुष्ठान इसे केरल की विशिष्ट प्रदर्शन परंपरा बनाते हैं।

173. ओप्पना का विशेष संबंध केरल के किस सामाजिक अवसर से है?

(क) केवल बौद्ध मठीय परीक्षाएँ
(ख) केवल सैन्य विजय परेड
(ग) माप्पिला मुस्लिम विवाह समारोह
(घ) केवल राजकीय राज्याभिषेक

उत्तर: (ग) माप्पिला मुस्लिम विवाह समारोह

व्याख्या: ओप्पना केरल के माप्पिला मुस्लिम समुदाय के विवाह समारोहों से संबंधित है। गीत, तालियाँ और समूह-गतियाँ, विशेषकर दुल्हन के आसपास की प्रस्तुति, इसकी परिचित विशेषताएँ हैं।

174. तिरुवातिराकली या कैकोट्टिकली की सही पहचान कौन-सी है?

(क) मणिपुरी तलवार-भाला प्रदर्शन
(ख) केरल का महिला समूह-नृत्य, जिसमें समन्वित तालियाँ होती हैं और प्रायः दीपक के चारों ओर नृत्य किया जाता है
(ग) कर्नाटक का ढोल लेकर किया जाने वाला नृत्य
(घ) राजस्थान का कृत्रिम घोड़ी वाला नृत्य

उत्तर: (ख) केरल का महिला समूह-नृत्य, जिसमें समन्वित तालियाँ होती हैं और प्रायः दीपक के चारों ओर नृत्य किया जाता है

व्याख्या: तिरुवातिराकली केरल की महिला नृत्य परंपरा है। वृत्ताकार विन्यास, सामूहिक समन्वय और तालियाँ इसके प्रमुख संकेत हैं; इसे कैकोट्टिकली भी कहा जाता है।

175. कुंचन नांबियार द्वारा विकसित केरल की कौन-सी प्रदर्शन विधा सरल मलयालम पद्य, हास्य और व्यंग्य का प्रयोग करती है?

(क) यक्षगान
(ख) सत्रिया
(ग) तुल्लल, जिसमें ओट्टन तुल्लल शामिल है
(घ) छऊ

उत्तर: (ग) तुल्लल, जिसमें ओट्टन तुल्लल शामिल है

व्याख्या: कुंचन नांबियार तुल्लल के विकास से जुड़े हैं। इसमें नृत्य, पद्य-कथन और सामाजिक व्यंग्य का मेल है; सरल भाषा ने इसे व्यापक दर्शक-समूह तक पहुँचाया।

176. मेलत्तूर भागवत मेला के बारे में कौन-सा कथन सही है?

(क) यह तमिलनाडु की नृत्य-नाट्य परंपरा है, जिसका नरसिंह भक्ति से महत्त्वपूर्ण संबंध है
(ख) यह ब्रजावली नाटकों वाली असम की वैष्णव परंपरा है
(ग) यह सत्यभामा-केंद्रित आंध्र प्रदेश की परंपरा है
(घ) यह कृष्णगीति पर आधारित केरल की मंदिर-परंपरा है

उत्तर: (क) यह तमिलनाडु की नृत्य-नाट्य परंपरा है, जिसका नरसिंह भक्ति से महत्त्वपूर्ण संबंध है

व्याख्या: मेलत्तूर का भागवत मेला तमिलनाडु की नृत्य-नाट्य परंपरा है। प्रह्लाद चरित और नरसिंह उपासना इसके प्रमुख सांस्कृतिक संदर्भ हैं।

177. यक्षगान में प्रस्तुति का मार्गदर्शन करने वाले प्रमुख गायक-कथावाचक को क्या कहते हैं?

(क) मैबी
(ख) केवल विदूषक
(ग) नट्टुवनार
(घ) भागवत

उत्तर: (घ) भागवत

व्याख्या: भागवत यक्षगान का प्रमुख गायक और कथावाचक होता है। वह गायन तथा कथानक-संकेतों के माध्यम से प्रस्तुति का संचालन करता है।

178. यक्षगान की दो प्रमुख क्षेत्रीय शैलियों का सही युग्म कौन-सा है?

(क) सरायकेला और मयूरभंज
(ख) जयपुर और लखनऊ
(ग) बडगुतिट्टु और तेंकुतिट्टु
(घ) वडक्कन और तेक्कन तुल्लल

उत्तर: (ग) बडगुतिट्टु और तेंकुतिट्टु

व्याख्या: बडगुतिट्टु और तेंकुतिट्टु यक्षगान की प्रमुख क्षेत्रीय शैलियाँ हैं। इनकी वेशभूषा, संगीत और गति-विन्यास में शैलीगत अंतर मिलते हैं।

179. तमिल क्षेत्र की एक प्रस्तुति सार्वजनिक खुले स्थान में गीत, नृत्य और नाटकीय संवाद जोड़ती है तथा अक्सर महाभारत के प्रसंग दिखाती है। यह कौन-सी परंपरा है?

(क) भाओना
(ख) कृष्णनाट्टम
(ग) तेरुक्कूत्तु
(घ) गवरी

उत्तर: (ग) तेरुक्कूत्तु

व्याख्या: तेरुक्कूत्तु तमिलनाडु की लोकनाट्य परंपरा है। खुले स्थान में होने वाली इसकी प्रस्तुतियों में गीत, नृत्य और महाभारत के प्रसंग प्रमुख हैं।

180. किस कलाकार और योगदान का युग्म सही है?

(क) चंद्रलेखा — भरतनाट्यम और शारीरिक साधना-पद्धतियों पर आधारित प्रयोगशील नृत्य-रचना
(ख) भिखारी ठाकुर — ओडिसी पल्लवी प्रदर्शनों की स्थापना

(ग) गुलाबो सपेरा — बनारस कथक घराने की स्थापना
(घ) गुरु अमुबी सिंह — भामाकलापम् की रचना

उत्तर: (क) चंद्रलेखा — भरतनाट्यम और शारीरिक साधना-पद्धतियों पर आधारित प्रयोगशील नृत्य-रचना

व्याख्या: चंद्रलेखा ने भरतनाट्यम के साथ योग और अन्य शारीरिक साधना-पद्धतियों का रचनात्मक संवाद किया। उनका कार्य आधुनिक भारतीय नृत्य के प्रयोगशील पक्ष से जुड़ा है।

181. तमिल नृत्यों का विशिष्ट तत्त्वों से मिलान करें: 1. मयिलाट्टम; 2. पोइक्काल कुदिरै आट्टम; 3. कावड़ीअट्टम। क. कृत्रिम घोड़ा; ख. मोर; ग. मुरुगन से जुड़ा भक्तिपरक भार।

(क) 1–ग, 2–क, 3–ख
(ख) 1–ख, 2–ग, 3–क
(ग) 1–ख, 2–क, 3–ग
(घ) 1–क, 2–ख, 3–ग

उत्तर: (ग) 1–ख, 2–क, 3–ग

व्याख्या: मयिलाट्टम मोर की आकृति और गतियों, पोइक्काल कुदिरै कृत्रिम घोड़े तथा कावड़ीअट्टम मुरुगन को अर्पित कावड़-भार से जुड़ा है।

182. तमिल लोकनृत्य का एक दल रूमालों के साथ समन्वित और सौंदर्यपूर्ण गतियाँ करता है। कौन-सा नृत्य सबसे उपयुक्त है?

(क) मयिलाट्टम
(ख) करगाट्टम
(ग) पोइक्काल कुदिरै आट्टम
(घ) ओयिलाट्टम

उत्तर: (घ) ओयिलाट्टम

व्याख्या: ओयिलाट्टम में कलाकार हाथों में रूमाल लेकर लयबद्ध गतियाँ करते हैं। यह तमिलनाडु की लोकनृत्य परंपरा है।

183. कर्नाटक का कौन-सा नृत्य मले महादेश्वर के भक्तों तथा कलाकारों के हाथों में पकड़े गए धातु के तालवाद्यों से विशेष रूप से जुड़ा है?

(क) डोल्लु कुणिता
(ख) यक्षगान
(ग) कंसाले
(घ) पूजा कुणिता

उत्तर: (ग) कंसाले

व्याख्या: कंसाले में धातु के तालवाद्यों के साथ नृत्य किया जाता है। मले महादेश्वर के भक्तों और मंदिर-उत्सवों से इसका विशेष संबंध है।

184. कर्नाटक के वीरगासे का केंद्रीय धार्मिक संबंध किस देवता से है?

(क) जगन्नाथ
(ख) कुमार रूप में कार्तिकेय
(ग) वीरभद्र
(घ) विठोबा

उत्तर: (ग) वीरभद्र

व्याख्या: वीरगासे शिव के उग्र रूप वीरभद्र से संबंधित है। इसके सशक्त नृत्य-विन्यास में वीरता और शैव धार्मिक संदर्भ प्रमुख हैं।

185. मुडियेट्टु के बारे में विचार करें: 1. इसके केंद्रीय कथानक में काली और दारिक का युद्ध है। 2. यह केरल की अनुष्ठानिक नाट्य और नृत्य-परंपरा है। 3. यह बनारस कथक घराने का रूप है। कौन-से कथन सही हैं?

(क) केवल 1 और 2
(ख) केवल 1 और 3
(ग) केवल 2 और 3
(घ) 1, 2 और 3

उत्तर: (क) केवल 1 और 2

व्याख्या: मुडियेट्टु केरल की अनुष्ठानिक नृत्य-नाट्य परंपरा है, जिसमें काली–दारिक युद्ध प्रस्तुत होता है। इसका बनारस कथक घराने से संबंध नहीं है।

186. ओणम के अवसर पर केरल की किस प्रस्तुति में शरीर पर विस्तृत चित्रांकन करके बाघों का रूप बनाया जाता है?

(क) कुम्माट्टिकली
(ख) पुलिकली
(ग) मार्गमकली
(घ) कोलकली

उत्तर: (ख) पुलिकली

व्याख्या: पुलिकली में कलाकार शरीर को बाघ जैसा रंगते हैं। ओणम, विशेषकर त्रिशूर की प्रस्तुतियों से इसका प्रमुख संबंध है।

187. कुम्माट्टिकली को पुलिकली से अलग पहचानने वाला सबसे उपयुक्त लक्षण कौन-सा है?

(क) कुम्माट्टिकली में नक्काशीदार मुखौटों और घास के आवरण का उपयोग
(ख) इसका उद्भव लखनऊ के दरबारों में होना
(ग) कुम्माट्टिकली में वेशभूषा का पूर्ण अभाव
(घ) कुम्माट्टिकली में केवल पीतल की थाली का उपयोग

उत्तर: (क) कुम्माट्टिकली में नक्काशीदार मुखौटों और घास के आवरण का उपयोग

व्याख्या: कुम्माट्टिकली में लकड़ी के मुखौटे और घास जैसे बाहरी आवरण विशिष्ट हैं। पुलिकली की प्रमुख पहचान बाघ जैसा शारीरिक चित्रांकन है।

188. केरल की कौन-सी नृत्य-परंपरा सेंट थॉमस ईसाई समुदाय से संबंधित है?

(क) तेय्यम
(ख) पडयणी
(ग) ओप्पना
(घ) मार्गमकली

उत्तर: (घ) मार्गमकली

व्याख्या: मार्गमकली केरल के सेंट थॉमस ईसाई समुदाय की परंपरा है। इसमें सामूहिक गायन और नृत्य द्वारा धार्मिक-सांस्कृतिक स्मृतियाँ प्रस्तुत की जाती हैं।

189. कोलकली के बारे में विचार करें: 1. यह केरल का सामूहिक नृत्य है। 2. इसमें छोटी छड़ियाँ तालबद्ध ढंग से टकराई जाती हैं। 3. बाघ जैसा रंगा शरीर इसकी निर्णायक अनिवार्यता है। कौन-सा कथन गलत है?

(क) केवल 2
(ख) केवल 3
(ग) केवल 1
(घ) केवल 1 और 2

उत्तर: (ख) केवल 3

व्याख्या: कोलकली में छोटी छड़ियों के साथ सामूहिक गतियाँ की जाती हैं। बाघ जैसा शरीर-चित्रांकन पुलिकली की पहचान है; इसलिए केवल तीसरा कथन गलत है।

190. आंध्र प्रदेश की अरकू घाटी के जनजातीय समुदायों से कौन-सा नृत्य निकटता से जुड़ा है?

(क) घुमुरा
(ख) राई
(ग) कुड
(घ) धीमसा

उत्तर: (घ) धीमसा

व्याख्या: धीमसा अरकू घाटी के जनजातीय जीवन की प्रमुख सामूहिक नृत्य-परंपरा है। इसमें परस्पर जुड़े कलाकार लयबद्ध समूह-गतियाँ करते हैं।

Cosmo Classes

191. कूटियाट्टम के प्रदर्शन-स्थल के बारे में विचार करें: 1. कूत्तंबलम केरल का पारंपरिक मंदिर-रंगमंच है। 2. यह कथक के पद-संचालन की एक रचना का नाम है। कौन-सा कथन सही है?
(क) केवल 1
(ख) केवल 2
(ग) न तो 1, न ही 2
(घ) 1 और 2 दोनों
उत्तर: (क) केवल 1
व्याख्या: कूत्तंबलम केरल के मंदिर परिसर में स्थित पारंपरिक रंगमंच है। इसका संबंध कूटियाट्टम और कूत्तु जैसी प्रस्तुतियों से है, कथक की रचना से नहीं।

192. कूटियाट्टम की संगत से कौन-सा वाद्य विशेष रूप से जुड़ा है?
(क) ढोलकी
(ख) डप्पु
(ग) मिझावु
(घ) डम्फू
उत्तर: (ग) मिझावु
व्याख्या: मिझावु कूटियाट्टम का प्रमुख तालवाद्य है। इसकी ध्वनि अभिनय की गति और नाटकीय भावों को समर्थन देती है।

193. केरल की कौन-सी महिला-केंद्रित एकल नाट्य-परंपरा कूटियाट्टम से निकटता से संबंधित है?
(क) चविट्टु नाटकम्
(ख) भाओना
(ग) नंगियार कूत्तु
(घ) माच
उत्तर: (ग) नंगियार कूत्तु
व्याख्या: नंगियार कूत्तु केरल की एकल महिला अभिनय-परंपरा है। इसका संबंध कूटियाट्टम से है और इसमें सूक्ष्म अभिनय का विशेष महत्त्व है।

उत्सव संस्थाएँ और कलाकार

194. 1948 में प्रदर्शित नृत्य-केंद्रित फिल्म 'कल्पना' का निर्देशन किसने किया?
(क) उदय शंकर
(ख) गुरु दत्त
(ग) सत्यजित राय
(घ) वी. शांताराम
उत्तर: (क) उदय शंकर
व्याख्या: कल्पना का निर्देशन उदय शंकर ने किया था। फिल्म उनके नृत्य-सृजन और कला-शिक्षा की कल्पना से संबंधित महत्वपूर्ण कार्य है।

195. मृणालिनी साराभाई ने अहमदाबाद में किस प्रदर्शन-कला संस्था की स्थापना की?
(क) कलाक्षेत्र
(ख) दर्पण अकादमी
(ग) केरल कलामंडलम
(घ) नृत्यग्राम
उत्तर: (ख) दर्पण अकादमी
व्याख्या: मृणालिनी साराभाई ने विक्रम साराभाई के साथ अहमदाबाद में दर्पण अकादमी की स्थापना की। यह नृत्य, रंगमंच और अन्य प्रदर्शन कलाओं के शिक्षण तथा प्रस्तुतियों का प्रमुख केंद्र है।

196. शास्त्रीय नृत्य उत्सवों का स्थानों से मिलान करें: 1. खजुराहो नृत्य समारोह; 2. कोणार्क उत्सव; 3. निशागंधी नृत्य उत्सव। क. ओडिशा; ख. तिरुवनंतपुरम; ग. मध्य प्रदेश।
(क) 1–ग, 2–ख, 3–क
(ख) 1–क, 2–ग, 3–ख
(ग) 1–ख, 2–क, 3–ग
(घ) 1–ग, 2–क, 3–ख
उत्तर: (घ) 1–ग, 2–क, 3–ख
व्याख्या: खजुराहो नृत्य समारोह मध्य प्रदेश, कोणार्क उत्सव ओडिशा और निशागंधी नृत्य उत्सव केरल के तिरुवनंतपुरम में आयोजित होते हैं।

197. चिदंबरम का नाट्यांजलि उत्सव विशेष रूप से किस दिव्य रूप से संबंधित है?
(क) सिद्धिविनायक रूप में गणेश
(ख) रणछोड़ रूप में कृष्ण
(ग) नटराज रूप में शिव
(घ) वामन रूप में विष्णु
उत्तर: (ग) नटराज रूप में शिव
व्याख्या: चिदंबरम का नाट्यांजलि उत्सव नटराज शिव को नृत्यांजलि अर्पित करने से जुड़ा है। यह मंदिर और नृत्य-परंपरा के संबंध का प्रमुख उदाहरण है।

198. इन नृत्य-संबंधी स्थलों को पश्चिम से पूर्व क्रम में रखें: 1. मोढेरा; 2. खजुराहो; 3. कोणार्क।
(क) 1 → 2 → 3
(ख) 3 → 2 → 1
(ग) 2 → 1 → 3
(घ) 1 → 3 → 2
उत्तर: (क) 1 → 2 → 3
व्याख्या: मोढेरा गुजरात, खजुराहो मध्य प्रदेश और कोणार्क ओडिशा में है। इनके देशांतरों के अनुसार पश्चिम से पूर्व क्रम मोढेरा–खजुराहो –कोणार्क है।

199. नृत्य-संबंधी संस्थाओं का संस्थापकों से मिलान करें: 1. नृत्यग्राम; 2. नालंदा नृत्य कला महाविद्यालय; 3. नाट्य तरंगिणी। क. कनक रेले; ख. प्रोतिमा गौरी; ग. राजा और राधा रेड्डी।
(क) 1–ग, 2–क, 3–ख
(ख) 1–ख, 2–क, 3–ग
(ग) 1–ख, 2–ग, 3–क
(घ) 1–क, 2–ख, 3–ग
उत्तर: (ख) 1–ख, 2–क, 3–ग
व्याख्या: नृत्यग्राम की स्थापना प्रोतिमा गौरी, नालंदा नृत्य कला महाविद्यालय की कनक रेले और नाट्य तरंगिणी की राजा–राधा रेड्डी ने की।

200. इन संस्थाओं को स्थापना-वर्ष के अनुसार प्राचीनतम से क्रम में रखें: 1. कलाक्षेत्र; 2. दर्पण; 3. नृत्यग्राम।
(क) 1 → 2 → 3
(ख) 3 → 1 → 2
(ग) 2 → 1 → 3
(घ) 1 → 3 → 2
उत्तर: (क) 1 → 2 → 3
व्याख्या: कलाक्षेत्र की स्थापना 1936, दर्पण की 1949 और नृत्यग्राम की 1990 में हुई। इसलिए सही क्रम कलाक्षेत्र–दर्पण–नृत्यग्राम है।
संदर्भ: 1 ↗2 ↗3 ↗4 ↗5 ↗6 ↗7 ↗8 ↗9 ↗10 ↗11 ↗12 ↗13 ↗14 ↗15 ↗16 ↗ 17 ↗ 18 ↗ 19 ↗ 20 ↗ 21 ↗ 22 ↗ 23 ↗ 24 ↗ 25 ↗ 26 ↗ 27 ↗

अध्याय 02 प्रमुख वाद्ययंत्र एवं वादक

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए वाद्य-वर्गीकरण, प्रमुख वादक, घराने, गुरु-शिष्य संबंध और वादन की अवधारणाओं का अभ्यास।

1. पारंपरिक चतुर्विध वर्गीकरण में तंत्री वाद्य किस वर्ग में आते हैं?
(क) घन वाद्य
(ख) तत वाद्य
(ग) अवनद्ध वाद्य
(घ) सुषिर वाद्य
उत्तर: (ख) तत वाद्य
व्याख्या: तत वाद्यों में कंपन करने वाले तार ध्वनि का प्रमुख स्रोत होते हैं। सितार, सरोद और वीणा इस वर्ग के उदाहरण हैं।

2. अवनद्ध वाद्यों की पहचान किस विशेषता से होती है?
(क) स्वतंत्र कंपनशील तार
(ख) तनी हुई कंपनशील झिल्ली
(ग) झिल्ली रहित ठोस शरीर पर आघात
(घ) केवल फूँका गया वायु स्तंभ
उत्तर: (ख) तनी हुई कंपनशील झिल्ली
व्याख्या: अवनद्ध वाद्यों में तनी हुई झिल्ली पर आघात से ध्वनि निकलती है। तबला, पखावज और मृदंगम इसके उदाहरण हैं।

3. इनमें से कौन झिल्ली वाला ढोल न होकर घन वाद्य है?
(क) ढोलक
(ख) पखावज
(ग) मंजीरा
(घ) मृदंगम
उत्तर: (ग) मंजीरा
व्याख्या: मंजीरे के ठोस धातु-पिंड आपस में टकराने पर कंपन करते हैं। इसमें ध्वनि उत्पन्न करने के लिए तनी हुई झिल्ली नहीं होती।

4. बाँसुरी में ध्वनि उत्पन्न करने वाला प्रमुख कंपनशील माध्यम क्या है?
(क) लकड़ी का घोड़ा
(ख) वायु स्तंभ
(ग) तनी हुई खाल
(घ) धातु का तार
उत्तर: (ख) वायु स्तंभ
व्याख्या: बाँसुरी सुषिर वाद्य है। उसकी नली में वायु स्तंभ के कंपन तथा खुले-बंद छिद्रों के माध्यम से स्वर बदलते हैं।

5. तार से बनी मिज़राब पहनकर सामान्यतः कौन-सा वाद्य बजाया जाता है?
(क) शहनाई
(ख) घटम
(ग) सारंगी
(घ) सितार
उत्तर: (घ) सितार
व्याख्या: सितार वादन में दाहिने हाथ की तर्जनी पर मिज़राब पहनकर तारों को छेड़ा जाता है। सारंगी मुख्यतः गज से बजती है।

6. किस तंत्री वाद्य में सामान्यतः पर्दों के बिना धातु का फिंगरबोर्ड होता है?
(क) सितार
(ख) मैंडोलिन
(ग) सरस्वती वीणा
(घ) सरोद
उत्तर: (घ) सरोद
व्याख्या: सरोद में धातु का चिकना और पर्दारहित फिंगरबोर्ड होता है। इससे मींड जैसे सतत स्वर-संचलन संभव होते हैं।

7. कश्मीर से संबंधित किस तंत्री वाद्य के तारों पर छोटी कलमों से आघात किया जाता है?
(क) संतूर
(ख) रुद्र वीणा
(ग) सारंगी
(घ) तानपुरा
उत्तर: (क) संतूर
व्याख्या: संतूर के अनेक तारों पर दो हल्की लकड़ी की कलमों से आघात किया जाता है। इसे तारों वाला वाद्य होने के कारण तत वर्ग में रखा जाता है।

8. इनमें से कौन मुख्यतः गज से बजाया जाने वाला तंत्री वाद्य है?
(क) सितार
(ख) संतूर
(ग) सारंगी
(घ) तानपुरा
उत्तर: (ग) सारंगी
व्याख्या: सारंगी में तारों को गज से रगड़कर स्वर उत्पन्न किए जाते हैं। यह हिंदुस्तानी संगीत में गायन की संगति और एकल वादन दोनों में प्रयुक्त होती है।

9. शास्त्रीय संगीत प्रस्तुति में तानपुरे की प्रमुख भूमिका क्या है?
(क) मुख्य स्वरवादक का स्थान लेना
(ख) झाँझ से हर ताल घोषित करना
(ग) प्रमुख तालवाद्य एकल बजाना
(घ) निरंतर आधार स्वर देना
उत्तर: (घ) निरंतर आधार स्वर देना
व्याख्या: तानपुरा आधार स्वर और अनुनादी पृष्ठभूमि देता है। इसका सामान्य कार्य मुख्य राग की स्वर-रचना या ताल का ठेका बजाना नहीं है।

10. किस वाद्य को सामान्यतः सितार का बड़ा और गंभीर स्वर वाला संबंधी माना जाता है?
(क) इसराज
(ख) सुरबहार
(ग) कंजीरा
(घ) अलगोजा
उत्तर: (ख) सुरबहार
व्याख्या: सुरबहार आकार तथा गंभीर स्वर-क्षेत्र के कारण विस्तृत आलाप के लिए उपयुक्त है। इसकी संरचना सितार से संबंधित है।

11. कौन-सी वीणा विशेष रूप से वाद्य ध्रुपद परंपरा से संबंधित है?
(क) संतूर
(ख) मैंडोलिन
(ग) रुद्र वीणा
(घ) मोहन वीणा
उत्तर: (ग) रुद्र वीणा
व्याख्या: रुद्र वीणा ध्रुपद की गंभीर आलापचारी परंपरा का प्रमुख वाद्य है। इसकी लंबी दंडी के साथ सामान्यतः दो बड़े अनुनादक होते हैं।

12. कर्नाटक संगीत में पर्दारहित सतह पर स्लाइड से बजने वाला कौन-सा वाद्य गोट्टुवाद्यम भी कहलाता है?
(क) नादस्वरम
(ख) चित्रवीणा
(ग) तविल
(घ) कंजीरा

Cosmo Classes

उत्तर: (ख) चित्रवीणा
व्याख्या: चित्रवीणा को गोट्टुवाद्यम भी कहा जाता है। इसके तारों पर स्लाइड चलाकर स्वर और गमक प्रस्तुत किए जाते हैं।

13. कौन-सा हिंदुस्तानी वाद्य तारों पर सामान्यतः काँच की चिकनी स्लाइड चलाकर बजाया जाता है?
(क) जलतरंग
(ख) पखावज
(ग) विचित्र वीणा
(घ) शहनाई
उत्तर: (ग) विचित्र वीणा
व्याख्या: विचित्र वीणा पर्दारहित तंत्री वाद्य है। इसकी वादन पद्धति में चिकनी गोल स्लाइड द्वारा तारों की प्रभावी लंबाई बदली जाती है।

14. उत्तर भारत का कौन-सा वाद्य डबल रीड वाला सुषिर वाद्य है?
(क) तानपुरा
(ख) बाँसुरी
(ग) ढोलक
(घ) शहनाई
उत्तर: (घ) शहनाई
व्याख्या: शहनाई में रीड तथा वायु स्तंभ के कंपन से स्वर बनता है। बाँसुरी में शहनाई जैसी रीड नहीं होती।

15. दक्षिण भारतीय मांगलिक संगीत में तविल की संगति सामान्यतः किस वाद्य के साथ होती है?
(क) नादस्वरम
(ख) सारंगी
(ग) संतूर
(घ) रुद्र वीणा
उत्तर: (क) नादस्वरम
व्याख्या: नादस्वरम और तविल मंदिरों तथा मांगलिक अवसरों की प्रमुख वाद्य जोड़ी है। नादस्वरम स्वर तथा तविल ताल की भूमिका निभाता है।

16. किस वाद्य में धौंकनी से भेजी गई हवा स्वतंत्र रीडों को कंपित करती है?
(क) मंजीरा
(ख) सितार
(ग) हारमोनियम
(घ) पखावज
उत्तर: (ग) हारमोनियम
व्याख्या: हारमोनियम में धौंकनी हवा भेजती है और चाबियों से चुनी गई रीडें कंपन करती हैं। केवल कीबोर्ड होने से कोई वाद्य तंत्री वाद्य नहीं हो जाता।

17. सामान्य दाएँ हाथ वाले तबला विन्यास में छोटे लकड़ी के ऊँचे स्वर वाले भाग को क्या कहते हैं?
(क) घटम
(ख) बायाँ
(ग) दायाँ
(घ) कोम्बु
उत्तर: (ग) दायाँ
व्याख्या: तबले का दायाँ भाग सामान्यतः लकड़ी का और अपेक्षाकृत ऊँचे स्वर वाला होता है। बायाँ भाग गंभीर स्वर देता है।

18. तबले का कौन-सा भाग सामान्यतः गंभीर या बास ध्वनि देता है?
(क) तरब
(ख) दायाँ
(ग) मिज़राब
(घ) बायाँ
उत्तर: (घ) बायाँ
व्याख्या: बायाँ तबले का बड़ा और गंभीर स्वर वाला भाग है। हथेली के दबाव से इसके स्वर में लचीला परिवर्तन किया जा सकता है।

19. ध्रुपद की संगति से परंपरागत रूप से कौन-सा तालवाद्य जुड़ा है?
(क) तविल
(ख) कंजीरा
(ग) डफ
(घ) पखावज
उत्तर: (घ) पखावज
व्याख्या: पखावज ध्रुपद और धमार की प्रमुख पारंपरिक संगति है। इसका लंबा शरीर और दोनों सिरों पर झिल्लियाँ होती हैं।

20. कर्नाटक संगीत की कचहरी में प्रमुख दोमुखी तालवाद्य कौन-सा है?
(क) ढोल
(ख) मृदंगम
(ग) नगाड़ा
(घ) चेंडा
उत्तर: (ख) मृदंगम
व्याख्या: मृदंगम कर्नाटक संगीत में प्रमुख ताल-संगति देता है। इसकी वादन शैली और ध्वनि-रचना इसे पखावज जैसे अन्य दोमुखी वाद्यों से अलग करती है।

21. कर्नाटक संगीत का कौन-सा तालवाद्य विशेष प्रकार का मिट्टी का घड़ा होता है?
(क) तविल
(ख) घटम
(ग) मृदंगम
(घ) कंजीरा
उत्तर: (ख) घटम
व्याख्या: घटम के ठोस मिट्टी के शरीर पर उँगलियों और हथेलियों से आघात किया जाता है। इसमें तनी हुई चर्म-झिल्ली नहीं होती।

22. कर्नाटक तालवाद्य समूहों में प्रयुक्त छोटा फ्रेम ड्रम कौन-सा है?
(क) कोम्बु
(ख) घटम
(ग) कंजीरा
(घ) मोरसिंग
उत्तर: (ग) कंजीरा
व्याख्या: कंजीरा एक छोटा एकमुखी फ्रेम ड्रम है। इसके फ्रेम पर झिल्ली तनी होती है और प्रायः धातु की झंकारियाँ भी लगी होती हैं।

23. कर्नाटक संगीत में प्रयुक्त जॉ हार्प कौन-सा है?
(क) मोरसिंग
(ख) सरस्वती वीणा
(ग) तिमिला
(घ) नादस्वरम
उत्तर: (क) मोरसिंग
व्याख्या: मोरसिंग में धातु की जीभ को छेड़कर कंपन उत्पन्न किया जाता है। मुख-गुहा अनुनादक का कार्य करती है।

24. जलतरंग में स्वर कैसे उत्पन्न किए जाते हैं?
(क) तने तारों पर गज चलाने से
(ख) पानी से स्वरबद्ध कटोरियों पर आघात से
(ग) बाँस के छिद्रों पर फूँकने से
(घ) धौंकनी वाली चाबियाँ दबाने से
उत्तर: (ख) पानी से स्वरबद्ध कटोरियों पर आघात से
व्याख्या: जलतरंग में अलग-अलग मात्रा में पानी भरी कटोरियों को छड़ियों से बजाया जाता है। कटोरी और पानी की संयुक्त कंपन-व्यवस्था से स्वर निर्धारित होता है।

Cosmo Classes

25. केरल का कौन-सा बेलनाकार ढोल सामान्यतः खड़ा रखकर छड़ियों से बजाया जाता है?
(क) संतूर
(ख) घटम
(ग) चेंडा
(घ) मोरसिंग
उत्तर: (ग) चेंडा
व्याख्या: चेंडा केरल के मंदिर उत्सवों और अनेक प्रदर्शन कलाओं का सशक्त तालवाद्य है। इसे सामान्यतः ऊर्ध्वाधर स्थिति में लटकाकर बजाया जाता है।

26. केरल का कौन-सा डमरू-आकृति वाद्य तनाव बदलकर स्वर परिवर्तन के लिए प्रसिद्ध है?
(क) इडक्का
(ख) इलतालम
(ग) कोम्बु
(घ) जलतरंग
उत्तर: (क) इडक्का
व्याख्या: इडक्का की डोरियों और झिल्ली के तनाव में बदलाव से स्वर ऊँचा-नीचा किया जा सकता है। इसका उपयोग सोपान संगीत जैसी परंपराओं में होता है।

27. कूडियाट्टम से विशेष रूप से संबंधित बड़े घटाकार तालवाद्य का नाम क्या है?
(क) नगाड़ा
(ख) पुंग
(ग) मिझावु
(घ) ढोलक
उत्तर: (ग) मिझावु
व्याख्या: मिझावु का बड़ा घटाकार शरीर और झिल्ली वाला मुख होता है। यह कूडियाट्टम तथा नंगियार कूत्तु की प्रमुख संगति है।

28. पारंपरिक पंचवाद्यम के पाँच वाद्यों में सुषिर वाद्य कौन-सा है?
(क) तिमिला
(ख) कोम्बु
(ग) इलतालम
(घ) मद्दलम
उत्तर: (ख) कोम्बु
व्याख्या: पंचवाद्यम में कोम्बु फूँककर बजाया जाने वाला वाद्य है। अन्य घटक तिमिला, मद्दलम, इडक्का और इलतालम हैं।

29. मणिपुर के पुंग चोलोम में केंद्रीय वाद्य कौन-सा है?
(क) कमायचा
(ख) पेपा
(ग) तुंबी
(घ) पुंग
उत्तर: (घ) पुंग
व्याख्या: पुंग चोलोम में कलाकार पुंग बजाते हुए नृत्य करते हैं। पुंग मणिपुरी संगीत और संकीर्तन की महत्वपूर्ण परंपरा से जुड़ा है।

30. असम का कौन-सा सुषिर वाद्य परंपरागत रूप से भैंस के सींग से बनाया जाता है?
(क) गोगोना
(ख) खोल
(ग) पेपा
(घ) टोका
उत्तर: (ग) पेपा
व्याख्या: पेपा बिहू संगीत का विशिष्ट फूँक वाद्य है। इसके निर्माण में परंपरागत रूप से भैंस का सींग प्रयुक्त होता है।

31. असम का बाँस से बना जॉ हार्प कौन-सा है?
(क) संतूर
(ख) ढोल
(ग) पेपा
(घ) गोगोना
उत्तर: (घ) गोगोना
व्याख्या: गोगोना बाँस का कंपनशील वाद्य है जिसे मुख के पास बजाया जाता है। यह बिहू की सांगीतिक परंपरा से संबंधित है।

32. पंजाब का कौन-सा लोक वाद्य सामान्यतः एक छेड़े जाने वाले तार वाला होता है?
(क) तुंबी
(ख) चिमटा
(ग) ढोल
(घ) अलगोजा
उत्तर: (क) तुंबी
व्याख्या: तुंबी एकतंत्री लोक वाद्य है और पंजाबी लोक संगीत में प्रयुक्त होती है। अलगोजा वायु तथा ढोल झिल्ली के कंपन से बजता है।

33. किस वाद्य में दो बाँसुरियों को साथ बजाया जाता है?
(क) सरोद
(ख) अलगोजा
(ग) एकतारा
(घ) कंजीरा
उत्तर: (ख) अलगोजा
व्याख्या: अलगोजा दोहरी बाँसुरी है। विभिन्न क्षेत्रीय परंपराओं में एक नली स्वर-धुन तथा दूसरी आधार स्वर देने में प्रयुक्त हो सकती है।

34. राजस्थान के मांगणियार संगीतकारों से विशेष रूप से कौन-सा गजवाद्य जुड़ा है?
(क) तविल
(ख) कमायचा
(ग) नादस्वरम
(घ) पेपा
उत्तर: (ख) कमायचा
व्याख्या: कमायचा मांगणियारों का प्रमुख गज से बजाया जाने वाला तंत्री वाद्य है। राजस्थान की लोकसंगीत परंपरा में इसकी विशिष्ट पहचान है।

35. पाबूजी की फड़ के भोपा गायन से राजस्थान का कौन-सा वाद्य संबंधित है?
(क) मोरसिंग
(ख) नादस्वरम
(ग) रावणहत्था
(घ) मृदंगम
उत्तर: (ग) रावणहत्था
व्याख्या: रावणहत्था गज से बजने वाला लोक तंत्री वाद्य है। पाबूजी की फड़ गाने वाले भोपाओं से इसका घनिष्ठ संबंध है।

36. अनेक बाउल गायक आधार स्वर देने के लिए कौन-सा तंत्री वाद्य बजाते हैं?
(क) एकतारा
(ख) शहनाई
(ग) तविल
(घ) नगाड़ा
उत्तर: (क) एकतारा
व्याख्या: एकतारा बाउल और अन्य लोक-भक्ति गायन परंपराओं में मिलता है। इसके तार को छेड़कर गायन के लिए स्वर और लय का सहारा लिया जाता है।

37. पूर्वी भारत का कौन-सा दोमुखी ढोल भक्ति परंपराओं में मृदंग भी कहलाता है?
(क) इलतालम
(ख) खोल

Cosmo Classes

(ग) मोरसिंग
(घ) घटम

उत्तर: (ख) खोल

व्याख्या: खोल बंगाल और असम की वैष्णव संगीत परंपराओं में प्रयुक्त होता है। इसका मध्य भाग उभरा हुआ और दोनों मुख अलग आकार के होते हैं।

38. मणिपुर का विशिष्ट एकतंत्री गजवाद्य कौन-सा है?
(क) कोम्बु
(ख) पेना
(ग) पेपा
(घ) तुंबी

उत्तर: (ख) पेना

व्याख्या: पेना मणिपुर का पारंपरिक एकतंत्री वाद्य है जिसे गज से बजाया जाता है। पेना और असम के पेपा को समान वाद्य नहीं समझना चाहिए।

39. पारंपरिक तारपा सुषिर वाद्य किस समुदाय से विशेष रूप से जुड़ा है?
(क) नंबियार
(ख) मांगणियार
(ग) मैतेई
(घ) वारली

उत्तर: (घ) वारली

व्याख्या: तारपा महाराष्ट्र और आसपास के वारली समुदाय की नृत्य-संगीत परंपरा से जुड़ा है। सामूहिक तारपा नृत्य इसके संगीत पर होता है।

40. महाराष्ट्र से संबंधित पारंपरिक लंबा तुरहीनुमा वाद्य कौन-सा है?
(क) सारंगी
(ख) तुतारी
(ग) संतूर
(घ) कंजीरा

उत्तर: (ख) तुतारी

व्याख्या: तुतारी महाराष्ट्र का पारंपरिक फूँक वाद्य है। इसका उपयोग समारोहों और घोषणात्मक संगीत में होता है।

41. पंजाबी लोक संगीत में धातु के चिमटेनुमा शरीर और झंकारियों वाला वाद्य कौन-सा है?
(क) अलगोजा
(ख) तुंबी
(ग) सरोद
(घ) चिमटा

उत्तर: (घ) चिमटा

व्याख्या: चिमटे को हिलाने और दबाने से लगी हुई धातु की झंकारियाँ बजती हैं। यह तुंबी की तरह तंत्री वाद्य नहीं है।

42. केरल के वाद्य समूहों में हाथों से बजाई जाने वाली झाँझ की जोड़ी कौन-सी है?
(क) इलतालम
(ख) इडक्का
(ग) तिमिला
(घ) मद्दलम

उत्तर: (क) इलतालम

व्याख्या: इलतालम दो धातु की चकतियों को टकराकर बजाया जाता है। इसे घन वाद्य वर्ग में रखा जाता है।

43. हर बार सीधे छेड़े बिना अनुनाद करने वाले सहायक तारों को क्या कहते हैं?
(क) पर्दे
(ख) रीड
(ग) तरब के तार
(घ) धौंकनी

उत्तर: (ग) तरब के तार

व्याख्या: तरब के तार मुख्य स्वर के साथ अनुनाद करते हैं और ध्वनि को समृद्ध बनाते हैं। सितार तथा सारंगी जैसे वाद्यों में इनका उपयोग होता है।

44. वाद्य संगीत में मींड का क्या अर्थ है?
(क) झाँझ की जोड़ी
(ख) स्वरों के बीच सतत खिंचाव
(ग) लिखित जीवनी
(घ) ढोल का स्थिर खोल

उत्तर: (ख) स्वरों के बीच सतत खिंचाव

व्याख्या: मींड एक स्वर से दूसरे स्वर की ओर निरंतर स्वर-संचलन है। इसे तार खींचकर, स्लाइड चलाकर या वाद्य-अनुकूल तकनीकों से प्रस्तुत किया जा सकता है।

45. सरोद वादन में प्रयुक्त विशिष्ट वादन-साधन कौन-सा है?
(क) ढोल की दो छड़ियाँ
(ख) धौंकनी
(ग) गज
(घ) जवा या जाबा

उत्तर: (घ) जवा या जाबा

व्याख्या: सरोद के तार जवा या जाबा नामक पिक से छेड़े जाते हैं। यह सारंगी और वायलिन की गज-आधारित वादन पद्धति से भिन्न है।

46. तबले पर बजने वाला ताल की पहचान बताने वाला मूल बोल-क्रम क्या कहलाता है?
(क) मींड
(ख) ठेका
(ग) श्रुति आधार स्वर
(घ) तरब

उत्तर: (ख) ठेका

व्याख्या: ठेका किसी ताल का पहचान योग्य बोल-क्रम है। यह संगति में ताल-चक्र को स्पष्ट रखता है।

47. हिंदुस्तानी वाद्य प्रस्तुति का कौन-सा आरंभिक भाग सामान्यतः निश्चित ताल-चक्र के बिना राग विस्तार करता है?
(क) तिहाई
(ख) तबला ठेका
(ग) गत
(घ) आलाप

उत्तर: (घ) आलाप

व्याख्या: आलाप में राग के स्वरूप का क्रमिक विस्तार होता है। इसके लिए निश्चित आवर्ती ताल-चक्र और तबले की संगति अनिवार्य नहीं है।

48. हिंदुस्तानी संगीत में तालबद्ध वाद्य रचना को सामान्यतः क्या कहते हैं?
(क) जवारी
(ख) तरब
(ग) मिज़राब
(घ) गत

उत्तर: (घ) गत

व्याख्या: गत वाद्य संगीत की तालबद्ध रचना है। उसके आधार पर कलाकार विस्तार, तान और लयकारी कर सकता है।

49. कर्नाटक संगीत कचहरी में तनी आवर्तनम क्या है?
(क) स्थायी आधार-स्वर वाद्य
(ख) वायलिन के तार का नाम
(ग) तालवाद्यों का एकल या संवादात्मक खंड
(घ) रीड बनाने की विधि

उत्तर: (ग) तालवाद्यों का एकल या संवादात्मक खंड
व्याख्या: तनी आवर्तनम तालवादकों को स्वतंत्र लय-विस्तार का अवसर देता है। इसमें मृदंगम और सहयोगी तालवाद्य संवाद कर सकते हैं।

50. तिहाई में सामान्यतः क्या होता है?
(क) प्रत्येक राग में केवल तीन स्वर
(ख) मंच पर केवल तीन संगीतकार
(ग) नियोजित समापन हेतु बोल-खंड की तीन आवृत्तियाँ
(घ) बोल-खंड की केवल दो आवृत्तियाँ
उत्तर: (ग) नियोजित समापन हेतु बोल-खंड की तीन आवृत्तियाँ
व्याख्या: तिहाई में किसी बोल या स्वर-खंड को तीन बार दोहराया जाता है। उसकी गणना प्रायः अंतिम आघात को सम जैसे नियत स्थान पर लाने के लिए की जाती है।

51. रवि शंकर ने मुख्यतः किस वाद्य के वादन से अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाई?
(क) संतूर
(ख) सितार
(ग) शहनाई
(घ) सरोद
उत्तर: (ख) सितार
व्याख्या: रवि शंकर विश्वप्रसिद्ध सितारवादक थे। वे उस्ताद अलाउद्दीन खाँ के शिष्य रहे और भारतीय संगीत के अंतरराष्ट्रीय प्रसार में महत्वपूर्ण रहे।

52. उस्ताद बिस्मिल्लाह खाँ किस वाद्य से संबंधित हैं?
(क) सुरबहार
(ख) बाँसुरी
(ग) सारंगी
(घ) शहनाई
उत्तर: (घ) शहनाई
व्याख्या: बिस्मिल्लाह खाँ ने शहनाई को शास्त्रीय एकल मंच पर प्रतिष्ठित किया। उनका संगीत-जीवन बनारस से गहराई से जुड़ा रहा।

53. शिवकुमार शर्मा ने किस वाद्य को हिंदुस्तानी शास्त्रीय मंच पर प्रमुख स्थान दिलाया?
(क) नादस्वरम
(ख) संतूर
(ग) रुद्र वीणा
(घ) पखावज
उत्तर: (ख) संतूर
व्याख्या: शिवकुमार शर्मा संतूर के प्रमुख शास्त्रीय वादक थे। उन्होंने इसकी तकनीक और प्रस्तुति को राग-संगीत की आवश्यकताओं के अनुकूल विकसित किया।

54. हरिप्रसाद चौरसिया मुख्यतः किस वाद्य से संबंधित हैं?
(क) वायलिन
(ख) शहनाई
(ग) सरोद
(घ) बाँसुरी
उत्तर: (घ) बाँसुरी
व्याख्या: हरिप्रसाद चौरसिया हिंदुस्तानी बाँसुरी के प्रमुख कलाकार हैं। उन्होंने गायकी-अंग और राग-विस्तार को बाँसुरी वादन में विशेष महत्व दिया।

55. अमजद अली खाँ का प्रमुख वादन क्षेत्र कौन-सा है?
(क) संतूर
(ख) सारंगी
(ग) सरोद
(घ) सितार
उत्तर: (ग) सरोद
व्याख्या: अमजद अली खाँ सरोद के प्रमुख कलाकार हैं। वे हाफिज अली खाँ के पुत्र और शिष्य हैं।

56. ज़ाकिर हुसैन किस वाद्य के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध थे?
(क) मृदंगम
(ख) तविल
(ग) पखावज
(घ) तबला
उत्तर: (घ) तबला
व्याख्या: ज़ाकिर हुसैन तबले के प्रमुख कलाकार और अल्ला रक्खा के पुत्र थे। उन्होंने शास्त्रीय संगति, एकल वादन और अंतरसांस्कृतिक संगीत में योगदान दिया।

57. अन्नपूर्णा देवी विशेष रूप से किस वाद्य के लिए प्रसिद्ध थीं?
(क) सुरबहार
(ख) सारंगी
(ग) शहनाई
(घ) घटम
उत्तर: (क) सुरबहार
व्याख्या: अन्नपूर्णा देवी सुरबहार की विशिष्ट साधिका और अलाउद्दीन खाँ की पुत्री-शिष्या थीं। उनका संबंध मैहर परंपरा से था।

58. इटावा इमदादखानी परंपरा के गायकी अंग से विशेष रूप से कौन-सा वादक जुड़ा है?
(क) विलायत खाँ
(ख) पालघाट मणि अय्यर
(ग) किशन महाराज
(घ) टी. एन. राजरत्नम पिल्लै
उत्तर: (क) विलायत खाँ
व्याख्या: विलायत खाँ सितार के महान कलाकार थे। उनकी गायकी-अंग शैली में स्वरों की आवाज़ जैसी निरंतरता और भाव-प्रस्तुति पर बल मिलता है।

59. अली अकबर खाँ मुख्यतः किस वाद्य के लिए प्रसिद्ध थे?
(क) सुरबहार
(ख) सरोद
(ग) पखावज
(घ) शहनाई
उत्तर: (ख) सरोद
व्याख्या: अली अकबर खाँ सरोद के प्रमुख कलाकार और अलाउद्दीन खाँ के पुत्र-शिष्य थे। वे मैहर परंपरा से संबंधित थे।

60. राम नारायण ने किस वाद्य को प्रमुख एकल मंचीय वाद्य के रूप में स्थापित करने में योगदान दिया?
(क) सारंगी
(ख) संतूर
(ग) तबला
(घ) नादस्वरम
उत्तर: (क) सारंगी
व्याख्या: राम नारायण सारंगी के प्रमुख एकल वादक थे। सारंगी की गायन-संगति की भूमिका के साथ उसकी स्वतंत्र प्रस्तुति को भी उन्होंने प्रतिष्ठा दी।

61. ध्रुपद कलाकार ज़िया मोहिउद्दीन डागर किस वाद्य से संबंधित थे?
(क) रुद्र वीणा
(ख) संतूर
(ग) मैंडोलिन
(घ) घटम

उत्तर: (क) रुद्र वीणा

व्याख्या: ज़िया मोहिउद्दीन डागर रुद्र वीणा के प्रमुख कलाकार थे। उन्हें समान नाम वाली गायन परंपरा के अन्य डागर कलाकारों से अलग पहचानना चाहिए।

62. मोहन वीणा नामक स्लाइड-गिटार रूप किस संगीतकार ने विकसित किया?

(क) बिस्मिल्लाह खाँ
(ख) विश्व मोहन भट्ट
(ग) हरिप्रसाद चौरसिया
(घ) पलनी सुब्रमणिया पिल्लै

उत्तर: (ख) विश्व मोहन भट्ट

व्याख्या: विश्व मोहन भट्ट ने स्लाइड गिटार को भारतीय राग-संगीत के अनुरूप विकसित करके मोहन वीणा रूप दिया। यह नाम देखकर इसे स्वतः प्राचीन रुद्र वीणा नहीं समझना चाहिए।

63. यू. श्रीनिवास कर्नाटक संगीत में किस वाद्य की प्रस्तुति के लिए प्रसिद्ध थे?

(क) शहनाई
(ख) सरोद
(ग) मैंडोलिन
(घ) पखावज

उत्तर: (ग) मैंडोलिन

व्याख्या: यू. श्रीनिवास ने मैंडोलिन पर कर्नाटक राग-संगीत की विशिष्ट प्रस्तुति की। उनका नाम अक्सर मैंडोलिन श्रीनिवास के रूप में लिया जाता है।

64. कदरी गोपालनाथ कर्नाटक संगीत में किस वाद्य के प्रमुख कलाकार थे?

(क) सैक्सोफोन
(ख) सितार
(ग) संतूर
(घ) सारंगी

उत्तर: (क) सैक्सोफोन

व्याख्या: कदरी गोपालनाथ ने सैक्सोफोन को कर्नाटक संगीत के अनुरूप प्रस्तुत किया। सैक्सोफोन रीड वाला सुषिर वाद्य है।

65. एन. राजम किस वाद्य पर गायकी अंग के लिए विशेष रूप से प्रसिद्ध हैं?

(क) सुरबहार
(ख) शहनाई
(ग) सरोद
(घ) वायलिन

उत्तर: (घ) वायलिन

व्याख्या: एन. राजम हिंदुस्तानी वायलिन की प्रमुख कलाकार हैं। उनके वादन में गायन शैली के अनुरूप स्वर-विस्तार और अभिव्यक्ति प्रमुख हैं।

66. कर्नाटक संगीत के कलाकार लालगुडी जयरामन किस वाद्य से संबंधित थे?

(क) नादस्वरम
(ख) वायलिन
(ग) घटम
(घ) मृदंगम

उत्तर: (ख) वायलिन

व्याख्या: लालगुडी जयरामन वायलिन के प्रमुख कलाकार और रचनाकार थे। उनकी विशिष्ट शैली लालगुडी बानी के नाम से जानी जाती है।

67. एम. एस. गोपालकृष्णन दोनों कर्नाटक और हिंदुस्तानी परंपराओं में कौन-सा वाद्य बजाते थे?

(क) संतूर
(ख) वायलिन
(ग) मोरसिंग
(घ) तबला

उत्तर: (ख) वायलिन

व्याख्या: एम. एस. गोपालकृष्णन वायलिन के प्रमुख कलाकार थे। उनके वादन में दोनों शास्त्रीय संगीत प्रणालियों की दक्षता दिखाई देती थी।

68. माली के नाम से प्रसिद्ध टी. आर. महालिंगम किस वाद्य के कुशल कलाकार थे?

(क) घटम
(ख) वीणा
(ग) बाँसुरी
(घ) तविल

उत्तर: (ग) बाँसुरी

व्याख्या: टी. आर. महालिंगम कर्नाटक बाँसुरी के महत्वपूर्ण कलाकार थे। माली नाम से उनकी पहचान प्रसिद्ध है।

69. एन. रमणी किस वाद्य से प्रमुख रूप से संबंधित थे?

(क) मृदंगम
(ख) नादस्वरम
(ग) वायलिन
(घ) बाँसुरी

उत्तर: (घ) बाँसुरी

व्याख्या: एन. रमणी कर्नाटक बाँसुरी के प्रमुख कलाकार थे। उनका संबंध टी. आर. महालिंगम की शिष्य-परंपरा से भी था।

70. टी. एन. राजरत्नम पिल्लै किस वाद्य के लिए प्रसिद्ध थे?

(क) नादस्वरम
(ख) सारंगी
(ग) सैक्सोफोन
(घ) सितार

उत्तर: (क) नादस्वरम

व्याख्या: टी. एन. राजरत्नम पिल्लै नादस्वरम के महान कलाकारों में गिने जाते हैं। इस वाद्य की दक्षिण भारतीय मंदिर और मंच परंपरा में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही।

71. शेख चिन्ना मौलाना किस वाद्य से संबंधित थे?

(क) सरोद
(ख) बाँसुरी
(ग) शहनाई
(घ) नादस्वरम

उत्तर: (घ) नादस्वरम

व्याख्या: शेख चिन्ना मौलाना कर्नाटक संगीत के प्रमुख नादस्वरम वादक थे। शहनाई और नादस्वरम दोनों सुषिर वाद्य हैं, पर उनकी परंपराएँ अलग हैं।

72. पालघाट मणि अय्यर किस वाद्य के कलाकार थे?

(क) घटम
(ख) मृदंगम
(ग) तबला
(घ) कंजीरा

उत्तर: (ख) मृदंगम

व्याख्या: पालघाट मणि अय्यर कर्नाटक मृदंगम के प्रमुख कलाकार थे। उन्होंने संगति और स्वतंत्र लय-विस्तार दोनों क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

73. उमयालपुरम के. शिवरामन किस वाद्य के कलाकार हैं?

(क) ढोलक
(ख) पखावज
(ग) मृदंगम
(घ) तबला

Cosmo Classes

उत्तर: (ग) मृदंगम

व्याख्या: उमयालपुरम के. शिवरामन कर्नाटक संगीत के प्रमुख मृदंगम वादक हैं। मृदंगम और पखावज के नामों को कलाकार-मिलान में नहीं उलटना चाहिए।

74. विक्कू विनायकरम किस तालवाद्य से विशेष रूप से संबंधित हैं?

(क) कंजीरा
(ख) पखावज
(ग) घटम
(घ) तविल

उत्तर: (ग) घटम

व्याख्या: टी. एच. विनायकरम, जिन्हें विक्कू विनायकरम कहा जाता है, घटम के प्रसिद्ध कलाकार हैं। उनका कार्य शास्त्रीय और सहयोगात्मक संगीत दोनों में महत्वपूर्ण है।

75. जी. हरिशंकर किस वाद्य के प्रसिद्ध कलाकार थे?

(क) कंजीरा
(ख) नादस्वरम
(ग) संतूर
(घ) रुद्र वीणा

उत्तर: (क) कंजीरा

व्याख्या: जी. हरिशंकर कंजीरा के प्रमुख कलाकार थे। छोटे आकार के इस तालवाद्य पर जटिल लयकारी संभव है।

76. एस. बालचंदर किस तंत्री वाद्य से संबंधित थे?

(क) सुरबहार
(ख) सरस्वती वीणा
(ग) सरोद
(घ) संतूर

उत्तर: (ख) सरस्वती वीणा

व्याख्या: एस. बालचंदर कर्नाटक वीणा के प्रमुख वादक थे। सरस्वती वीणा कर्नाटक संगीत की महत्वपूर्ण तंत्री परंपरा है।

77. ईमनि शंकर शास्त्री किस वाद्य के कलाकार थे?

(क) वायलिन
(ख) शहनाई
(ग) सारंगी
(घ) वीणा

उत्तर: (घ) वीणा

व्याख्या: ईमनि शंकर शास्त्री कर्नाटक वीणा के प्रसिद्ध वादक थे। उनका नाम वीणा की विशिष्ट शैली और शिक्षण परंपरा से जुड़ा है।

78. चिट्टी बाबू मुख्यतः किस वाद्य के वादक के रूप में याद किए जाते हैं?

(क) वीणा
(ख) संतूर
(ग) पखावज
(घ) मैंडोलिन

उत्तर: (क) वीणा

व्याख्या: चिट्टी बाबू कर्नाटक वीणा के प्रमुख कलाकार थे। वे ईमनि शंकर शास्त्री के शिष्य थे।

79. असद अली खाँ किस वाद्य से संबंधित थे?

(क) तबला
(ख) सारंगी
(ग) बाँसुरी
(घ) रुद्र वीणा

उत्तर: (घ) रुद्र वीणा

व्याख्या: असद अली खाँ रुद्र वीणा के प्रमुख वादक थे। उनका संबंध इस वाद्य की खंडार बानी की परंपरा से माना जाता है।

80. बृज भूषण काबरा किस वाद्य को हिंदुस्तानी शास्त्रीय प्रस्तुति में लाने वाले अग्रणी कलाकार थे?

(क) स्लाइड गिटार
(ख) नादस्वरम
(ग) पुंग
(घ) तविल

उत्तर: (क) स्लाइड गिटार

व्याख्या: बृज भूषण काबरा ने स्लाइड गिटार पर हिंदुस्तानी राग-संगीत को प्रतिष्ठित किया। वे प्रसिद्ध एल्बम कॉल ऑफ द वैली के कलाकारों में थे।

81. पन्नालाल घोष ने किस वाद्य को हिंदुस्तानी शास्त्रीय मंच पर स्थापित करने में प्रमुख भूमिका निभाई?

(क) सरोद
(ख) घटम
(ग) बाँसुरी
(घ) शहनाई

उत्तर: (ग) बाँसुरी

व्याख्या: पन्नालाल घोष ने बाँसुरी की संरचना और वादन को विस्तृत शास्त्रीय राग प्रस्तुति के अनुकूल विकसित किया। उन्हें हिंदुस्तानी बाँसुरी का अग्रणी माना जाता है।

82. किशन महाराज किस वाद्य और घराने से संबंधित थे?

(क) सरोद और मैहर
(ख) तबला और बनारस
(ग) वायलिन और लालगुडी
(घ) सितार और इटावा

उत्तर: (ख) तबला और बनारस

व्याख्या: किशन महाराज बनारस घराने के प्रमुख तबलावादक थे। बनारस घराना तबले की विशिष्ट लयकारी और रचना-परंपरा रखता है।

83. समता प्रसाद किस वाद्य के प्रमुख कलाकार थे?

(क) सारंगी
(ख) नादस्वरम
(ग) संतूर
(घ) तबला

उत्तर: (घ) तबला

व्याख्या: समता प्रसाद बनारस घराने के तबलावादक थे। वे गुदई महाराज नाम से भी प्रसिद्ध थे।

84. कौन-से तबला कलाकार ज़ाकिर हुसैन के पिता और गुरु थे?

(क) राम सहाय
(ख) किशन महाराज
(ग) अल्ला रक्खा
(घ) अहमद जान थिरकवा

उत्तर: (ग) अल्ला रक्खा

व्याख्या: अल्ला रक्खा पंजाब घराने के प्रमुख तबलावादक और ज़ाकिर हुसैन के पिता-गुरु थे। रवि शंकर के साथ उनकी संगति भी प्रसिद्ध रही।

85. अहमद जान थिरकवा मुख्यतः किस वाद्य से संबंधित थे?

(क) तबला
(ख) पखावज
(ग) सरोद
(घ) शहनाई

उत्तर: (क) तबला

व्याख्या: अहमद जान थिरकवा तबले के महान कलाकारों में गिने जाते हैं। कलाकार-मिलान में उन्हें पखावज वादक मानना गलत होगा।

Cosmo Classes

86. शरण रानी बाकलीवाल किस वाद्य की कलाकार थीं?
(क) बाँसुरी
(ख) वायलिन
(ग) सरोद
(घ) सितार
उत्तर: (ग) सरोद
व्याख्या: शरण रानी बाकलीवाल सरोद की प्रमुख कलाकार थीं। वे भारतीय वाद्ययंत्रों के संग्रह और संरक्षण से भी जुड़ी थीं।

87. द्वारम वेंकटस्वामी नायडू किस वाद्य के कलाकार थे?
(क) वीणा
(ख) मैंडोलिन
(ग) वायलिन
(घ) घटम
उत्तर: (ग) वायलिन
व्याख्या: द्वारम वेंकटस्वामी नायडू कर्नाटक वायलिन के महत्वपूर्ण कलाकार थे। उनका नाम वायलिन की दक्षिण भारतीय मंचीय परंपरा से जुड़ा है।

88. वी. जी. जोग का प्रमुख वादन क्षेत्र कौन-सा था?
(क) सुरबहार
(ख) वायलिन
(ग) सरोद
(घ) पखावज
उत्तर: (ख) वायलिन
व्याख्या: विष्णु गोविंद जोग हिंदुस्तानी वायलिन के प्रमुख कलाकार थे। उन्हें वी. जी. जोग के संक्षिप्त नाम से भी जाना जाता है।

89. बुद्धदेव दास गुप्ता किस वाद्य के कलाकार थे?
(क) सरोद
(ख) सितार
(ग) बाँसुरी
(घ) शहनाई
उत्तर: (क) सरोद
व्याख्या: बुद्धदेव दास गुप्ता हिंदुस्तानी सरोद के प्रमुख कलाकार थे। उनकी संगीत-शिक्षा राधिकामोहन मैत्र से हुई थी।

90. निखिल बनर्जी किस वाद्य से संबंधित थे?
(क) तबला
(ख) संतूर
(ग) सारंगी
(घ) सितार
उत्तर: (घ) सितार
व्याख्या: निखिल बनर्जी सितार के प्रमुख कलाकार और मैहर परंपरा से संबंधित थे। उनका राग-विस्तार गंभीर और सूक्ष्म माना जाता है।

91. शाहिद परवेज़ का प्रमुख वाद्य कौन-सा है?
(क) संतूर
(ख) सरोद
(ग) सितार
(घ) नादस्वरम
उत्तर: (ग) सितार
व्याख्या: शाहिद परवेज़ इटावा इमदादखानी परंपरा के प्रमुख सितारवादक हैं। कलाकार और घराने का संयुक्त मिलान परीक्षा में उपयोगी है।

92. शशांक सुब्रमण्यम किस वाद्य से संबंधित हैं?
(क) मृदंगम
(ख) बाँसुरी
(ग) सैक्सोफोन
(घ) वायलिन
उत्तर: (ख) बाँसुरी
व्याख्या: शशांक सुब्रमण्यम कर्नाटक बाँसुरी के कलाकार हैं। उन्हें सैक्सोफोन वादक कदरी गोपालनाथ से अलग पहचानना चाहिए।

93. ए. के. सी. नटराजन किस वाद्य से संबंधित हैं?
(क) सैक्सोफोन
(ख) नादस्वरम
(ग) शहनाई
(घ) क्लैरिनेट
उत्तर: (घ) क्लैरिनेट
व्याख्या: ए. के. सी. नटराजन कर्नाटक संगीत में क्लैरिनेट के प्रमुख कलाकार रहे हैं। क्लैरिनेट एकल रीड वाला सुषिर वाद्य है।

94. तोताराम शर्मा किस वाद्य से संबंधित हैं?
(क) घटम
(ख) वायलिन
(ग) सितार
(घ) पखावज
उत्तर: (घ) पखावज
व्याख्या: तोताराम शर्मा पखावज के कलाकार हैं। यह कलाकार-मिलान ध्रुपद-संबंधी तालवाद्य परंपरा के अध्ययन में उपयोगी है।

95. भवानी शंकर कथक किस वाद्य के प्रमुख कलाकार थे?
(क) सरोद
(ख) नादस्वरम
(ग) पखावज
(घ) संतूर
उत्तर: (ग) पखावज
व्याख्या: भवानी शंकर पखावज वादन के लिए प्रसिद्ध थे। नाम में कथक होने के कारण उन्हें केवल नृत्य कलाकार मान लेना उचित नहीं है।

96. अनुष्का शंकर किस वाद्य की कलाकार हैं?
(क) शहनाई
(ख) सुरबहार
(ग) सितार
(घ) सारंगी
उत्तर: (ग) सितार
व्याख्या: अनुष्का शंकर सितारवादक हैं और रवि शंकर की पुत्री-शिष्या हैं। उनके कार्य में शास्त्रीय तथा सहयोगात्मक प्रस्तुतियाँ शामिल हैं।

97. अमान अली बंगश और अयान अली बंगश किस वाद्य से जुड़े हैं?
(क) सितार
(ख) तबला
(ग) सरोद
(घ) वायलिन
उत्तर: (ग) सरोद
व्याख्या: अमान अली बंगश और अयान अली बंगश सरोदवादक तथा अमजद अली खाँ के पुत्र-शिष्य हैं। यह सरोद की पारिवारिक शिक्षण परंपरा का उदाहरण है।

98. संगीता शंकर किस वाद्य से संबंधित हैं?
(क) सितार
(ख) घटम
(ग) संतूर
(घ) वायलिन
उत्तर: (घ) वायलिन
व्याख्या: संगीता शंकर वायलिन की कलाकार और एन. राजम की पुत्री-शिष्या हैं। उनका नाम हिंदुस्तानी वायलिन की गायकी-अंग परंपरा से जुड़ा है।

99. तालवादक मंजूनाथ बी. सी. किस वाद्य से प्रमुख रूप से संबंधित हैं?
(क) पखावज
(ख) चेंडा
(ग) मृदंगम
(घ) तबला
उत्तर: (ग) मृदंगम
व्याख्या: मंजूनाथ बी. सी. मृदंगम के कलाकार हैं। वे लयकारी और कर्नाटक ताल परंपरा की प्रस्तुतियों के लिए जाने जाते हैं।

100. सत्यजीत तलवलकर किस वाद्य से संबंधित हैं?
(क) तबला
(ख) नादस्वरम
(ग) सरोद
(घ) वीणा
उत्तर: (क) तबला
व्याख्या: सत्यजीत तलवलकर तबलावादक हैं। वे सुरेश तलवलकर की शिष्य-परंपरा से संबंधित हैं।

101. वाद्यों का वर्गों से मिलान करें: 1 सितार, 2 शहनाई, 3 पखावज, 4 मंजीरा; क घन, ख अवनद्ध, ग तत, घ सुषिर।
(क) 1-ग, 2-घ, 3-ख, 4-क
(ख) 1-घ, 2-ग, 3-ख, 4-क
(ग) 1-क, 2-ख, 3-ग, 4-घ
(घ) 1-ग, 2-घ, 3-क, 4-ख
उत्तर: (क) 1-ग, 2-घ, 3-ख, 4-क
व्याख्या: सितार में तार, शहनाई में वायु और पखावज में झिल्ली प्रमुख कंपनशील माध्यम हैं। मंजीरा ठोस धातु के कंपन से बजता है।

102. विचार करें: 1 संतूर छोटी कलमों से आघात करके बजता है। 2 इसलिए उसे अवनद्ध वर्ग में रखना चाहिए। कौन-सा कथन सही है?
(क) केवल 1
(ख) न 1 न 2
(ग) 1 और 2 दोनों
(घ) केवल 2
उत्तर: (क) केवल 1
व्याख्या: वादन क्रिया में आघात होने पर भी संतूर में तार कंपन करते हैं। इसलिए वह तत वाद्य है, झिल्ली-आधारित अवनद्ध वाद्य नहीं।

103. किस युग्म के दोनों वाद्य सामान्यतः गज से बजते हैं?
(क) संतूर और तानपुरा
(ख) सारंगी और वायलिन
(ग) सितार और सरोद
(घ) वीणा और मैंडोलिन
उत्तर: (ख) सारंगी और वायलिन
व्याख्या: सारंगी और वायलिन दोनों गजवाद्य हैं। बाकी युग्मों में तार छेड़ने या उन पर आघात करने की पद्धति प्रमुख है।

104. गलत सुमेलित युग्म चुनें।
(क) घटम — तनी हुई झिल्ली
(ख) कंजीरा — फ्रेम ड्रम
(ग) नादस्वरम — डबल रीड
(घ) मोरसिंग — जॉ हार्प
उत्तर: (क) घटम — तनी हुई झिल्ली
व्याख्या: घटम का ठोस मिट्टी का शरीर बजता है और उसमें चर्म-झिल्ली नहीं होती। कंजीरा झिल्ली वाला फ्रेम ड्रम है।

105. संग्रहालय में तानपुरे को मुख्य धुन वाला और सरोद को केवल आधार स्वर वाला वाद्य लिखा है। क्या सुधार चाहिए?
(क) केवल तानपुरे का विवरण
(ख) दोनों भूमिका-विवरण
(ग) किसी में नहीं
(घ) केवल सरोद का विवरण
उत्तर: (ख) दोनों भूमिका-विवरण
व्याख्या: तानपुरे की सामान्य भूमिका आधार स्वर देना है। सरोद राग की मुख्य स्वर-प्रस्तुति करने वाला एकल तंत्री वाद्य है।

106. वादक-वाद्य मिलाएँ: 1 रवि शंकर, 2 राम नारायण, 3 शिवकुमार शर्मा, 4 बिस्मिल्लाह खाँ; क सारंगी, ख शहनाई, ग सितार, घ संतूर।
(क) 1-ख, 2-क, 3-ग, 4-घ
(ख) 1-क, 2-ग, 3-घ, 4-ख
(ग) 1-ग, 2-घ, 3-ख, 4-क
(घ) 1-ग, 2-क, 3-घ, 4-ख
उत्तर: (घ) 1-ग, 2-क, 3-घ, 4-ख
व्याख्या: रवि शंकर सितार, राम नारायण सारंगी, शिवकुमार शर्मा संतूर और बिस्मिल्लाह खाँ शहनाई के कलाकार थे। यहाँ चार अलग वादन प्रणालियों का मिलान है।

107. किस समूह में केवल कर्नाटक वायलिन के कलाकार हैं?
(क) लालगुडी जयरामन, टी. एन. कृष्णन, द्वारम वेंकटस्वामी नायडू
(ख) कदरी गोपालनाथ, यू. श्रीनिवास, टी. आर. महालिंगम
(ग) पालघाट मणि अय्यर, विक्कू विनायकरम, जी. हरिशंकर
(घ) एन. राजम, बिस्मिल्लाह खाँ, रवि शंकर
उत्तर: (क) लालगुडी जयरामन, टी. एन. कृष्णन, द्वारम वेंकटस्वामी नायडू
व्याख्या: लालगुडी जयरामन, टी. एन. कृष्णन और द्वारम वेंकटस्वामी नायडू कर्नाटक वायलिन के कलाकार थे। अन्य समूहों में विभिन्न वाद्यों के कलाकार सम्मिलित हैं।

108. विचार करें: 1 एन. राजम हिंदुस्तानी वायलिन से संबंधित हैं। 2 लालगुडी जयरामन कर्नाटक वायलिन से संबंधित थे। सही उत्तर चुनें।
(क) न 1 न 2
(ख) 1 और 2 दोनों
(ग) केवल 1
(घ) केवल 2
उत्तर: (ख) 1 और 2 दोनों
व्याख्या: एक ही वाद्य अलग शास्त्रीय प्रणालियों में प्रयुक्त हो सकता है। एन. राजम और लालगुडी जयरामन इसका स्पष्ट उदाहरण हैं।

109. कथन A: कर्नाटक संगीत में प्रयुक्त होने पर वायलिन सुषिर वाद्य नहीं बन जाता। कारण R: यहाँ वर्गीकरण ध्वनि के माध्यम पर आधारित है, क्षेत्रीय शैली पर नहीं।
(क) A व R सत्य हैं पर R सही व्याख्या नहीं है
(ख) A व R सत्य हैं और R सही व्याख्या है
(ग) A असत्य और R सत्य है
(घ) A सत्य और R असत्य है
उत्तर: (ख) A व R सत्य हैं और R सही व्याख्या है
व्याख्या: वायलिन में तार कंपन करते हैं, इसलिए वह तत वर्ग में रहेगा। हिंदुस्तानी या कर्नाटक शैली का चयन इस मूल वर्गीकरण को नहीं बदलता।

110. दक्षिण भारतीय मांगलिक संगीत में स्वरवाद्य और उसके प्रचलित ताल-सहयोगी का सही युग्म कौन-सा है?
(क) संतूर — कोम्बु
(ख) सारंगी — तानपुरा
(ग) सितार — बाँसुरी
(घ) नादस्वरम — तविल
उत्तर: (घ) नादस्वरम — तविल
व्याख्या: नादस्वरम स्वर और तविल ताल की भूमिका निभाते हैं। अन्य विकल्पों में अपेक्षित स्वरवाद्य-तालवाद्य संगति नहीं है।

111. कौन-सा वाद्य पारंपरिक पंचवाद्यम के पाँच वाद्यों में शामिल नहीं है?
(क) कोम्बु
(ख) तिमिला
(ग) चेंडा
(घ) इडक्का
उत्तर: (ग) चेंडा
व्याख्या: मानक पंचवाद्यम में तिमिला, मद्दलम, इडक्का, इलतालम और कोम्बु होते हैं। चेंडा अन्य केरल वाद्य-समूहों का महत्वपूर्ण घटक है।

112. इनमें कितने युग्म सही हैं: 1 पेपा—असम, 2 पेना—मणिपुर, 3 तुंबी—पंजाब, 4 कमायचा—केरल?
(क) चार
(ख) तीन
(ग) दो
(घ) एक
उत्तर: (ख) तीन
व्याख्या: पहले तीन युग्म सही हैं। कमायचा मुख्यतः राजस्थान की मांगणियार लोकसंगीत परंपरा से संबंधित है।

113. मांगणियार प्रस्तुति के लिए पारंपरिक गजवाद्य चाहिए। किसे चुनना उपयुक्त है?
(क) तुंबी
(ख) कमायचा
(ग) तविल
(घ) पेपा
उत्तर: (ख) कमायचा
व्याख्या: कमायचा मांगणियारों का प्रमुख तंत्री गजवाद्य है। तुंबी छेड़ा जाने वाला तंत्री वाद्य, पेपा सुषिर और तविल तालवाद्य है।

114. विचार करें: 1 पेपा और पेना अलग वाद्य हैं। 2 दोनों असम के डबल रीड सींग-वाद्य हैं। सही उत्तर चुनें।
(क) केवल 1
(ख) केवल 2
(ग) 1 और 2 दोनों
(घ) न 1 न 2
उत्तर: (क) केवल 1
व्याख्या: पेपा असम का सुषिर वाद्य है, जबकि पेना मणिपुर का एकतंत्री गजवाद्य है। नामों की समानता के कारण दोनों को नहीं मिलाना चाहिए।

115. किस युग्म में ध्वनि का प्रमुख स्रोत तनी हुई झिल्ली नहीं है?
(क) तबला और पखावज
(ख) कंजीरा और तविल
(ग) पुंग और खोल
(घ) घटम और मंजीरा
उत्तर: (घ) घटम और मंजीरा
व्याख्या: घटम और मंजीरे में ठोस शरीर कंपन करता है। बाकी युग्मों में झिल्ली-आधारित ढोल शामिल हैं।

116. वादन विधि मिलाएँ: 1 सितार, 2 सारंगी, 3 संतूर, 4 शहनाई; क गज चलाना, ख फूँकना, ग मिज़राब से तार छेड़ना, घ कलमों से तारों पर आघात।
(क) 1-घ, 2-क, 3-ख, 4-ग
(ख) 1-ग, 2-घ, 3-क, 4-ख
(ग) 1-क, 2-ग, 3-घ, 4-ख
(घ) 1-ग, 2-क, 3-घ, 4-ख
उत्तर: (घ) 1-ग, 2-क, 3-घ, 4-ख
व्याख्या: सितार मिज़राब, सारंगी गज, संतूर कलम और शहनाई फूँकने की विधि से बजती है। वादन विधि और ध्वनि स्रोत को अलग-अलग समझना उपयोगी है।

117. कौन-सा विवरण सरोद को सामान्य मंचीय सितार से अलग करता है?
(क) सितार झिल्ली वाला ढोल है
(ख) सितार हमेशा गज से बजता है
(ग) सरोद में पर्दारहित धातु का फिंगरबोर्ड होता है
(घ) सरोद में तार नहीं होते
उत्तर: (ग) सरोद में पर्दारहित धातु का फिंगरबोर्ड होता है
व्याख्या: दोनों तत वाद्य हैं, लेकिन सरोद का फिंगरबोर्ड पर्दारहित होता है। सितार पर स्वर-स्थान के लिए पर्दे लगे होते हैं।

118. कथन A: संतूर तत वाद्य है। कारण R: इसमें ध्वनि के लिए तनी खाल की जगह तारों पर आघात होता है।
(क) A व R सत्य हैं और R सही व्याख्या है
(ख) A असत्य और R सत्य है
(ग) A सत्य और R असत्य है
(घ) A व R सत्य हैं पर R सही व्याख्या नहीं है
उत्तर: (क) A व R सत्य हैं और R सही व्याख्या है
व्याख्या: संतूर का वर्ग उसके कंपनशील तार तय करते हैं। केवल हथौड़ीनुमा कलमों से बजने के कारण इसे झिल्ली वाला अवनद्ध वाद्य नहीं कहा जाएगा।

119. हारमोनियम का कौन-सा विवरण सही है?
(क) गज से बजने वाला तंत्री वाद्य
(ख) पानी वाली बजने योग्य कटोरियों का समूह
(ग) दोमुखी ढोल
(घ) चाबियों से संचालित स्वतंत्र रीड वाला वाद्य
उत्तर: (घ) चाबियों से संचालित स्वतंत्र रीड वाला वाद्य
व्याख्या: हारमोनियम की चाबियाँ संबंधित रीडों तक हवा पहुँचने का मार्ग नियंत्रित करती हैं। धौंकनी हवा देती है और रीड के कंपन से स्वर बनता है।

120. किस सूची में केवल तार छेड़कर बजाए जाने वाले वाद्य हैं?
(क) सितार, सरोद, तानपुरा
(ख) बाँसुरी, शहनाई, नादस्वरम
(ग) तबला, तविल, कंजीरा
(घ) सारंगी, वायलिन, पेना
उत्तर: (क) सितार, सरोद, तानपुरा
व्याख्या: सितार, सरोद और तानपुरे के तार छेड़े जाते हैं। सारंगी, वायलिन और पेना गज से बजते हैं; बाँसुरी, शहनाई और नादस्वरम सुषिर वाद्य हैं।

121. कलाकार-परंपरा मिलाएँ: 1 अल्ला रक्खा, 2 किशन महाराज, 3 विलायत खाँ, 4 अलाउद्दीन खाँ; क बनारस तबला, ख इटावा सितार, ग मैहर, घ पंजाब तबला।
(क) 1-ग, 2-क, 3-घ, 4-ख
(ख) 1-क, 2-घ, 3-ख, 4-ग
(ग) 1-घ, 2-क, 3-ख, 4-ग
(घ) 1-घ, 2-ख, 3-ग, 4-क
उत्तर: (ग) 1-घ, 2-क, 3-ख, 4-ग
व्याख्या: अल्ला रक्खा पंजाब, किशन महाराज बनारस, विलायत खाँ इटावा और अलाउद्दीन खाँ मैहर परंपरा से संबंधित हैं। मैहर परंपरा में अनेक वाद्यों की शिक्षा रही है।

122. बनारस तबला घराने की स्थापना का श्रेय परंपरागत रूप से किसे दिया जाता है?
(क) बालुस्वामी दीक्षितर
(ख) पन्नालाल घोष

(ग) अलाउद्दीन खाँ
(घ) राम सहाय

उत्तर: (घ) राम सहाय

व्याख्या: पंडित राम सहाय बनारस तबला घराने के संस्थापक माने जाते हैं। इसे नृत्य के घरानों और अन्य वाद्यों की परंपराओं से अलग समझना चाहिए।

123. रवि शंकर और अली अकबर खाँ दोनों को किस गुरु ने शिक्षा दी?

(क) हाफिज अली खाँ
(ख) पालघाट मणि अय्यर
(ग) अलाउद्दीन खाँ
(घ) टी. आर. महालिंगम

उत्तर: (ग) अलाउद्दीन खाँ

व्याख्या: अलाउद्दीन खाँ मैहर परंपरा के प्रमुख गुरु थे। रवि शंकर उनके शिष्य और अली अकबर खाँ उनके पुत्र-शिष्य थे।

124. किस अभिभावक-संतान युग्म का प्रमुख वाद्य सही समान दिया गया है?

(क) रवि शंकर और अनुष्का शंकर — सारंगी
(ख) अल्ला रक्खा और ज़ाकिर हुसैन — सितार
(ग) एन. राजम और संगीता शंकर — शहनाई
(घ) हाफिज अली खाँ और अमजद अली खाँ — सरोद

उत्तर: (घ) हाफिज अली खाँ और अमजद अली खाँ — सरोद

व्याख्या: हाफिज अली खाँ और अमजद अली खाँ सरोदवादक हैं। अल्ला रक्खा व ज़ाकिर हुसैन तबला, रवि शंकर व अनुष्का सितार तथा एन. राजम व संगीता वायलिन से जुड़े हैं।

125. किस संगीतकार ने गायक ओंकारनाथ ठाकुर से शिक्षा लेकर वायलिन पर गायकी अंग विकसित किया?

(क) जी. हरिशंकर
(ख) विक्कू विनायकरम
(ग) टी. एन. राजरत्नम पिल्लै
(घ) एन. राजम

उत्तर: (घ) एन. राजम

व्याख्या: एन. राजम ने ओंकारनाथ ठाकुर की गायन शैली से प्रेरित स्वर-प्रस्तुति को वायलिन पर विकसित किया। यहाँ गुरु गायक हैं और शिष्या वादक हैं।

126. वाद्य पर गायन की सूक्ष्मताओं को प्रस्तुत करने वाली शैली का सर्वोत्तम नाम क्या है?

(क) गायकी अंग
(ख) अवनद्ध
(ग) बायाँ
(घ) खाली

उत्तर: (क) गायकी अंग

व्याख्या: गायकी अंग में वाद्य की प्रस्तुति गायन की स्वर-गति और भाव के निकट होती है। मींड और सूक्ष्म स्वराभिव्यक्ति इसमें महत्वपूर्ण हो सकती हैं।

127. इनमें से कौन तबले का घराना नहीं है?

(क) फर्रुखाबाद
(ख) दिल्ली
(ग) अजराड़ा
(घ) मैहर

उत्तर: (घ) मैहर

व्याख्या: दिल्ली, अजराड़ा और फर्रुखाबाद तबले के प्रमुख घराने हैं। मैहर अलाउद्दीन खाँ से संबंधित व्यापक तंत्री-संगीत परंपरा है।

128. विचार करें: 1 घराना शिक्षण-वंश या शैलीगत परंपरा बताता है। 2 किसी नगर का हर संगीतकार उसी नाम के घराने का होता है। कौन सही है?

(क) केवल 1
(ख) 1 और 2 दोनों
(ग) केवल 2
(घ) न 1 न 2

उत्तर: (क) केवल 1

व्याख्या: घराने की पहचान गुरु-शिष्य परंपरा और शैली से होती है। केवल जन्म या निवास का नगर घराना तय नहीं करता।

129. कर्नाटक संगीत में वायलिन के आरंभिक प्रवर्तक माने जाने वाले मुथुस्वामी दीक्षितर के भाई कौन थे?

(क) बालुस्वामी दीक्षितर
(ख) श्यामा शास्त्री
(ग) स्वाति तिरुनाल
(घ) त्यागराज

उत्तर: (क) बालुस्वामी दीक्षितर

व्याख्या: बालुस्वामी दीक्षितर को कर्नाटक संगीत में वायलिन के आरंभिक प्रवर्तकों में माना जाता है। वे मुथुस्वामी दीक्षितर के भाई थे।

130. सही सुमेलित वाद्य-विकास चुनें।

(क) ज़ाकिर हुसैन — सैक्सोफोन
(ख) विश्व मोहन भट्ट — मोहन वीणा
(ग) राम नारायण — स्वतंत्र रीड हारमोनियम
(घ) बिस्मिल्लाह खाँ — इलेक्ट्रिक मैंडोलिन

उत्तर: (ख) विश्व मोहन भट्ट — मोहन वीणा

व्याख्या: मोहन वीणा विश्व मोहन भट्ट द्वारा विकसित स्लाइड-गिटार रूप है। शेष विकल्प कलाकारों को उनके वास्तविक वाद्य-क्षेत्र से नहीं जोड़ते।

131. प्रसिद्ध एल्बम कॉल ऑफ द वैली किस त्रयी ने रिकॉर्ड किया?

(क) रवि शंकर, बिस्मिल्लाह खाँ, राम नारायण
(ख) अली अकबर खाँ, अल्ला रक्खा, एन. राजम
(ग) शिवकुमार शर्मा, हरिप्रसाद चौरसिया, बृज भूषण काबरा
(घ) विलायत खाँ, किशन महाराज, कदरी गोपालनाथ

उत्तर: (ग) शिवकुमार शर्मा, हरिप्रसाद चौरसिया, बृज भूषण काबरा

व्याख्या: कॉल ऑफ द वैली में संतूर, बाँसुरी और गिटार का संयोजन था। इसके कलाकार क्रमशः शिवकुमार शर्मा, हरिप्रसाद चौरसिया और बृज भूषण काबरा थे।

132. फिल्म संगीत का शिव-हरि नाम किस युग्म को संदर्भित करता है?

(क) एस. बालचंदर और हरिप्रसाद चौरसिया
(ख) शिवकुमार शर्मा और हरिप्रसाद चौरसिया
(ग) रवि शंकर और हरिहरन
(घ) शिवकुमार शर्मा और हरिहरन

उत्तर: (ख) शिवकुमार शर्मा और हरिप्रसाद चौरसिया

व्याख्या: शिव–हरि नाम शिवकुमार शर्मा और हरिप्रसाद चौरसिया की संगीतकार जोड़ी का था। उनके प्रमुख शास्त्रीय वाद्य संतूर और बाँसुरी थे।

133. ए मीटिंग बाय द रिवर में राय कूडर के साथ किस भारतीय संगीतकार ने सहयोग किया?

(क) टी. एन. कृष्णन
(ख) विश्व मोहन भट्ट
(ग) बिस्मिल्लाह खाँ
(घ) पालघाट मणि अय्यर

उत्तर: (ख) विश्व मोहन भट्ट

व्याख्या: ए मीटिंग बाय द रिवर विश्व मोहन भट्ट और राय कूडर का सहयोगात्मक एल्बम है। इसमें मोहन वीणा और गिटार की प्रमुख भूमिका है।

134. 1968 के ग्रैमी पुरस्कारों में वेस्ट मीट्स ईस्ट के लिए किस युग्म को पुरस्कार मिला?
(क) अली अकबर खाँ और जॉन मैकलॉफलिन
(ख) बिस्मिल्लाह खाँ और राय कूडर
(ग) शिवकुमार शर्मा और जॉर्ज हैरिसन
(घ) रवि शंकर और येहूदी मेनुहिन
उत्तर: (घ) रवि शंकर और येहूदी मेनुहिन
व्याख्या: वेस्ट मीट्स ईस्ट रवि शंकर और वायलिनवादक येहूदी मेनुहिन का सहयोग था। इसे 1968 में चैम्बर संगीत प्रदर्शन श्रेणी का ग्रैमी मिला।

135. क्रमशः 1999 और 2001 में किन वादकों को भारत रत्न मिला?
(क) बिस्मिल्लाह खाँ और रवि शंकर
(ख) शिवकुमार शर्मा और ज़ाकिर हुसैन
(ग) रवि शंकर और बिस्मिल्लाह खाँ
(घ) अमजद अली खाँ और हरिप्रसाद चौरसिया
उत्तर: (ग) रवि शंकर और बिस्मिल्लाह खाँ
व्याख्या: रवि शंकर को 1999 और बिस्मिल्लाह खाँ को 2001 में भारत रत्न मिला। सम्मान के वर्ष और कलाकार के वाद्य दोनों याद रखना उपयोगी है।

136. जन्मवर्ष के अनुसार पुराने से नए क्रम में रखें: 1 रवि शंकर, 2 बिस्मिल्लाह खाँ, 3 ज़ाकिर हुसैन, 4 शिवकुमार शर्मा।
(क) 1, 2, 4, 3
(ख) 4, 2, 1, 3
(ग) 2, 4, 1, 3
(घ) 2, 1, 4, 3
उत्तर: (घ) 2, 1, 4, 3
व्याख्या: सही कालक्रम 1916, 1920, 1938 और 1951 है। अतः बिस्मिल्लाह खाँ, रवि शंकर, शिवकुमार शर्मा और ज़ाकिर हुसैन का क्रम बनेगा।

137. पुस्तक-कलाकार मिलाएँ: 1 माय म्यूज़िक माय लाइफ, 2 मास्टर ऑन मास्टर्स; क अमजद अली खाँ, ख रवि शंकर।
(क) दोनों रवि शंकर की
(ख) 1-ख, 2-क
(ग) 1-क, 2-ख
(घ) दोनों अमजद अली खाँ की
उत्तर: (ख) 1-ख, 2-क
व्याख्या: माय म्यूज़िक माय लाइफ रवि शंकर की पुस्तक है। मास्टर ऑन मास्टर्स अमजद अली खाँ की पुस्तक है, जिसमें अन्य महान संगीतकारों पर उनके विचार हैं।

138. अली अकबर कॉलेज ऑफ म्यूज़िक की स्थापना किस सरोद कलाकार ने की?
(क) अमजद अली खाँ
(ख) बुद्धदेव दास गुप्ता
(ग) हाफिज अली खाँ
(घ) अली अकबर खाँ
उत्तर: (घ) अली अकबर खाँ
व्याख्या: अली अकबर खाँ ने अपने नाम से संगीत-शिक्षण संस्था स्थापित की। इस संस्था के माध्यम से भारतीय शास्त्रीय संगीत का प्रशिक्षण भारत के बाहर भी व्यापक हुआ।

139. बाँसुरी प्रशिक्षण की वृंदावन गुरुकुल पहल से कौन-सा संगीतकार जुड़ा है?
(क) राम नारायण
(ख) किशन महाराज
(ग) विलायत खाँ
(घ) हरिप्रसाद चौरसिया
उत्तर: (घ) हरिप्रसाद चौरसिया
व्याख्या: वृंदावन गुरुकुल हरिप्रसाद चौरसिया की संगीत-शिक्षण पहल है। इसका संबंध विशेष रूप से बाँसुरी और गुरु-शिष्य परंपरा से है।

140. नई दिल्ली के राष्ट्रीय संग्रहालय में किस संगीतकार के वाद्य-संग्रह का संबंध है?
(क) किशन महाराज
(ख) जी. हरिशंकर
(ग) टी. आर. महालिंगम
(घ) शरण रानी बाकलीवाल
उत्तर: (घ) शरण रानी बाकलीवाल
व्याख्या: शरण रानी बाकलीवाल सरोदवादक होने के साथ वाद्य-संग्राहक भी थीं। उनका संग्रह राष्ट्रीय संग्रहालय की वाद्य-दीर्घा से जुड़ा है।

141. विचार करें: 1 सारंगी गायन की संगति कर सकती है। 2 सारंगी का एकल वादन संभव नहीं है। कौन सही है?
(क) केवल 1
(ख) केवल 2
(ग) 1 और 2 दोनों
(घ) न 1 न 2
उत्तर: (क) केवल 1
व्याख्या: सारंगी संगति और एकल वादन दोनों में प्रयुक्त होती है। राम नारायण जैसे कलाकारों ने इसके एकल रूप को प्रमुख मंचीय पहचान दी।

142. किस मंचीय युग्म में तार छेड़ने वाला मुख्य स्वरवाद्य और झिल्ली वाला तालवाद्य है?
(क) सितार और तबला
(ख) सारंगी और वायलिन
(ग) बाँसुरी और शहनाई
(घ) घटम और मंजीरा
उत्तर: (क) सितार और तबला
व्याख्या: सितार छेड़ा जाने वाला तत वाद्य और तबला अवनद्ध वाद्य है। अन्य युग्म इस संयुक्त विवरण को पूरा नहीं करते।

143. शब्दार्थ मिलाएँ: 1 मींड, 2 ठेका, 3 तरब, 4 मिज़राब; क अनुनादी तार, ख तार का पिक, ग सतत स्वर खिंचाव, घ ताल का बोल-क्रम।
(क) 1-ग, 2-घ, 3-क, 4-ख
(ख) 1-ख, 2-घ, 3-ग, 4-क
(ग) 1-ग, 2-क, 3-ख, 4-घ
(घ) 1-घ, 2-ग, 3-क, 4-ख
उत्तर: (क) 1-ग, 2-घ, 3-क, 4-ख
व्याख्या: मींड स्वर-संचलन, ठेका ताल-क्रम, तरब अनुनादी तार और मिज़राब तार छेड़ने का साधन है। ये शब्द समान प्रकार की वस्तुएँ नहीं बताते।

144. अनुनादी तारों के बारे में कौन-सा कथन सही है?
(क) वे धातु के पर्दे ही हैं
(ख) वे सहानुभूति कंपन से अनुनाद समृद्ध करते हैं
(ग) वे केवल ढोलों में होते हैं
(घ) वे सभी मुख्य तारों का स्थान लेते हैं
उत्तर: (ख) वे सहानुभूति कंपन से अनुनाद समृद्ध करते हैं
व्याख्या: तरब के तार मुख्य स्वर के प्रति अनुनाद करते हैं। उन्हें हर स्वर पर अलग से छेड़ना आवश्यक नहीं है।

145. कथन A: तानपुरा सामान्यतः आधार स्वर देता है। कारण R: वह सामान्यतः रचना का तबला ठेका बजाता है।
(क) A सत्य और R असत्य है
(ख) A व R सत्य हैं पर R सही व्याख्या नहीं है
(ग) A व R सत्य हैं और R सही व्याख्या है

(घ) A असत्य और R सत्य है

उत्तर: (क) A सत्य और R असत्य है

व्याख्या: तानपुरा स्वर का आधार देता है। ठेका तबला जैसे तालवाद्य पर बजाया जाने वाला ताल की पहचान का बोल-क्रम है।

146. सितार प्रस्तुति के प्रचलित ताल-संगतिरहित आरंभिक राग-विस्तार का सही क्रम कौन-सा है?

(क) आलाप → झाला → जोड़

(ख) आलाप → जोड़ → झाला

(ग) जोड़ → आलाप → झाला

(घ) झाला → जोड़ → आलाप

उत्तर: (ख) आलाप → जोड़ → झाला

व्याख्या: प्रचलित क्रम आलाप, जोड़ और झाला है। आलाप से क्रमशः लयात्मक स्पंदन और फिर तेज तार-आधारित लयकारी की ओर विस्तार होता है।

147. सामान्य वाद्य राग-विस्तार में जोड़ और आलाप का सबसे सटीक अंतर क्या है?

(क) जोड़ में स्पंदन आता है, पर निश्चित ताल-चक्र आवश्यक नहीं

(ख) आलाप में तबला हमेशा अनिवार्य है

(ग) जोड़ एक वाद्य का नाम है

(घ) जोड़ में गायक अनिवार्य है

उत्तर: (क) जोड़ में स्पंदन आता है, पर निश्चित ताल-चक्र आवश्यक नहीं

व्याख्या: जोड़ में लयात्मक स्पंदन उभरता है। वह गत की तरह किसी निश्चित आवर्ती ताल में बँधा हो, यह आवश्यक नहीं है।

148. सितार के झाले से कौन-सी विशेषता विशेष रूप से संबंधित है?

(क) चिकारी तारों का तेज लयात्मक प्रयोग

(ख) केवल गज का प्रयोग

(ग) ढोल की झिल्ली कसना

(घ) धौंकनी का निरंतर संचालन

उत्तर: (क) चिकारी तारों का तेज लयात्मक प्रयोग

व्याख्या: झाले में मुख्य और चिकारी तारों के तेज लयात्मक प्रयोग से चरमोत्कर्ष बनता है। यह सितार की विशिष्ट वादन-प्रक्रियाओं में शामिल है।

149. सामान्य गति-संज्ञाओं का धीमे से तेज सही क्रम कौन-सा है?

(क) विलंबित → मध्य → द्रुत

(ख) विलंबित → द्रुत → मध्य

(ग) द्रुत → मध्य → विलंबित

(घ) मध्य → द्रुत → विलंबित

उत्तर: (क) विलंबित → मध्य → द्रुत

व्याख्या: विलंबित धीमी, मध्य बीच की और द्रुत तेज गति है। ये गति-संज्ञाएँ हैं, वाद्ययंत्रों के नाम नहीं।

150. तीनताल के एक आवर्तन में कितनी मात्राएँ होती हैं?

(क) १२

(ख) १०

(ग) १६

(घ) १४

उत्तर: (ग) १६

व्याख्या: तीनताल में 16 मात्राएँ होती हैं, जो 4–4 मात्राओं के चार विभागों में बँटी हैं। नाम में तीन होने का अर्थ तीन मात्राएँ नहीं है।

151. तीनताल में खाली सामान्यतः किस मात्रा पर होती है?

(क) पाँचवीं

(ख) पहली

(ग) नौवीं

(घ) तेरहवीं

उत्तर: (ग) नौवीं

व्याख्या: तीनताल में ताली 1, 5 और 13 पर तथा खाली 9 पर होती है। चारों विभाग चार-चार मात्राओं के हैं।

152. ताल-मात्रा मिलाएँ: 1 झपताल, 2 एकताल, 3 रूपक, 4 धमार; क 7, ख 14, ग 10, घ 12।

(क) 1-ग, 2-घ, 3-क, 4-ख

(ख) 1-ग, 2-क, 3-ख, 4-घ

(ग) 1-घ, 2-ग, 3-क, 4-ख

(घ) 1-ख, 2-घ, 3-ग, 4-क

उत्तर: (क) 1-ग, 2-घ, 3-क, 4-ख

व्याख्या: झपताल में 10, एकताल में 12, रूपक में 7 और धमार में 14 मात्राएँ होती हैं। तालवाद्य संबंधी परीक्षा प्रश्नों में यह मूल मिलान महत्वपूर्ण है।

153. झपताल का सही विभाग-विन्यास कौन-सा है?

(क) 5 + 2 + 3 + 4

(ख) 2 + 3 + 2 + 3

(ग) 3 + 2 + 2

(घ) 4 + 4 + 4 + 4

उत्तर: (ख) 2 • 3 • 2 • 3

व्याख्या: झपताल की दस मात्राएँ 2, 3, 2 और 3 के चार विभागों में बँटती हैं। केवल कुल मात्रा समान होना ताल-विन्यास समान होने के लिए पर्याप्त नहीं है।

154. कौन-सा हिंदुस्तानी ताल सामान्यतः 3 • 2 • 2 रूप में होता है और खाली से शुरू होता है?

(क) रूपक

(ख) तीनताल

(ग) कहरवा

(घ) एकताल

उत्तर: (क) रूपक

व्याख्या: रूपक की सात मात्राएँ 3 + 2 + 2 में बँटती हैं। इसकी पहली मात्रा को खाली के संकेत से दिखाया जाता है।

155. तबलावादक झपताल के तीन पूरे आवर्तन बजाता है। कुल कितनी मात्राएँ बीतीं?

(क) ३२

(ख) २४

(ग) ३०

(घ) ४२

उत्तर: (ग) ३०

व्याख्या: झपताल के एक आवर्तन में 10 मात्राएँ होती हैं। तीन आवर्तनों में 3 × 10 = 30 मात्राएँ होंगी।

156. प्रति मात्रा दो समान दूरी के आघात हों, तो तीनताल के एक आवर्तन में कितने आघात होंगे?

(क) ६४

(ख) ३२

(ग) १६

(घ) २४

उत्तर: (ख) ३२

व्याख्या: तीनताल में 16 मात्राएँ हैं। प्रत्येक मात्रा में दो आघात होने पर 16 × 2 = 32 आघात होंगे।

157. एक खंड 4 मात्राओं का है और तीन बार दोहरता है। आवृत्तियों के बीच 2-2 मात्रा का विराम है। कुल अवधि कितनी है?

(क) 18 मात्राएँ

(ख) 16 मात्राएँ

(ग) 20 मात्राएँ

(घ) 12 मात्राएँ

Cosmo Classes

उत्तर: (ख) 16 मात्राएँ
व्याख्या: तीन खंडों की अवधि $3 \times 4 = 12$ है। बीच में दो विराम हैं, अतः $12 + 2 + 2 = 16$ मात्राएँ होंगी।

158. मात्रा की अवधि स्थिर रखते हुए प्रति मात्रा एक से चार आघात करने पर क्या बदलता है?
(क) आघातों का घनत्व चार गुना हो जाता है
(ख) ताल की मात्राएँ चार गुनी हो जाती हैं
(ग) तीनताल झपताल बन जाता है
(घ) वाद्य सुषिर बन जाता है
उत्तर: (क) आघातों का घनत्व चार गुना हो जाता है
व्याख्या: उपविभाजन बढ़ने से प्रति मात्रा आघातों की संख्या बढ़ती है। ताल की कुल मात्राएँ और मूल मात्रा-अवधि अपने-आप नहीं बदलतीं।

159. ताल-चक्र में सम क्या है?
(क) आवर्तन की पहली और प्रमुख मिलन मात्रा
(ख) अंतिम स्वर-मिलान खूंटी
(ग) अनुनादी तार
(घ) सबसे धीमी संभव गति
उत्तर: (क) आवर्तन की पहली और प्रमुख मिलन मात्रा
व्याख्या: सम ताल-चक्र की पहली मात्रा और महत्वपूर्ण मिलन-बिंदु है। रचना, तान या तिहाई का सम पर लौटना महत्वपूर्ण लयात्मक घटना हो सकती है।

160. क्या खाली का अर्थ सभी कलाकारों का पूर्ण मौन होना अनिवार्य है?
(क) हाँ, राग समाप्त होना चाहिए
(ख) नहीं, यह ताल की संरचना का भिन्न संकेत है
(ग) हाँ, हर वाद्य रुकना चाहिए
(घ) नहीं, क्योंकि इसका अर्थ सबसे ऊँचा स्वर है
उत्तर: (ख) नहीं, यह ताल की संरचना का भिन्न संकेत है
व्याख्या: खाली ताल का संकेत है, अनिवार्य मौन नहीं। उस स्थान पर ठेके के बोल और ध्वनि का स्वरूप बदल सकता है।

161. कर्नाटक संगीत के प्रचलित आदि ताल का मूल अक्षर-विन्यास क्या है?
(क) 3 + 2 + 2
(ख) 2 + 3 + 2 + 3
(ग) 4 + 2 + 2
(घ) 4 + 4 + 4 + 4
उत्तर: (ग) 4 ✦ 2 ✦ 2
व्याख्या: आदि ताल चतुस्र-जाति त्रिपुट ताल है। इसमें चार अक्षरों का लघु तथा दो-दो अक्षरों के दो द्रुतम् होते हैं।

162. कौन-सा कथन तनी आवर्तनम और हिंदुस्तानी आलाप का अंतर बताता है?
(क) तनी आवर्तनम केवल आधार स्वर है
(ख) तनी आवर्तनम में तालवाद्य प्रमुख, आलाप में राग-विस्तार प्रमुख
(ग) आलाप अनिवार्यतः ढोल का एकल है
(घ) दोनों गजवाद्यों के नाम हैं
उत्तर: (ख) तनी आवर्तनम में तालवाद्य प्रमुख, आलाप में राग-विस्तार प्रमुख
व्याख्या: तनी आवर्तनम कर्नाटक तालवाद्यों का स्वतंत्र लय-विस्तार है। आलाप राग के स्वरूप का विस्तार करता है।

163. कर्नाटक लय-बोलों के मुख से उच्चारण की कला क्या कहलाती है?
(क) पेपा
(ख) जवारी
(ग) कोन्नाकोल
(घ) सुरबहार
उत्तर: (ग) कोन्नाकोल
व्याख्या: कोन्नाकोल कर्नाटक ताल परंपरा के बोलों की मौखिक प्रस्तुति है। यह कोई अलग भौतिक वाद्ययंत्र नहीं है।

164. इनमें कितने भौतिक वाद्ययंत्र हैं: 1 मृदंगम, 2 कोन्नाकोल, 3 घटम, 4 मोरसिंग?
(क) दो
(ख) चार
(ग) तीन
(घ) एक
उत्तर: (ग) तीन
व्याख्या: मृदंगम, घटम और मोरसिंग वाद्य हैं। कोन्नाकोल ताल-बोलों के मौखिक उच्चारण की कला है।

165. महोत्सव में ध्रुपद-आधारित वाद्य प्रस्तुति चाहिए। इनमें सबसे पारंपरिक उपयुक्त जोड़ी कौन-सी है?
(क) अलगोजा और चिमटा
(ख) मैंडोलिन और तविल
(ग) रुद्र वीणा और पखावज
(घ) सैक्सोफोन और कंजीरा
उत्तर: (ग) रुद्र वीणा और पखावज
व्याख्या: रुद्र वीणा और पखावज दोनों ध्रुपद की प्रमुख वाद्य परंपराओं से जुड़े हैं। बाकी विकल्प अलग सांगीतिक संदर्भों की जोड़ियाँ हैं।

166. वीणा नाम वाले वाद्यों के संबंध में कौन-सा कथन सबसे सटीक है?
(क) इस नाम के अंतर्गत अलग संरचना और तकनीक वाले वाद्य मिलते हैं
(ख) हर वीणा सुषिर वाद्य है
(ग) हर वीणा के पर्दे एक जैसे होते हैं
(घ) मोहन वीणा और रुद्र वीणा की संरचना समान है
उत्तर: (क) इस नाम के अंतर्गत अलग संरचना और तकनीक वाले वाद्य मिलते हैं
व्याख्या: रुद्र वीणा, सरस्वती वीणा, विचित्र वीणा, चित्रवीणा और मोहन वीणा की संरचना तथा वादन पद्धति एक जैसी नहीं हैं। केवल साझा नाम से पहचान तय नहीं करनी चाहिए।

167. पहचान मिलाएँ: 1 चित्रवीणा, 2 सरस्वती वीणा, 3 रुद्र वीणा, 4 मोहन वीणा; क कर्नाटक की पर्देदार वीणा, ख भट्ट का स्लाइड गिटार, ग गोट्टुवाद्यम, घ ध्रुपद की बीन।
(क) 1-ग, 2-घ, 3-ख, 4-क
(ख) 1-क, 2-ग, 3-घ, 4-ख
(ग) 1-ग, 2-क, 3-घ, 4-ख
(घ) 1-ख, 2-क, 3-ग, 4-घ
उत्तर: (ग) 1-ग, 2-क, 3-घ, 4-ख
व्याख्या: चित्रवीणा गोट्टुवाद्यम, सरस्वती वीणा पर्देदार कर्नाटक वाद्य और रुद्र वीणा ध्रुपद की बीन है। मोहन वीणा यहाँ विश्व मोहन भट्ट के स्लाइड-गिटार रूप को बताती है।

168. दोनों सुषिर होने पर भी कौन-सा तथ्य बाँसुरी को शहनाई से अलग करता है?
(क) बाँसुरी में धातु की मिज़राब चाहिए
(ख) बाँसुरी में चर्म-झिल्ली होती है
(ग) बाँसुरी रीडरहित है, शहनाई रीड का प्रयोग करती है
(घ) शहनाई गज से बजती है
उत्तर: (ग) बाँसुरी रीडरहित है, शहनाई रीड का प्रयोग करती है
व्याख्या: बाँसुरी में हवा की धार नली के किनारे पर कार्य करती है। शहनाई में रीड ध्वनि-उत्पत्ति की प्रक्रिया का महत्वपूर्ण भाग है।

169. रीड के प्रकार के अनुसार कौन-सा युग्म सही सुमेलित है?
(क) क्लैरिनेट — एकल रीड; नादस्वरम — डबल रीड

(ख) सैक्सोफोन — गजतंत्री; क्लैरिनेट — झिल्ली
(ग) हारमोनियम — छेड़ा तार; नादस्वरम — कटोरी
(घ) बाँसुरी — डबल रीड; शहनाई — रीडरहित

उत्तर: (क) क्लैरिनेट — एकल रीड; नादस्वरम — डबल रीड

व्याख्या: क्लैरिनेट एकल रीड और नादस्वरम डबल रीड वाद्य है। सैक्सोफोन भी एकल रीड वाद्य है, जबकि हारमोनियम स्वतंत्र रीडों का उपयोग करता है।

170. कथन A: घटम आघात से बजने वाला तालवाद्य है। कारण R: घटम में तनी हुई चर्म-झिल्ली अनिवार्य होती है।
(क) A असत्य और R सत्य है
(ख) A व R सत्य हैं पर R सही व्याख्या नहीं है
(ग) A सत्य और R असत्य है
(घ) A व R सत्य हैं और R सही व्याख्या है

उत्तर: (ग) A सत्य और R असत्य है

व्याख्या: घटम पर आघात करके बजाया जाता है, लेकिन इसका शरीर ठोस मिट्टी का होता है। आघातवाद्य और झिल्लीवाद्य शब्द पूर्णतः समानार्थी नहीं हैं।

171. विशेष रूप से मणिपुरी पेना परंपरा दिखाने वाली प्रस्तुति में कौन-सा विवरण उपयुक्त है?
(क) आघात से बजता बहुतार वाद्य
(ख) बाँसुरियों की जोड़ी
(ग) गज से बजता एकतंत्री वाद्य
(घ) महाराष्ट्र की धातु की तुरही

उत्तर: (ग) गज से बजता एकतंत्री वाद्य

व्याख्या: पेना एकतंत्री गजवाद्य है। यह अलगोजे, संतूर और तुतारी से वादन विधि तथा क्षेत्र दोनों में अलग है।

172. क्षेत्रीय मिलान करें: 1 तारपा, 2 गोगोना, 3 पुंग, 4 रावणहत्था; क मणिपुर, ख राजस्थान, ग वारली परंपरा, घ असम।
(क) 1-ग, 2-घ, 3-क, 4-ख
(ख) 1-ख, 2-घ, 3-ग, 4-क
(ग) 1-घ, 2-ग, 3-क, 4-ख
(घ) 1-ग, 2-क, 3-ख, 4-घ

उत्तर: (क) 1-ग, 2-घ, 3-क, 4-ख

व्याख्या: तारपा वारली, गोगोना असम, पुंग मणिपुर और रावणहत्था राजस्थान की परंपराओं से संबंधित हैं। मिलान में लोक-समुदाय और राज्य दोनों प्रकार की पहचान दी गई है।

173. तबला एकल की संगति में लहरा या नगमा सामान्यतः क्या देता है?
(क) केवल निरंतर अपरिवर्तित आधार स्वर
(ख) ताल-चक्र के अनुरूप दोहराई जाने वाली स्वर-धुन
(ग) बाएँ का दूसरा नाम
(घ) ढोल का खोल बनाने की विधि

उत्तर: (ख) ताल-चक्र के अनुरूप दोहराई जाने वाली स्वर-धुन

व्याख्या: लहरा या नगमा ताल-चक्र के अनुरूप दोहराई जाने वाली धुन है। सारंगी या हारमोनियम जैसे वाद्य इसे बजाकर तबला एकल को लयात्मक संदर्भ दे सकते हैं।

174. इनमें गलत कलाकार-वाद्य युग्म कौन-सा है?
(क) ए. के. सी. नटराजन — क्लैरिनेट
(ख) बृज भूषण काबरा — स्लाइड गिटार
(ग) कदरी गोपालनाथ — सैक्सोफोन
(घ) यू. श्रीनिवास — सैक्सोफोन

उत्तर: (घ) यू. श्रीनिवास — सैक्सोफोन

व्याख्या: यू. श्रीनिवास का प्रमुख वाद्य मैंडोलिन था। सैक्सोफोन कदरी गोपालनाथ से संबंधित है; बाकी दिए गए युग्म सही हैं।

175. कितने युग्म सही हैं: 1 जी. हरिशंकर—कंजीरा, 2 विक्कू विनायकरम—घटम, 3 पालघाट मणि अय्यर—मृदंगम, 4 उमयालपुरम शिवरामन—सरोद?
(क) तीन
(ख) दो
(ग) चार
(घ) एक

उत्तर: (क) तीन

व्याख्या: पहले तीन युग्म सही हैं। उमयालपुरम शिवरामन सरोद के बजाय मृदंगम के कलाकार हैं।

176. गुरु-शिष्य मिलाएँ: 1 ईमनि शंकर शास्त्री, 2 एन. राजम, 3 अल्ला रक्खा, 4 रवि शंकर; क ज़ाकिर हुसैन, ख अनुष्का शंकर, ग चिट्टी बाबू, घ संगीता शंकर।
(क) 1-घ, 2-ग, 3-क, 4-ख
(ख) 1-ग, 2-क, 3-ख, 4-घ
(ग) 1-ग, 2-घ, 3-क, 4-ख
(घ) 1-ख, 2-घ, 3-ग, 4-क

उत्तर: (ग) 1-ग, 2-घ, 3-क, 4-ख

व्याख्या: चिट्टी बाबू ईमनि के, संगीता शंकर एन. राजम की, ज़ाकिर हुसैन अल्ला रक्खा के और अनुष्का शंकर रवि शंकर की शिष्या या शिष्य हैं।

177. विचार करें: 1 हरिप्रसाद चौरसिया ने अन्नपूर्णा देवी से शिक्षा ली। 2 गुरु और शिष्य का प्रमुख वाद्य हमेशा समान होना चाहिए। कौन सही है?
(क) केवल 1
(ख) न 1 न 2
(ग) केवल 2
(घ) 1 और 2 दोनों

उत्तर: (क) केवल 1

व्याख्या: चौरसिया बाँसुरीवादक और अन्नपूर्णा देवी सुरबहार की कलाकार थीं। राग-विचार और संगीत-शिक्षा अलग वाद्यों के कलाकारों के बीच भी संप्रेषित हो सकती है।

178. हिंदुस्तानी कलाकार इमरत खाँ सितार के साथ विशेष रूप से किस वाद्य के लिए जाने जाते थे?
(क) पखावज
(ख) नादस्वरम
(ग) घटम
(घ) सुरबहार

उत्तर: (घ) सुरबहार

व्याख्या: इमरत खाँ सितार और सुरबहार दोनों के कलाकार थे। उनका संबंध इटावा इमदादखानी परंपरा से था।

179. कौन-से कलाकार विचित्र वीणा से संबंधित थे?
(क) गोपाल कृष्ण
(ख) बिस्मिल्लाह खाँ
(ग) टी. आर. महालिंगम
(घ) पालघाट मणि अय्यर

उत्तर: (क) गोपाल कृष्ण

व्याख्या: गोपाल कृष्ण विचित्र वीणा के प्रमुख कलाकार थे। इस वाद्य को सरस्वती वीणा और रुद्र वीणा से अलग पहचानना चाहिए।

180. आर. के. बीजापुरे किस वाद्य से संबंधित थे?
(क) सरोद
(ख) बाँसुरी
(ग) हारमोनियम
(घ) तबला

उत्तर: (ग) हारमोनियम

व्याख्या: आर. के. बीजापुरे हारमोनियम के प्रमुख कलाकार और शिक्षक थे। हारमोनियम का एकल वादन भी संभव है।

181. सुल्तान खाँ किस वाद्य से प्रमुख रूप से संबंधित थे?
(क) सितार
(ख) शहनाई
(ग) संतूर
(घ) सारंगी
उत्तर: (घ) सारंगी
व्याख्या: सुल्तान खाँ सारंगी के प्रमुख कलाकार थे और गायन में भी सक्रिय रहे। समान उपनाम वाले कलाकारों को उनके प्रमुख वाद्य से पहचानना उपयोगी है।

182. साबरी खाँ के नाम से प्रसिद्ध कलाकार का प्रमुख वाद्य कौन-सा था?
(क) सरोद
(ख) संतूर
(ग) सुरबहार
(घ) सारंगी
उत्तर: (घ) सारंगी
व्याख्या: साबरी खाँ सारंगी के प्रमुख कलाकार थे। सरोद और सारंगी अलग तंत्री वाद्य हैं, जिनकी वादन विधि भी भिन्न है।

183. सिक्किल सिस्टर्स कुंजुमणि और नीला किस वाद्य से संबंधित थीं?
(क) वायलिन
(ख) बाँसुरी
(ग) वीणा
(घ) नादस्वरम
उत्तर: (ख) बाँसुरी
व्याख्या: सिक्किल सिस्टर्स कर्नाटक बाँसुरी की प्रसिद्ध कलाकार थीं। युगल नाम देखकर उन्हें वायलिन की बहनों से नहीं मिलाना चाहिए।

184. चित्रवीणा के प्रमुख कलाकार कौन हैं?
(क) एन. रविकिरण
(ख) एन. रमणी
(ग) एन. राजम
(घ) निखिल बनर्जी
उत्तर: (क) एन. रविकिरण
व्याख्या: एन. रविकिरण चित्रवीणा से संबंधित हैं। एन. रमणी बाँसुरी, एन. राजम वायलिन और निखिल बनर्जी सितार से जुड़े हैं।

185. टी. एच. सुभाष चंद्रन किस वाद्य से प्रमुख रूप से संबंधित थे?
(क) सारंगी
(ख) नादस्वरम
(ग) सितार
(घ) घटम
उत्तर: (घ) घटम
व्याख्या: टी. एच. सुभाष चंद्रन घटम तथा कोन्नाकोल की प्रस्तुतियों के लिए प्रसिद्ध थे। यहाँ वाद्य पूछा गया है, इसलिए घटम उपयुक्त उत्तर है।

186. क्यूरेटर मोरसिंग को केवल मुख के पास रखने के कारण शहनाई के साथ रखता है। मुख्य सुधार क्या है?
(क) केवल बैठने की मुद्रा देखें
(ख) केवल कलाकार का उपनाम देखें
(ग) प्रमुख कंपनशील तत्व के अनुसार वर्गीकरण करें
(घ) केवल वाद्य का रंग देखें
उत्तर: (ग) प्रमुख कंपनशील तत्व के अनुसार वर्गीकरण करें
व्याख्या: मोरसिंग की धातु-जीभ कंपन करती है और मुख अनुनाद देता है। शहनाई में रीड तथा वायु स्तंभ की प्रक्रिया प्रमुख है; केवल मुख के पास होना पर्याप्त आधार नहीं है।

187. विचार करें: 1 कंजीरा में झिल्ली होती है। 2 घटम में झिल्ली होती है। 3 मोरसिंग में कंपनशील धातु-जीभ होती है। कौन सही हैं?
(क) केवल 1 और 3
(ख) 1, 2 और 3
(ग) केवल 1 और 2
(घ) केवल 2 और 3
उत्तर: (क) केवल 1 और 3
व्याख्या: कंजीरा झिल्ली वाला फ्रेम ड्रम है, जबकि घटम ठोस मिट्टी का वाद्य है। मोरसिंग में धातु की जीभ को छेड़ा जाता है।

188. किस युग्म में पहले असम और फिर मणिपुर का वाद्य है?
(क) पुंग — पेपा
(ख) तारपा — तुतारी
(ग) तुंबी — कमायचा
(घ) गोगोना — पुंग
उत्तर: (घ) गोगोना — पुंग
व्याख्या: गोगोना असम की बिहू परंपरा और पुंग मणिपुर की संकीर्तन-नृत्य परंपरा से जुड़ा है। क्रम बदलने पर मिलान गलत हो जाएगा।

189. किस त्रयी में क्रमशः तंत्री, सुषिर और झिल्ली वाला वाद्य है?
(क) संतूर, घटम, मंजीरा
(ख) बाँसुरी, संतूर, मृदंगम
(ग) संतूर, बाँसुरी, मृदंगम
(घ) तबला, वायलिन, शहनाई
उत्तर: (ग) संतूर, बाँसुरी, मृदंगम
व्याख्या: संतूर में तार, बाँसुरी में वायु और मृदंगम में झिल्ली कंपन करती है। प्रश्न में वर्गों का क्रम भी निर्णायक है।

190. कितने वादन-साधन युग्म सही हैं: 1 मिज़राब—सितार, 2 गज—सारंगी, 3 कलमें—संतूर, 4 धौंकनी—सरोद?
(क) एक
(ख) चार
(ग) दो
(घ) तीन
उत्तर: (घ) तीन
व्याख्या: पहले तीन युग्म सही हैं। सरोद धौंकनी से नहीं बजता; धौंकनी हारमोनियम जैसे वाद्य में हवा उपलब्ध कराती है।

191. कथन A: रवि शंकर और बिस्मिल्लाह खाँ दोनों वादक थे। कारण R: दोनों का प्रमुख वाद्य सितार था।
(क) A सत्य और R असत्य है
(ख) A व R सत्य हैं पर R सही व्याख्या नहीं है
(ग) A असत्य और R सत्य है
(घ) A व R सत्य हैं और R सही व्याख्या है
उत्तर: (क) A सत्य और R असत्य है
व्याख्या: रवि शंकर सितार और बिस्मिल्लाह खाँ शहनाई के कलाकार थे। दोनों वादक थे, पर उनके वाद्य एक नहीं थे।

192. सरोद के बारे में कौन-सा कथन असत्य है?
(क) इसका सामान्य फिंगरबोर्ड पर्दारहित होता है
(ख) अली अकबर खाँ इसके प्रमुख कलाकार थे
(ग) इसे सामान्यतः डबल रीड में फूँककर बजाते हैं
(घ) यह तंत्री वाद्य है
उत्तर: (ग) इसे सामान्यतः डबल रीड में फूँककर बजाते हैं
व्याख्या: सरोद के तार जवा से छेड़े जाते हैं। डबल रीड और फूँकने की विधि शहनाई या नादस्वरम जैसे वाद्यों से संबंधित है।

193. पहले महिला सरोद कलाकार और फिर महिला हिंदुस्तानी वायलिन कलाकार पूछे गए हैं। सही उत्तर कौन-सा है?
(क) संगीता शंकर और अन्नपूर्णा देवी
(ख) शरण रानी और एन. राजम
(ग) अन्नपूर्णा देवी और सिक्किल नीला
(घ) एन. राजम और शरण रानी
उत्तर: (ख) शरण रानी और एन. राजम
व्याख्या: शरण रानी सरोद और एन. राजम हिंदुस्तानी वायलिन की कलाकार हैं। अन्नपूर्णा देवी सुरबहार तथा सिक्किल नीला बाँसुरी से जुड़ी थीं।

194. प्रदर्शनी में पानी भरी कटोरियाँ छड़ियों से बजाई जाती हैं। उचित नाम और वर्ग क्या हैं?
(क) जलतरंग — घन
(ख) हारमोनियम — तत
(ग) संतूर — अवनद्ध
(घ) पखावज — सुषिर
उत्तर: (क) जलतरंग — घन
व्याख्या: जलतरंग में ठोस कटोरियों की कंपन-व्यवस्था ध्वनि देती है। इसमें तार या तनी चर्म-झिल्ली नहीं होती, इसलिए इसे घन वर्ग से जोड़ा जाता है।

195. विधि या स्थिति मिलाएँ: 1 तानपुरा, 2 चेंडा, 3 घटम, 4 चित्रवीणा; क मिट्टी के शरीर पर हाथ से आघात, ख तारों पर स्लाइड, ग छेड़ा जाने वाला आधार-स्वर वाद्य, घ खड़ा बजता ढोल।
(क) 1-ग, 2-क, 3-ख, 4-घ
(ख) 1-घ, 2-ग, 3-क, 4-ख
(ग) 1-ख, 2-घ, 3-ग, 4-क
(घ) 1-ग, 2-घ, 3-क, 4-ख
उत्तर: (घ) 1-ग, 2-घ, 3-क, 4-ख
व्याख्या: तानपुरा आधार स्वर देता है, चेंडा सामान्यतः ऊर्ध्वाधर बजता है, घटम पर हाथ से आघात होता है और चित्रवीणा स्लाइड से बजती है।

196. किस युग्म में सुषिर या तंत्री एकल कलाकारों के बजाय तालवादक हैं?
(क) हरिप्रसाद चौरसिया और टी. आर. महालिंगम
(ख) किशन महाराज और पालघाट मणि अय्यर
(ग) अमजद अली खाँ और निखिल बनर्जी
(घ) एन. राजम और लालगुडी जयरामन
उत्तर: (ख) किशन महाराज और पालघाट मणि अय्यर
व्याख्या: किशन महाराज तबला और पालघाट मणि अय्यर मृदंगम के कलाकार थे। अन्य युग्मों में बाँसुरी, सरोद, सितार या वायलिन के कलाकार हैं।

197. तबले की पुड़ी पर काले स्वर-साधक लेप वाले भाग को सामान्यतः क्या कहते हैं?
(क) तरब
(ख) कोम्बु
(ग) मिज़राब
(घ) स्याही
उत्तर: (घ) स्याही
व्याख्या: स्याही तबले की पुड़ी पर लगाया जाने वाला विशेष लेप है। यह झिल्ली के कंपन और स्वर-गुण को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

198. सितार और तानपुरे जैसे वाद्यों में जवारी मुख्यतः किससे संबंधित है?
(क) तबले की मात्रा गिनती से
(ख) शहनाई की रीड से
(ग) घटम की मिट्टी की मोटाई से
(घ) तार और घोड़े के संपर्क तथा उससे बनने वाली ध्वनि से
उत्तर: (घ) तार और घोड़े के संपर्क तथा उससे बनने वाली ध्वनि से
व्याख्या: जवारी तार और घोड़े की सतह के संपर्क से बनने वाले अनुनाद और स्वर-गुण से संबंधित है। इसका समायोजन वाद्य की ध्वनि को प्रभावित करता है।

199. तीनों संकेत सही पहचानें: हिंदुस्तानी गजतंत्री वाद्य, कर्नाटक का मिट्टी का घटाकार तालवाद्य और दोहरी बाँसुरी।
(क) संतूर, मोरसिंग, नादस्वरम
(ख) सारंगी, घटम, अलगोजा
(ग) सितार, मृदंगम, शहनाई
(घ) सरोद, कंजीरा, पेपा
उत्तर: (ख) सारंगी, घटम, अलगोजा
व्याख्या: सारंगी गज से बजती है, घटम मिट्टी का ठोस वाद्य है और अलगोजा दोहरी बाँसुरी है। तीनों संकेत एक साथ केवल सही विकल्प में पूरे होते हैं।

200. किस समूह के सभी कलाकार-वाद्य-वर्ग त्रिक सही हैं?
(क) राम नारायण–संतूर–घन; बिस्मिल्लाह खाँ–नादस्वरम–अवनद्ध; ज़ाकिर हुसैन–पखावज–सुषिर
(ख) राम नारायण–सारंगी–तत; बिस्मिल्लाह खाँ–शहनाई–सुषिर; ज़ाकिर हुसैन–तबला–अवनद्ध
(ग) राम नारायण–सारंगी–अवनद्ध; बिस्मिल्लाह खाँ–शहनाई–तत; ज़ाकिर हुसैन–सितार–तत
(घ) राम नारायण–सरोद–सुषिर; बिस्मिल्लाह खाँ–बाँसुरी–तत; ज़ाकिर हुसैन–तबला–घन
उत्तर: (ख) राम नारायण–सारंगी–तत; बिस्मिल्लाह खाँ–शहनाई–सुषिर; ज़ाकिर हुसैन–तबला–अवनद्ध
व्याख्या: राम नारायण की सारंगी तारों से, बिस्मिल्लाह खाँ की शहनाई वायु से और ज़ाकिर हुसैन का तबला झिल्ली से ध्वनि देता है। कलाकार, वाद्य और वर्ग तीनों स्तरों का सही मिलान आवश्यक है।
संदर्भ: 1 ↗ 2 ↗ 3 ↗ 4 ↗ 5 ↗ 6 ↗ 7 ↗ 8 ↗ 9 ↗ 10 ↗ 11 ↗ 12 ↗ 13 ↗ 14 ↗ 15 ↗ 16 ↗ 17 ↗ 18 ↗ 19 ↗ 20 ↗

अध्याय 03 भारत के प्रमुख त्योहार उत्सव एवं मेले

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए राष्ट्रीय और क्षेत्रीय पर्व, जनजातीय उत्सव, प्रमुख मेले, अनुष्ठान, सांस्कृतिक आयोजन और विरासत संबंधी तथ्यों का अभ्यास।

1. पश्चिमी मध्य प्रदेश के भगोरिया मेले विशेष रूप से किन समुदायों से जुड़े हैं?
(क) खासी और गारो
(ख) लेपचा और भूटिया
(ग) टोडा और कोटा
(घ) भील और भिलाला
उत्तर: (घ) भील और भिलाला
व्याख्या: भगोरिया पश्चिमी मध्य प्रदेश के भील और भिलाला क्षेत्रों की हाट-उत्सव परंपरा है। इसके आयोजन होली से पहले होते हैं।

2. बस्तर दशहरा के लिए कौन-सा त्रिक पूरी तरह सही है?
(क) ओडिशा–समलेश्वरी–धनु नाट्य
(ख) कर्नाटक–चामुंडेश्वरी–जम्बू सवारी
(ग) हिमाचल प्रदेश–रघुनाथ–ढालपुर
(घ) छत्तीसगढ़–दंतेश्वरी–क्षेत्रीय देव परंपराएँ
उत्तर: (घ) छत्तीसगढ़–दंतेश्वरी–क्षेत्रीय देव परंपराएँ
व्याख्या: बस्तर दशहरा छत्तीसगढ़ की दंतेश्वरी-केंद्रित स्थानीय परंपरा है। चामुंडेश्वरी–जम्बू सवारी मैसूर और रघुनाथ–ढालपुर कुल्लू से जुड़े हैं।

3. रामायण परंपरा में दशहरा राम की किस पर विजय से जुड़ा है?
(क) रावण
(ख) कंस
(ग) हिरण्यकशिपु
(घ) महिषासुर
उत्तर: (क) रावण
व्याख्या: रामायण परंपरा में दशहरा राम की रावण पर विजय से जुड़ा है। अन्य क्षेत्रीय परंपराओं में विजयदशमी देवी की विजय से भी संबंधित है।

4. गणगौर विशेष रूप से किस देवी की पूजा से संबंधित है?
(क) सरस्वती
(ख) गौरी
(ग) शीतला
(घ) गंगा
उत्तर: (ख) गौरी
व्याख्या: गणगौर में गौरी अर्थात पार्वती की उपासना होती है। राजस्थान में इसके भव्य सार्वजनिक आयोजन प्रसिद्ध हैं।

5. कथन देखें: 1 होला मोहल्ला विशेष रूप से आनंदपुर साहिब से जुड़ा है। 2 इसकी पारंपरिक उत्सव विधि में युद्धक प्रदर्शन का कोई स्थान नहीं है। कौन-से कथन सही हैं?
(क) न 1 न 2
(ख) केवल 1
(ग) केवल 2
(घ) 1 और 2 दोनों
उत्तर: (ख) केवल 1
व्याख्या: आनंदपुर साहिब होला मोहल्ला का प्रमुख केंद्र है। निहंगों के युद्धक कौशल प्रदर्शन इसकी विशिष्ट पहचान हैं, इसलिए दूसरा कथन गलत है।

6. कितने पर्व-ऐतिहासिक संबंध सही हैं? 1 बैसाखी–1699 में खालसा की स्थापना; 2 होला मोहल्ला–गुरु गोबिंद सिंह; 3 गुरु नानक गुरुपर्व–दसवें गुरु का जन्म; 4 बंदी छोड़ दिवस–गुरु हरगोबिंद।
(क) एक
(ख) तीन
(ग) चार
(घ) दो
उत्तर: (ख) तीन
व्याख्या: पहला, दूसरा और चौथा संबंध सही हैं। गुरु नानक प्रथम सिख गुरु हैं; दसवें गुरु गोबिंद सिंह हैं।

7. हिमाचल प्रदेश का कौन-सा नगर अंतरराष्ट्रीय शिवरात्रि मेले के लिए विशेष प्रसिद्ध है?
(क) ऊना
(ख) नाहन
(ग) सोलन
(घ) मंडी
उत्तर: (घ) मंडी
व्याख्या: मंडी का शिवरात्रि मेला अनेक स्थानीय देवी-देवताओं के समागम और शोभायात्राओं के लिए प्रसिद्ध है।

8. कौन-से कथन दशहरा परंपराओं का सही अंतर बताते हैं? 1 कुल्लू का प्रमुख दशहरा उत्सव विजयदशमी से शुरू होता है। 2 मैसूर की जम्बू सवारी विजयदशमी से जुड़ी है। 3 हर क्षेत्र में दशहरा उत्सव विजयदशमी से पहले समाप्त हो जाता है।
(क) केवल 2 और 3
(ख) केवल 1 और 3
(ग) 1, 2 और 3
(घ) केवल 1 और 2
उत्तर: (घ) केवल 1 और 2
व्याख्या: कुल्लू में विजयदशमी से उत्सव शुरू होना विशिष्ट है। मैसूर की जम्बू सवारी उसी पर्व-दिन की प्रमुख शोभायात्रा है; सभी क्षेत्रों का क्रम समान नहीं है।

9. तोखू एमोंग किस नागा समुदाय से संबंधित है?
(क) सुमी
(ख) अंगामी
(ग) लोथा
(घ) कोन्याक
उत्तर: (ग) लोथा
व्याख्या: तोखू एमोंग लोथा समुदाय का फसलोत्तर उत्सव है। यह सामुदायिक भोज और मेल-मिलाप से जुड़ा है।

10. कथन A: सूरजकुंड मुख्यतः शिल्प मेला है। कारण R: यह हरियाणा के फरीदाबाद में होता है।
(क) दोनों सत्य और R सही व्याख्या है
(ख) A सत्य पर R असत्य है
(ग) A असत्य पर R सत्य है
(घ) दोनों सत्य पर R सही व्याख्या नहीं है
उत्तर: (घ) दोनों सत्य पर R सही व्याख्या नहीं है
व्याख्या: दोनों तथ्य सही हैं। लेकिन स्थान यह नहीं समझाता कि मेला शिल्प-केंद्रित क्यों है; उसका स्वरूप हस्तशिल्प और लोककलाओं की प्रस्तुतियों से निर्धारित होता है।

11. कौन-सा नगर कुंभ मेले के चार पारंपरिक केंद्रों में शामिल नहीं है?
(क) नासिक
(ख) हरिद्वार
(ग) मथुरा
(घ) उज्जैन
उत्तर: (ग) मथुरा
व्याख्या: चार केंद्र प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक हैं। मथुरा प्रमुख तीर्थ है, लेकिन इस सूची में नहीं आता।

12. नृत्य उत्सव स्थल–राज्य मिलाएँ: 1 मामल्लपुरम, 2 खजुराहो, 3 कोणार्क, 4 मोढेरा; क गुजरात, ख तमिलनाडु, ग मध्य प्रदेश, घ ओडिशा।
(क) 1-क, 2-ग, 3-ख, 4-घ
(ख) 1-ख, 2-ग, 3-घ, 4-क
(ग) 1-ग, 2-ख, 3-घ, 4-क
(घ) 1-ख, 2-घ, 3-क, 4-ग
उत्तर: (ख) 1-ख, 2-ग, 3-घ, 4-क
व्याख्या: मामल्लपुरम तमिलनाडु, खजुराहो मध्य प्रदेश, कोणार्क ओडिशा और मोढेरा गुजरात के प्रसिद्ध सांस्कृतिक उत्सव स्थल हैं।

13. कौन-सा संयोजन आदि पेरुक्कु की सही पहचान करता है?
(क) पंजाब; वैशाख; गेहूँ की कटाई
(ख) तमिलनाडु; आदि का अठारहवाँ दिन; नदियों का बढ़ता जल
(ग) केरल; चिंगम का पहला दिन; राजा का आगमन
(घ) ओडिशा; कार्तिक पूर्णिमा; छोटी नावें
उत्तर: (ख) तमिलनाडु; आदि का अठारहवाँ दिन; नदियों का बढ़ता जल
व्याख्या: आदि पेरुक्कु तमिल महीने आदि के अठारहवें दिन का पर्व है। जल और नदी की समृद्धि, विशेषकर कावेरी क्षेत्र में, इसका केंद्रीय विषय है।

14. महाशिवरात्रि मुख्यतः किस देवता को समर्पित है?
(क) विष्णु
(ख) इंद्र
(ग) शिव

(घ) ब्रह्मा

उत्तर: (ग) शिव

व्याख्या: महाशिवरात्रि शिव उपासना का प्रमुख पर्व है। व्रत, रात्रि जागरण और शिवलिंग का अभिषेक इसकी प्रचलित परंपराएँ हैं।

15. कथन A: पुरी रथ यात्रा एक रथ उत्सव है। कारण R: जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा अलग-अलग रथों में यात्रा करते हैं।

(क) दोनों सत्य और R सही व्याख्या है
(ख) A सत्य पर R असत्य है
(ग) दोनों सत्य पर R सही व्याख्या नहीं है
(घ) A असत्य पर R सत्य है

उत्तर: (क) दोनों सत्य और R सही व्याख्या है

व्याख्या: तीनों देवताओं के रथ यात्रा का केंद्रीय अंग हैं। इसलिए कारण रथ उत्सव के रूप में इसकी पहचान की सीधी व्याख्या करता है।

16. रण उत्सव किस राज्य से संबंधित है?

(क) पंजाब
(ख) राजस्थान
(ग) गुजरात
(घ) महाराष्ट्र

उत्तर: (ग) गुजरात

व्याख्या: रण उत्सव गुजरात के कच्छ क्षेत्र से जुड़ा पर्यटन और सांस्कृतिक उत्सव है। सफेद रण इसका प्रमुख भौगोलिक आकर्षण है।

17. जोवाई में प्रमुख रूप से मनाया जाने वाला बेहदीनखलम किस सांस्कृतिक समुदाय से जुड़ा है?

(क) लोथा
(ख) अपातानी
(ग) प्नार या जयंतिया
(घ) लेपचा

उत्तर: (ग) प्नार या जयंतिया

व्याख्या: बेहदीनखलम मेघालय के प्नार या जयंतिया समुदाय की परंपरा है। रोग और अनिष्ट को दूर करने का भाव इसके नाम से जुड़ा है।

18. वांगला विशेष रूप से किस समुदाय का उत्सव है?

(क) गारो
(ख) आओ
(ग) अपातानी
(घ) खासी

उत्तर: (क) गारो

व्याख्या: वांगला गारो समुदाय का फसल उत्सव है। यह विशेष रूप से मेघालय की सांस्कृतिक पहचान से जुड़ा है।

19. क्रिसमस किसके जन्म की स्मृति में मनाया जाता है?

(क) संत पॉल
(ख) योहन बपतिस्ता
(ग) संत पीटर
(घ) ईसा मसीह

उत्तर: (घ) ईसा मसीह

व्याख्या: क्रिसमस ईसा मसीह के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। भारत में अधिकांश चर्च इसे 25 दिसंबर को मनाते हैं।

20. किस समूह के सभी UNESCO प्रतिनिधि सूची अंकन-वर्ष सही हैं?

(क) कुंभ 2009; गरबा 2017; दीपावली 2025
(ख) कुंभ 2017; गरबा 2021; दीपावली 2023
(ग) कुंभ 2021; गरबा 2023; दीपावली 2025
(घ) कुंभ 2017; गरबा 2023; दीपावली 2025

उत्तर: (घ) कुंभ 2017; गरबा 2023; दीपावली 2025

व्याख्या: सही वर्ष कुंभ मेला 2017, गुजरात का गरबा 2023 और दीपावली 2025 हैं। यहाँ सूची में अंकन वर्ष पूछा गया है, पर्व की उत्पत्ति का वर्ष नहीं।

21. महामहम पर विचार करें: 1 इसका प्रमुख स्थल कुंभकोणम है। 2 प्रमुख उत्सव हर वर्ष होता है। 3 पवित्र स्नान इसका केंद्रीय अनुष्ठान है। कौन-से सही हैं?

(क) केवल 1 और 2
(ख) 1, 2 और 3
(ग) केवल 2 और 3
(घ) केवल 1 और 3

उत्तर: (घ) केवल 1 और 3

व्याख्या: महामहम तमिलनाडु के कुंभकोणम का परंपरागत बारह वर्षीय स्नान उत्सव है। इसलिए पहला और तीसरा कथन सही हैं; इसे वार्षिक आयोजन कहना गलत है।

22. नवरात्रि नाम का शाब्दिक अर्थ कितनी रातों से है?

(क) नौ
(ख) दस
(ग) सात
(घ) बारह

उत्तर: (क) नौ

व्याख्या: 'नव' का अर्थ नौ और 'रात्रि' का अर्थ रात है। नवरात्रि में देवी उपासना की अनेक क्षेत्रीय परंपराएँ हैं।

23. लुई-न्गाई-नी किस राज्य के नागा समुदायों का बीज-बुवाई उत्सव है?

(क) सिक्किम
(ख) मणिपुर
(ग) त्रिपुरा
(घ) मेघालय

उत्तर: (ख) मणिपुर

व्याख्या: लुई-न्गाई-नी मणिपुर के नागा समुदायों का प्रमुख सामूहिक बीज-बुवाई उत्सव है।

24. कथन देखें: 1 कल्पथी रथोत्सव मुख्यतः सर्प नौका दौड़ है। 2 यह पलक्कड़ से संबंधित है। कौन-से कथन सही हैं?

(क) 1 और 2 दोनों
(ख) केवल 2
(ग) न 1 न 2
(घ) केवल 1

उत्तर: (ख) केवल 2

व्याख्या: कल्पथी रथोत्सव केरल के पलक्कड़ का रथ उत्सव है। इसे नौका दौड़ मानना गलत है।

25. राजस्थान का कौन-सा नगर ऊँट उत्सव के लिए प्रसिद्ध है?

(क) भरतपुर
(ख) डूंगरपुर
(ग) बूंदी
(घ) बीकानेर

उत्तर: (घ) बीकानेर

व्याख्या: बीकानेर का ऊँट उत्सव ऊँटों की सजावट और मरुस्थलीय संस्कृति से जुड़ा है। जैसलमेर अपने मरु महोत्सव के लिए प्रसिद्ध है।

26. कोलकाता की दुर्गा पूजा पर विचार करें: 1 UNESCO अंकन 2021 में हुआ। 2 प्रतिमा और पंडाल निर्माण की सामूहिक कला इसकी विरासत का भाग है। 3 अंकन का अर्थ है कि दुर्गा पूजा केवल कोलकाता में होती है। कौन-से सही हैं?

(क) केवल 1 और 3

(ख) 1, 2 और 3
(ग) केवल 2 और 3
(घ) केवल 1 और 2

उत्तर: (घ) केवल 1 और 2

व्याख्या: अंकन 2021 में हुआ और इसमें कला तथा सामुदायिक भागीदारी महत्वपूर्ण हैं। पर्व अन्य क्षेत्रों में भी मनाया जाता है; सूची का नाम उसे केवल एक नगर तक सीमित नहीं करता।

27. न्योकुम किस समुदाय से संबंधित है?

(क) शेरदुक्पेन
(ख) नोक्टे
(ग) गालो
(घ) न्यिशी

उत्तर: (घ) न्यिशी

व्याख्या: न्योकुम अरुणाचल प्रदेश के न्यिशी समुदाय का प्रमुख उत्सव है। सामुदायिक कल्याण और प्रकृति से संबंध इसमें महत्वपूर्ण हैं।

28. UNESCO की रामलीला प्रविष्टि देखें: 1 मूल घोषणा 2005 में हुई। 2 प्रतिनिधि सूची में अंकन 2008 में हुआ। 3 यह पत्थर के स्मारक की प्रविष्टि है। कौन-से सही हैं?

(क) केवल 1 और 2
(ख) केवल 1 और 3
(ग) केवल 2 और 3
(घ) 1, 2 और 3

उत्तर: (क) केवल 1 और 2

व्याख्या: रामलीला की मूल घोषणा 2005 और प्रतिनिधि सूची में अंकन 2008 का है। यह अमूर्त प्रदर्शन परंपरा है, निर्मित स्मारक नहीं।

29. छठ पूजा में किस आकाशीय पिंड को अर्घ्य दिया जाता है?

(क) मंगल
(ख) बृहस्पति
(ग) सूर्य
(घ) चंद्रमा

उत्तर: (ग) सूर्य

व्याख्या: छठ में सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। सांध्य अर्घ्य और उषा अर्घ्य इसके प्रमुख अनुष्ठान हैं।

30. चैराओबा किस समुदाय का पारंपरिक नववर्ष है?

(क) मैतेई
(ख) भील
(ग) आओ
(घ) टोडा

उत्तर: (क) मैतेई

व्याख्या: चैराओबा मणिपुर की मैतेई नववर्ष परंपरा है। इसमें पारिवारिक और सामुदायिक अनुष्ठान महत्वपूर्ण होते हैं।

31. गरबा प्रमुख रूप से किस उत्सव में किया जाता है?

(क) लोहड़ी
(ख) पोंगल
(ग) नवरात्रि
(घ) बुद्ध पूर्णिमा

उत्तर: (ग) नवरात्रि

व्याख्या: गरबा गुजरात की नवरात्रि परंपरा से जुड़ा नृत्य है। इसमें देवी शक्ति की उपासना का भाव प्रमुख है।

32. बरसाना होली के किस रूप के लिए विशेष प्रसिद्ध है?

(क) लट्ठमार होली
(ख) शिगमो
(ग) होला मोहल्ला
(घ) याओशांग

उत्तर: (क) लट्ठमार होली

व्याख्या: बरसाना की लट्ठमार होली ब्रज क्षेत्र की प्रसिद्ध परंपरा है। निकटवर्ती नंदगाँव भी इससे जुड़ा है।

33. गुजरात के कितने मेला-संबंध सही हैं? 1 तरनेतर-त्रिनेत्रेश्वर महादेव; 2 माधवपुर-कृष्ण-रुक्मिणी विवाह; 3 भवनाथ-गिरनार की तलहटी; 4 वौठा-पुरी का गुंडिचा मंदिर।

(क) एक
(ख) चार
(ग) दो
(घ) तीन

उत्तर: (घ) तीन

व्याख्या: पहले तीन संबंध सही हैं। वौठा गुजरात का मेला है, जबकि गुंडिचा मंदिर पुरी की रथ यात्रा का गंतव्य है।

34. कथन देखें: 1 नागोबा जातरा आंध्र प्रदेश के केस्लापुर में होती है। 2 इसका विशेष संबंध गोंडों के मेसराम कुल से है। कौन-से कथन सही हैं?

(क) न 1 न 2
(ख) केवल 1
(ग) 1 और 2 दोनों
(घ) केवल 2

उत्तर: (घ) केवल 2

व्याख्या: केस्लापुर वर्तमान तेलंगाना में है, आंध्र प्रदेश में नहीं। मेसराम गोंड समुदाय का संबंध सही दिया गया है।

35. बस्तर दशहरा का केंद्रीय संबंध किस देवी से है?

(क) नैना देवी
(ख) मीनाक्षी
(ग) दंतेश्वरी
(घ) कामाख्या

उत्तर: (ग) दंतेश्वरी

व्याख्या: बस्तर दशहरा छत्तीसगढ़ में देवी दंतेश्वरी और स्थानीय देव परंपराओं का उत्सव है। इसकी पहचान सामान्य राम-रावण कथा से अलग है।

36. कोणार्क नृत्य उत्सव किस राज्य से संबंधित है?

(क) ओडिशा
(ख) केरल
(ग) गुजरात
(घ) तमिलनाडु

उत्तर: (क) ओडिशा

व्याख्या: कोणार्क ओडिशा में स्थित है। सूर्य मंदिर की पृष्ठभूमि में आयोजित नृत्य उत्सव प्रसिद्ध है।

37. किस समूह में पूर्वोत्तर के तीनों उत्सवों के विशिष्ट आयोजन स्थल सही हैं?

(क) नोंगक्रेम-स्मित; बेहदीनखलम-किसामा; हॉर्नबिल-ज़ीरो
(ख) नोंगक्रेम-स्मित; बेहदीनखलम-जोवाई; हॉर्नबिल-किसामा
(ग) नोंगक्रेम-कोहिमा; बेहदीनखलम-इंफाल; हॉर्नबिल-जोवाई
(घ) नोंगक्रेम-जोवाई; बेहदीनखलम-स्मित; हॉर्नबिल-किसामा

उत्तर: (ख) नोंगक्रेम-स्मित; बेहदीनखलम-जोवाई; हॉर्नबिल-किसामा

व्याख्या: नोंगक्रेम का प्रमुख स्थल स्मित और बेहदीनखलम का प्रसिद्ध केंद्र जोवाई है; दोनों मेघालय में हैं। हॉर्नबिल का प्रमुख स्थल किसामा, नागालैंड है।

38. नववर्ष पर्व-प्रमुख क्षेत्र मिलाएँ: 1 गुड़ी पड़वा, 2 चैराओबा, 3 उगादि, 4 पुथांडु; क तमिलनाडु, ख महाराष्ट्र, ग मणिपुर, घ कर्नाटक।

(क) 1-क, 2-ग, 3-ख, 4-घ
(ख) 1-ख, 2-घ, 3-क, 4-ग

(ग) 1-ख, 2-ग, 3-घ, 4-क
(घ) 1-ग, 2-ख, 3-घ, 4-क

उत्तर: (ग) 1-ख, 2-ग, 3-घ, 4-क

व्याख्या: गुड़ी पड़वा महाराष्ट्र, चैराओबा मणिपुर, उगादि कर्नाटक सहित दक्षिण के कुछ राज्यों और पुथांडु तमिलनाडु से जुड़ा है।

39. कथन देखें: 1 त्यागराज आराधना केवल हिंदुस्तानी सितार संगीत का उत्सव है। 2 इसका प्रसिद्ध वार्षिक समागम तिरुवैयारु में होता है। कौन-से कथन सही हैं?

(क) केवल 1
(ख) 1 और 2 दोनों
(ग) केवल 2
(घ) न 1 न 2

उत्तर: (ग) केवल 2

व्याख्या: तिरुवैयारु का त्यागराज आराधना उत्सव कर्नाटक संगीत के रचनाकार त्यागराज की स्मृति से जुड़ा है। केवल दूसरा कथन सही है।

40. विशु विशेष रूप से किस राज्य से संबंधित है?

(क) केरल
(ख) बिहार
(ग) नागालैंड
(घ) राजस्थान

उत्तर: (क) केरल

व्याख्या: विशु केरल में मनाया जाने वाला प्रमुख पर्व है। विशुक्कणी दर्शन और विशुक्कैनीट्टम जैसी परंपराएँ इससे जुड़ी हैं।

41. राखी बाँधने की परंपरा मुख्यतः किस पर्व से जुड़ी है?

(क) हरतालिका तीज
(ख) रक्षाबंधन
(ग) करवा चौथ
(घ) भाई दूज

उत्तर: (ख) रक्षाबंधन

व्याख्या: रक्षाबंधन में राखी बाँधना प्रमुख परंपरा है। भाई दूज में तिलक जैसे अलग अनुष्ठान प्रमुख होते हैं।

42. ओणम मुख्यतः किस राज्य से संबंधित है?

(क) केरल
(ख) कर्नाटक
(ग) तमिलनाडु
(घ) आंध्र प्रदेश

उत्तर: (क) केरल

व्याख्या: ओणम केरल का प्रमुख पर्व है। इसमें फूलों की सजावट, सामूहिक भोज और अनेक सांस्कृतिक आयोजन होते हैं।

43. कथन देखें: 1 तानसेन समारोह ग्वालियर से जुड़ा है। 2 यह तानसेन की संगीत परंपरा का स्मरण करता है। कौन-से कथन सही हैं?

(क) न 1 न 2
(ख) 1 और 2 दोनों
(ग) केवल 2
(घ) केवल 1

उत्तर: (ख) 1 और 2 दोनों

व्याख्या: तानसेन समारोह ग्वालियर, मध्य प्रदेश का प्रमुख संगीत आयोजन है। इसका नाम और उद्देश्य तानसेन की स्मृति से जुड़े हैं।

44. 'चंद्रभागा' नाम से जुड़े आयोजनों का कौन-सा अंतर सही है?

(क) राजस्थान का मेला–अलवर; ओडिशा का स्नान–कटक
(ख) राजस्थान का मेला–झालरापाटन; ओडिशा का माघ सप्तमी स्नान–कोणार्क के निकट
(ग) राजस्थान का मेला–पुष्कर; ओडिशा का स्नान–बरगढ़
(घ) राजस्थान का मेला–जैसलमेर; ओडिशा का स्नान–संबलपुर

उत्तर: (ख) राजस्थान का मेला–झालरापाटन; ओडिशा का माघ सप्तमी स्नान–कोणार्क के निकट

व्याख्या: राजस्थान का चंद्रभागा मेला झालरापाटन से जुड़ा है। ओडिशा में कोणार्क के निकट चंद्रभागा पर माघ सप्तमी स्नान की अलग परंपरा है।

45. सागा दावा बुद्ध के जीवन की किन घटनाओं से संबंधित है?

(क) जन्म ज्ञानप्राप्ति और परिनिर्वाण
(ख) विवाह और राज्याभिषेक
(ग) केवल गृहत्याग
(घ) केवल प्रथम उपदेश

उत्तर: (क) जन्म ज्ञानप्राप्ति और परिनिर्वाण

व्याख्या: सागा दावा में बुद्ध के जन्म, ज्ञानप्राप्ति और परिनिर्वाण की स्मृतियाँ महत्वपूर्ण हैं। यह तिब्बती बौद्ध परंपरा का पवित्र अवसर है।

46. कुल्लू दशहरा किस राज्य में मनाया जाता है?

(क) हरियाणा
(ख) उत्तराखंड
(ग) हिमाचल प्रदेश
(घ) पंजाब

उत्तर: (ग) हिमाचल प्रदेश

व्याख्या: कुल्लू हिमाचल प्रदेश में है। कुल्लू दशहरा स्थानीय देव परंपराओं और रघुनाथजी की उपासना से जुड़ा है।

47. अंबुबाची मेला किस मंदिर से संबंधित है?

(क) सोमनाथ
(ख) बद्रीनाथ
(ग) मीनाक्षी
(घ) कामाख्या

उत्तर: (घ) कामाख्या

व्याख्या: अंबुबाची मेला गुवाहाटी के कामाख्या मंदिर में लगता है। यह देवी और धरती की सृजनशीलता से जुड़ी मान्यताओं का पर्व है।

48. उत्तर भारतीय चांद्र मास-नामों के अनुसार कितने पर्व-चंद्र तिथि युग्म सही हैं? 1 मुख्य दीपावली लक्ष्मी पूजा–कार्तिक अमावस्या; 2 गुरु पूर्णिमा–आषाढ़ पूर्णिमा; 3 रक्षाबंधन–श्रावण पूर्णिमा; 4 मुख्य शारदीय छठ–कार्तिक पूर्णिमा।

(क) दो
(ख) एक
(ग) चार
(घ) तीन

उत्तर: (घ) तीन

व्याख्या: पहले तीन युग्म प्रचलित उत्तर भारतीय पंचांग नामों के अनुसार सही हैं। छठ का प्रमुख सांध्य अर्घ्य कार्तिक शुक्ल षष्ठी को होता है, पूर्णिमा को नहीं।

49. अजमेर का उर्स किस सूफी संत की स्मृति से जुड़ा है?

(क) निजामुद्दीन औलिया
(ख) ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती
(ग) सलीम चिश्ती
(घ) बाबा फरीद

उत्तर: (ख) ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती

व्याख्या: अजमेर शरीफ का उर्स ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की पुण्यतिथि की स्मृति में आयोजित होता है।

50. तीनों संकेतों से उत्सव पहचानें: मदुरै; मीनाक्षी-सुंदरेश्वर विवाह; वैगई में कल्ललगर का प्रवेश।

(क) महामहम
(ख) आदि पेरुक्कु
(ग) त्यागराज आराधना
(घ) चित्तिरै उत्सव

Cosmo Classes

उत्तर: (घ) चित्तिरै उत्सव

व्याख्या: मदुरै का चित्तिरै उत्सव शैव और वैष्णव परंपराओं के इन अलग प्रसंगों को समेटता है। वैगई नदी में अलगर का प्रवेश भी इसका प्रसिद्ध आयोजन है।

51. ड्री किस समुदाय का कृषि उत्सव है?

(क) नोक्टे
(ख) अपातानी
(ग) न्यिशी
(घ) तागिन

उत्तर: (ख) अपातानी

व्याख्या: ड्री अरुणाचल प्रदेश के अपातानी समुदाय का प्रमुख कृषि पर्व है। ज़ीरो घाटी इस समुदाय का प्रमुख सांस्कृतिक क्षेत्र है।

52. बोहाग बिहू का लोकप्रिय दूसरा नाम क्या है?

(क) माघ बिहू
(ख) कोंगाली बिहू
(ग) रोंगाली बिहू
(घ) भोगाली बिहू

उत्तर: (ग) रोंगाली बिहू

व्याख्या: बोहाग बिहू को रोंगाली बिहू कहा जाता है। यह वसंत और असमिया नववर्ष के समय मनाया जाता है।

53. झारखंड के किस वसंत उत्सव में साल के फूलों का विशेष अनुष्ठानिक महत्व है?

(क) करम
(ख) सोहराय
(ग) सरहुल
(घ) टुसू

उत्तर: (ग) सरहुल

व्याख्या: सरहुल में साल वृक्ष और उसके फूल महत्वपूर्ण हैं। यह प्रकृति तथा ग्रामदेवताओं के प्रति श्रद्धा की जनजातीय परंपरा है।

54. मिंजर मेला किस नगर से संबंधित है?

(क) मंडी
(ख) कुल्लू
(ग) रामपुर बुशहर
(घ) चंबा

उत्तर: (घ) चंबा

व्याख्या: मिंजर मेला हिमाचल प्रदेश के चंबा का प्रसिद्ध उत्सव है। रावी नदी से जुड़े अनुष्ठान इसकी परंपरा का भाग हैं।

55. तुलुनी किस नागा समुदाय से संबंधित है?

(क) लोथा
(ख) सुमी
(ग) अंगामी
(घ) आओ

उत्तर: (ख) सुमी

व्याख्या: तुलुनी सुमी समुदाय का उत्सव है। सुमी को पुराने स्रोतों में सेमा भी लिखा मिलता है।

56. राजस्थान के मेला केंद्र-जिले मिलाएँ: 1 कैला देवी, 2 रामदेवरा, 3 गोगामेड़ी, 4 जीणमाता; क सीकर, ख करौली, ग जैसलमेर, घ हनुमानगढ़।

(क) 1-ख, 2-घ, 3-क, 4-ग
(ख) 1-ख, 2-ग, 3-घ, 4-क
(ग) 1-ग, 2-ख, 3-घ, 4-क
(घ) 1-क, 2-ग, 3-ख, 4-घ

उत्तर: (ख) 1-ख, 2-ग, 3-घ, 4-क

व्याख्या: कैला देवी करौली, रामदेवरा जैसलमेर, गोगामेड़ी हनुमानगढ़ और जीणमाता सीकर की प्रसिद्ध आस्था एवं मेला परंपराओं से जुड़े हैं।

57. एक ही इस्लामी वर्ष में क्रम लगाएँ: 1 ईद-उल-अज़हा, 2 रमज़ान का आरंभ, 3 ईद-उल-फितर।

(क) 2-1-3
(ख) 1-2-3
(ग) 2-3-1
(घ) 3-2-1

उत्तर: (ग) 2-3-1

व्याख्या: रमज़ान नौवाँ, शव्वाल दसवाँ और ज़िलहिज्जा बारहवाँ इस्लामी महीना है। ईद-उल-फितर शव्वाल और ईद-उल-अज़हा ज़िलहिज्जा में होती है।

58. उस उत्सव को पहचानें जिसमें बरगढ़ कृष्ण-कंस कथा का नाट्य क्षेत्र और निकटवर्ती अंबापाली गोपपुर बन जाता है।

(क) धनु यात्रा
(ख) बाली जात्रा
(ग) शीतल षष्ठी
(घ) चंदन यात्रा

उत्तर: (क) धनु यात्रा

व्याख्या: धनु यात्रा बरगढ़ का मुक्ताकाशी नाट्य उत्सव है। नगर और आसपास के स्थान कृष्ण-कंस कथा की भूमिकाएँ निभाते हैं।

59. जन्माष्टमी किसके जन्म का उत्सव है?

(क) गणेश
(ख) कृष्ण
(ग) हनुमान
(घ) राम

उत्तर: (ख) कृष्ण

व्याख्या: जन्माष्टमी भगवान कृष्ण के जन्म से संबंधित है। मथुरा और वृंदावन इसके प्रमुख उत्सव केंद्रों में हैं।

60. कुंभ केंद्र-नदी मिलाएँ: 1 हरिद्वार, 2 उज्जैन, 3 नासिक, 4 प्रयागराज; क गोदावरी, ख गंगा-यमुना संगम, ग गंगा, घ शिप्रा।

(क) 1-ग, 2-क, 3-ख, 4-घ
(ख) 1-ख, 2-घ, 3-ग, 4-क
(ग) 1-घ, 2-ग, 3-क, 4-ख
(घ) 1-ग, 2-घ, 3-क, 4-ख

उत्तर: (घ) 1-ग, 2-घ, 3-क, 4-ख

व्याख्या: हरिद्वार गंगा, उज्जैन शिप्रा, नासिक गोदावरी और प्रयागराज गंगा-यमुना संगम से संबंधित हैं। प्रयाग की धार्मिक त्रिवेणी मान्यता में सरस्वती भी शामिल है।

61. किस समूह में सभी सांस्कृतिक आयोजन-नगर युग्म सही हैं?

(क) कालिदास समारोह-उज्जैन; चक्रधर समारोह-रायगढ़; तानसेन समारोह-ग्वालियर
(ख) कालिदास समारोह-ग्वालियर; चक्रधर समारोह-रायगढ़; तानसेन समारोह-उज्जैन
(ग) कालिदास समारोह-भोपाल; चक्रधर समारोह-रायगढ़; तानसेन समारोह-इंदौर
(घ) कालिदास समारोह-उज्जैन; चक्रधर समारोह-रायपुर; तानसेन समारोह-ग्वालियर

उत्तर: (क) कालिदास समारोह-उज्जैन; चक्रधर समारोह-रायगढ़; तानसेन समारोह-ग्वालियर

व्याख्या: कालिदास समारोह उज्जैन, चक्रधर समारोह रायगढ़ और तानसेन समारोह ग्वालियर से जुड़े हैं। रायगढ़ को रायपुर से अलग पहचानना आवश्यक है।

62. महावीर जयंती किस जैन तीर्थंकर के जन्म का उत्सव है?

(क) चौबीसवें
(ख) बाईसवें
(ग) प्रथम
(घ) तेईसवें

उत्तर: (क) चौबीसवें
व्याख्या: महावीर जैन परंपरा के चौबीसवें तीर्थंकर हैं। प्रथम ऋषभनाथ और तेईसवें पार्श्वनाथ हैं।

63. बेणेश्वर मेले के पवित्र संगम क्षेत्र से कौन-सी तीन नदियाँ संबंधित हैं?
(क) माही सोम और जाखम
(ख) लूनी बांडी और सुकड़ी
(ग) बनास चंबल और पार्वती
(घ) साबरमती वात्रक और मेश्वो
उत्तर: (क) माही सोम और जाखम
व्याख्या: बेणेश्वर का त्रिवेणी क्षेत्र माही, सोम और जाखम नदियों से जुड़ा है। यह दक्षिणी राजस्थान का प्रमुख जनजातीय तीर्थ-मेला क्षेत्र है।

64. बथुकम्मा पुष्प पर्व विशेष रूप से किस राज्य से संबंधित है?
(क) तेलंगाना
(ख) केरल
(ग) ओडिशा
(घ) गोवा
उत्तर: (क) तेलंगाना
व्याख्या: बथुकम्मा तेलंगाना का प्रमुख पुष्प पर्व है। फूलों की सजाई गई संरचनाओं के आसपास सामूहिक गीत गाए जाते हैं।

65. उत्सव–नगर मिलाएँ: 1 मारवाड़ उत्सव, 2 मेवाड़ उत्सव, 3 मत्स्य उत्सव, 4 बूंदी उत्सव; क उदयपुर, ख अलवर, ग बूंदी, घ जोधपुर।
(क) 1-क, 2-घ, 3-ख, 4-ग
(ख) 1-ग, 2-क, 3-घ, 4-ख
(ग) 1-घ, 2-क, 3-ख, 4-ग
(घ) 1-घ, 2-ख, 3-ग, 4-क
उत्तर: (ग) 1-घ, 2-क, 3-ख, 4-ग
व्याख्या: सही संबंध मारवाड़–जोधपुर, मेवाड़–उदयपुर, मत्स्य–अलवर और बूंदी उत्सव–बूंदी हैं। सभी राजस्थान के आयोजन हैं।

66. अरुणाचल प्रदेश में सांगकेन जल उत्सव विशेष रूप से किस समुदाय से जुड़ा है?
(क) ताई खामती
(ख) तागिन
(ग) अपातानी
(घ) गालो
उत्तर: (क) ताई खामती
व्याख्या: सांगकेन ताई खामती सहित क्षेत्र के बौद्ध समुदायों का उत्सव है। बुद्ध प्रतिमाओं को स्नान कराना इसकी प्रमुख विधि है।

67. जे त्सोंगखापा, गेलुग परंपरा और दीप प्रज्वलन से जुड़े लद्दाख के उत्सव को पहचानें।
(क) हेमिस त्सेचु
(ख) गाल्दन नामछोत
(ग) लद्दाख पोलो उत्सव
(घ) सिंधु दर्शन
उत्तर: (ख) गाल्दन नामछोत
व्याख्या: गाल्दन नामछोत गेलुग परंपरा के संस्थापक जे त्सोंगखापा की स्मृति से जुड़ा है। दीप जलाना इसकी प्रमुख पहचान है।

68. सोहराय विशेष रूप से किस विषय से जुड़ा उत्सव है?
(क) फसल और पशुधन
(ख) मरुस्थलीय कारवाँ व्यापार
(ग) समुद्री नौवहन
(घ) मठीय शास्त्रार्थ
उत्तर: (क) फसल और पशुधन
व्याख्या: सोहराय झारखंड और निकटवर्ती क्षेत्रों की फसल तथा पशुधन से जुड़ी परंपरा है। भित्तिचित्र भी इससे संबंधित सांस्कृतिक अभिव्यक्ति हैं।

69. कथन देखें: 1 कुंभ के चार पारंपरिक केंद्र केवल तीन राज्यों में हैं। 2 हरिद्वार का कुंभ यमुना पर होता है। कौन-से कथन सही हैं?
(क) केवल 1
(ख) न 1 न 2
(ग) केवल 2
(घ) 1 और 2 दोनों
उत्तर: (ख) न 1 न 2
व्याख्या: चार केंद्र उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में हैं। हरिद्वार गंगा पर है। दोनों कथन गलत हैं।

70. रम्माण पर विचार करें: 1 यह उत्तराखंड के सलूड़-डुंग्रा से जुड़ा है। 2 भूमियाल देवता इसके स्थानीय आराध्य हैं। 3 यह राजस्थान का ऊँट व्यापार मेला है। कौन-से सही हैं?
(क) केवल 1 और 2
(ख) केवल 1 और 3
(ग) 1, 2 और 3
(घ) केवल 2 और 3
उत्तर: (क) केवल 1 और 2
व्याख्या: रम्माण उत्तराखंड के गढ़वाल क्षेत्र का धार्मिक उत्सव और अनुष्ठानिक रंगमंच है। इसका केंद्र भूमियाल देवता की स्थानीय परंपरा है।

71. कथन देखें: 1 छठ में केवल डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है, उगते सूर्य को नहीं। 2 पुरुष छठ व्रत नहीं रख सकते। कौन-से कथन सही हैं?
(क) केवल 2
(ख) 1 और 2 दोनों
(ग) न 1 न 2
(घ) केवल 1
उत्तर: (ग) न 1 न 2
व्याख्या: छठ में सांध्य और उषा दोनों अर्घ्य होते हैं। पुरुष भी व्रत रखते हैं, इसलिए दोनों कथन गलत हैं।

72. होलिका दहन परंपरागत रूप से किस भक्त की कथा से जुड़ा है?
(क) प्रह्लाद
(ख) शबरी
(ग) सुदामा
(घ) ध्रुव
उत्तर: (क) प्रह्लाद
व्याख्या: होलिका दहन की लोकप्रिय कथा प्रह्लाद, होलिका और हिरण्यकशिपु से संबंधित है। यह भक्ति तथा बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक माना जाता है।

73. तीनों बिहू पर्व किस राज्य से संबंधित हैं?
(क) सिक्किम
(ख) त्रिपुरा
(ग) असम
(घ) मणिपुर
उत्तर: (ग) असम
व्याख्या: असम में बोहाग, काती और माघ बिहू मनाए जाते हैं। इनका संबंध कृषि चक्र के अलग-अलग चरणों से है।

74. पुष्कर मेला किस राज्य में आयोजित होता है?
(क) हरियाणा
(ख) राजस्थान
(ग) गुजरात

(घ) बिहार

उत्तर: (ख) राजस्थान

व्याख्या: पुष्कर राजस्थान में अजमेर के निकट है। इसका मेला तीर्थ परंपरा और पशु व्यापार दोनों से जुड़ा है।

75. कथन देखें: 1 थाईपूसम मुरुगन से जुड़ा है। 2 भक्तों में कावड़ी अर्पण की परंपरा महत्वपूर्ण है। कौन-से कथन सही हैं?

(क) केवल 2
(ख) 1 और 2 दोनों
(ग) न 1 न 2
(घ) केवल 1

उत्तर: (ख) 1 और 2 दोनों

व्याख्या: थाईपूसम मुरुगन उपासना का पर्व है। कावड़ी उठाने की परंपरा भक्ति और व्रत से जुड़ी है।

76. पोंगल का कौन-सा दिन विशेष रूप से पशुधन को समर्पित होता है?

(क) भोगी
(ख) कानुम पोंगल
(ग) मट्टु पोंगल
(घ) थाई पोंगल

उत्तर: (ग) मट्टु पोंगल

व्याख्या: मट्टु पोंगल में कृषि में सहायक मवेशियों को सम्मान दिया जाता है। उन्हें सजाने और पूजने की परंपरा है।

77. असम का कौन-सा मेला वस्तु-विनिमय की जीवित परंपरा के लिए प्रसिद्ध है?

(क) पुष्कर मेला
(ख) अंबुबाची मेला
(ग) जोनबील मेला
(घ) सूरजकुंड मेला

उत्तर: (ग) जोनबील मेला

व्याख्या: जोनबील मेला असम के मोरीगाँव क्षेत्र में आयोजित होता है। इसकी पहचान वस्तुओं के बदले वस्तुएँ देने की परंपरा से है।

78. गरबा पर विचार करें: 1 यह नवरात्रि से जुड़ा है। 2 दीपयुक्त मिट्टी का पात्र या अंबा की प्रतिमा इसका अनुष्ठानिक केंद्र हो सकती है। 3 इसकी UNESCO प्रविष्टि प्राकृतिक विश्व धरोहर स्थल है। कौन-से सही हैं?

(क) 1, 2 और 3
(ख) केवल 1 और 2
(ग) केवल 1 और 3
(घ) केवल 2 और 3

उत्तर: (ख) केवल 1 और 2

व्याख्या: गरबा नवरात्रि का देवी-उपासना नृत्य है। UNESCO में इसका अंकन अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में है, प्राकृतिक स्थल के रूप में नहीं।

79. मेला–राज्य मिलाएँ: 1 सोनपुर, 2 सूरजकुंड, 3 नागौर, 4 तरनेतर; क गुजरात, ख बिहार, ग हरियाणा, घ राजस्थान।

(क) 1-ग, 2-ख, 3-घ, 4-क
(ख) 1-ख, 2-ग, 3-घ, 4-क
(ग) 1-ख, 2-घ, 3-क, 4-ग
(घ) 1-क, 2-ग, 3-ख, 4-घ

उत्तर: (ख) 1-ख, 2-ग, 3-घ, 4-क

व्याख्या: सोनपुर बिहार, सूरजकुंड हरियाणा, नागौर राजस्थान और तरनेतर गुजरात में हैं।

80. चपचार कुट किस राज्य का प्रमुख पर्व है?

(क) त्रिपुरा
(ख) सिक्किम
(ग) मिज़ोरम
(घ) नागालैंड

उत्तर: (ग) मिज़ोरम

व्याख्या: चपचार कुट मिज़ोरम की प्रमुख उत्सव परंपरा है। इसकी पृष्ठभूमि झूम खेती की तैयारी से जुड़ी है।

81. पंजाब में बैसाखी मुख्यतः किस फसल ऋतु की कटाई से जुड़ी है?

(क) केवल जायद फसलें
(ख) केवल बागानी फसलें
(ग) खरीफ फसलें
(घ) रबी फसलें

उत्तर: (घ) रबी फसलें

व्याख्या: बैसाखी अप्रैल में रबी, विशेषकर गेहूँ की कटाई के समय आती है। इसका सिख इतिहास में भी विशेष महत्व है।

82. गणेश चतुर्थी के बड़े सार्वजनिक आयोजन विशेष रूप से किस राज्य से जुड़े हैं?

(क) हिमाचल प्रदेश
(ख) सिक्किम
(ग) मेघालय
(घ) महाराष्ट्र

उत्तर: (घ) महाराष्ट्र

व्याख्या: महाराष्ट्र में सार्वजनिक गणेशोत्सव की सुदृढ़ परंपरा है। गणेश चतुर्थी अन्य राज्यों में भी मनाई जाती है।

83. फूलदेई, जिसमें बच्चे देहरियों पर फूल रखते हैं, किस राज्य से संबंधित है?

(क) उत्तराखंड
(ख) गोवा
(ग) तेलंगाना
(घ) ओडिशा

उत्तर: (क) उत्तराखंड

व्याख्या: फूलदेई उत्तराखंड का वसंत पर्व है। बच्चों द्वारा देहरियों पर फूल रखना शुभकामना और प्रकृति के स्वागत की परंपरा है।

84. कथन देखें: 1 जैन परंपरा में दीपावली महावीर के निर्वाण से जुड़ी है। 2 महावीर जयंती उनके जन्म का उत्सव है। कौन-से कथन सही हैं?

(क) केवल 1
(ख) केवल 2
(ग) 1 और 2 दोनों
(घ) न 1 न 2

उत्तर: (ग) 1 और 2 दोनों

व्याख्या: दोनों कथन सही हैं। एक ही धार्मिक व्यक्तित्व से जुड़े जन्मोत्सव और निर्वाण-स्मृति पर्व को अलग पहचानना चाहिए।

85. गंगासागर मेला किस राज्य में लगता है?

(क) उत्तर प्रदेश
(ख) बिहार
(ग) ओडिशा
(घ) पश्चिम बंगाल

उत्तर: (घ) पश्चिम बंगाल

व्याख्या: गंगासागर मेला पश्चिम बंगाल के सागर द्वीप पर लगता है। यहाँ गंगा के समुद्र से मिलने वाले क्षेत्र में स्नान का महत्व है।

86. संगाई उत्सव किस राज्य से संबंधित है?

(क) मणिपुर
(ख) अरुणाचल प्रदेश
(ग) मेघालय
(घ) सिक्किम

उत्तर: (क) मणिपुर

व्याख्या: संगाई उत्सव मणिपुर की सांस्कृतिक और पर्यटन पहचान से जुड़ा है। इसका नाम राज्य के संगाई हिरण पर रखा गया है।

87. कथन देखें: 1 उर्स सामान्यतः सूफी संत की पुण्यतिथि से संबंधित होता है। 2 अजमेर उर्स मोइनुद्दीन चिश्ती से जुड़ा है। कौन-से कथन सही हैं?
(क) 1 और 2 दोनों
(ख) केवल 2
(ग) न 1 न 2
(घ) केवल 1
उत्तर: (क) 1 और 2 दोनों
व्याख्या: सूफी परंपरा में उर्स संत के परमात्मा से मिलन की स्मृति का अवसर माना जाता है। अजमेर का उर्स मोइनुद्दीन चिश्ती से संबंधित है।

88. कथन A: चपचार कुट पारंपरिक झूम कृषि चक्र के विश्राम चरण से जुड़ा है। कारण R: वनस्पति काटने के बाद उसे जलाने से पहले सूखने दिया जाता है।
(क) A सत्य पर R असत्य है
(ख) दोनों सत्य और R सही व्याख्या है
(ग) दोनों सत्य पर R सही व्याख्या नहीं है
(घ) A असत्य पर R सत्य है
उत्तर: (ख) दोनों सत्य और R सही व्याख्या है
व्याख्या: चपचार कुट की पृष्ठभूमि कटे बाँस और वनस्पति के सूखने के अंतराल से जुड़ी है। यही अवकाश सामुदायिक उत्सव का अवसर बनता था।

89. कथन A: केवल चंद्र तिथि से किसी पर्व की हर वर्ष एक निश्चित ग्रेगोरियन तारीख तय नहीं होती। कारण R: तिथियाँ सूर्य और चंद्रमा के कोणीय अंतर पर आधारित हैं, जबकि ग्रेगोरियन कैलेंडर सौर वर्ष का अनुसरण करता है।
(क) A असत्य पर R सत्य है
(ख) दोनों सत्य और R सही व्याख्या है
(ग) A सत्य पर R असत्य है
(घ) दोनों सत्य पर R सही व्याख्या नहीं है
उत्तर: (ख) दोनों सत्य और R सही व्याख्या है
व्याख्या: दोनों प्रणालियों का आधार अलग होने से एक ही पर्व की चंद्र तिथि अलग वर्षों में अलग ग्रेगोरियन तारीखों पर पड़ सकती है। इसलिए कारण सही व्याख्या है।

90. सेक्रेन्यी किस समुदाय का प्रमुख पर्व है?
(क) अंगामी
(ख) आओ
(ग) सुमी
(घ) कोन्याक
उत्तर: (क) अंगामी
व्याख्या: सेक्रेन्यी अंगामी नागा समुदाय का शुद्धिकरण और सामुदायिक जीवन से जुड़ा उत्सव है।

91. प्रसिद्ध जगन्नाथ रथ यात्रा किस नगर में होती है?
(क) उज्जैन
(ख) नासिक
(ग) मदुरै
(घ) पुरी
उत्तर: (घ) पुरी
व्याख्या: पुरी की रथ यात्रा में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की प्रतिमाएँ रथों पर निकाली जाती हैं।

92. खजुराहो नृत्य समारोह किस राज्य में होता है?
(क) मध्य प्रदेश
(ख) उत्तर प्रदेश
(ग) राजस्थान
(घ) छत्तीसगढ़
उत्तर: (क) मध्य प्रदेश
व्याख्या: खजुराहो मध्य प्रदेश में है। इसका नृत्य समारोह भारतीय शास्त्रीय नृत्यों की प्रस्तुतियों के लिए प्रसिद्ध है।

93. संयुक्त संकेतों से आयोजन पहचानें: कटक, महानदी तट, कार्तिक पूर्णिमा और विदेशों से समुद्री व्यापार की स्मृति।
(क) रज पर्व
(ख) शीतल षष्ठी
(ग) बाली जात्रा
(घ) धनु यात्रा
उत्तर: (ग) बाली जात्रा
व्याख्या: बाली जात्रा ओडिशा की समुद्री व्यापार परंपरा का स्मरण करती है। कटक का आयोजन महानदी तट पर कार्तिक पूर्णिमा से जुड़ा है।

94. रज पर्व पर विचार करें: 1 इसमें पृथ्वी की उर्वरता और रजस्वला होने की प्रतीकात्मक मान्यता है। 2 परंपरा में हल चलाने से विश्राम लिया जाता है। 3 यह ओडिशा की सांस्कृतिक परंपरा का पर्व है। कौन-से सही हैं?
(क) केवल 2 और 3
(ख) 1, 2 और 3
(ग) केवल 1 और 2
(घ) केवल 1 और 3
उत्तर: (ख) 1, 2 और 3
व्याख्या: तीनों कथन सही हैं। ओडिशा के रज पर्व में धरती को विश्राम देने और उसकी सृजनशीलता का सम्मान करने की कृषि-सांस्कृतिक परंपरा है।

95. सामान्य शरदकालीन हिंदू पर्व-चक्र में क्रम लगाएँ: 1 दीपावली, 2 शारदीय नवरात्रि का आरंभ, 3 विजयदशमी।
(क) 3-2-1
(ख) 2-3-1
(ग) 1-2-3
(घ) 2-1-3
उत्तर: (ख) 2-3-1
व्याख्या: शारदीय नवरात्रि के बाद विजयदशमी आती है और उसके बाद दीपावली। यह क्रम पर्वों के सामान्य पंचांग संबंध पर आधारित है।

96. हेमिस पर विचार करें: 1 मठ लद्दाख में है। 2 यह गेलुग परंपरा से जुड़ा है। 3 उत्सव पद्मसंभव के सम्मान में होता है। कौन-से सही हैं?
(क) केवल 2 और 3
(ख) केवल 1 और 3
(ग) 1, 2 और 3
(घ) केवल 1 और 2
उत्तर: (ख) केवल 1 और 3
व्याख्या: हेमिस मठ लद्दाख में द्रुक्पा बौद्ध परंपरा का केंद्र है। उसका प्रसिद्ध उत्सव गुरु पद्मसंभव से जुड़ा है।

97. गुरु नानक गुरुपर्व किसके जन्म की स्मृति में मनाया जाता है?
(क) पाँचवें सिख गुरु
(ख) दसवें सिख गुरु
(ग) प्रथम सिख गुरु
(घ) नौवें सिख गुरु
उत्तर: (ग) प्रथम सिख गुरु
व्याख्या: गुरु नानक सिख परंपरा के प्रथम गुरु हैं। उनके प्रकाश पर्व पर कीर्तन, नगर कीर्तन और लंगर जैसे आयोजन होते हैं।

Cosmo Classes

98. कथन देखें: 1 आट्टुकाल पोंगाला तिरुवनंतपुरम में होता है। 2 इसका प्रमुख भोजन-अर्पण अनुष्ठान पुरुषों के लिए आरक्षित है। कौन-से कथन सही हैं?
(क) केवल 2
(ख) न 1 न 2
(ग) 1 और 2 दोनों
(घ) केवल 1
उत्तर: (घ) केवल 1
व्याख्या: आट्टुकाल भगवती मंदिर तिरुवनंतपुरम में है। पोंगाला में महिलाओं की सामूहिक भोजन-अर्पण परंपरा प्रमुख है, इसलिए दूसरा कथन गलत है।

99. कथन A: समय के साथ ईद-उल-फितर ग्रेगोरियन ऋतुओं में बदलती रहती है। कारण R: इस्लामी कैलेंडर चांद्र है और सौर वर्ष से छोटा होता है।
(क) दोनों सत्य पर R सही व्याख्या नहीं है
(ख) A सत्य पर R असत्य है
(ग) दोनों सत्य और R सही व्याख्या है
(घ) A असत्य पर R सत्य है
उत्तर: (ग) दोनों सत्य और R सही व्याख्या है
व्याख्या: चांद्र इस्लामी वर्ष लगभग 354 या 355 दिन का होता है। सौर वर्ष से अंतर के कारण ईद की ग्रेगोरियन तारीख सामान्यतः हर वर्ष पहले आती है।

100. कथन देखें: 1 ईद-उल-फितर शव्वाल के आरंभ में आती है। 2 ईद-उल-अज़हा रमज़ान में आती है। कौन-से कथन सही हैं?
(क) 1 और 2 दोनों
(ख) केवल 2
(ग) न 1 न 2
(घ) केवल 1
उत्तर: (घ) केवल 1
व्याख्या: ईद-उल-फितर शव्वाल में और ईद-उल-अज़हा ज़िलहिज्जा में आती है। इसलिए केवल पहला कथन सही है।

101. कथन देखें: 1 चित्तिरै उत्सव मदुरै से संबंधित है। 2 मीनाक्षी और सुंदरेश्वर का विवाह इसका प्रमुख विषय है। कौन-से कथन सही हैं?
(क) न 1 न 2
(ख) केवल 2
(ग) 1 और 2 दोनों
(घ) केवल 1
उत्तर: (ग) 1 और 2 दोनों
व्याख्या: मदुरै के चित्तिरै उत्सव में मीनाक्षी–सुंदरेश्वर विवाह प्रमुख है। अलगर की यात्रा भी व्यापक उत्सव परंपरा का भाग है।

102. हॉर्नबिल किस राज्य का प्रमुख सांस्कृतिक उत्सव है?
(क) नागालैंड
(ख) त्रिपुरा
(ग) असम
(घ) मिज़ोरम
उत्तर: (क) नागालैंड
व्याख्या: हॉर्नबिल उत्सव नागालैंड की विभिन्न जनजातीय संस्कृतियों को प्रस्तुत करता है। किसामा इसका प्रमुख आयोजन स्थल है।

103. मोदक विशेष रूप से किस पर्व के भोग से जुड़ा है?
(क) गणेश चतुर्थी
(ख) छठ पूजा
(ग) लोहड़ी
(घ) बिहू
उत्तर: (क) गणेश चतुर्थी
व्याख्या: मोदक भगवान गणेश को अर्पित किए जाने वाले प्रमुख प्रसादों में है। छठ से ठेकुआ विशेष रूप से जुड़ा है।

104. पुरी के रथ–देवता मिलाएँ: 1 नंदीघोष, 2 तालध्वज, 3 दर्पदलन; क सुभद्रा, ख जगन्नाथ, ग बलभद्र।
(क) 1-ख, 2-क, 3-ग
(ख) 1-ग, 2-ख, 3-क
(ग) 1-ख, 2-ग, 3-क
(घ) 1-क, 2-ग, 3-ख
उत्तर: (ग) 1-ख, 2-ग, 3-क
व्याख्या: नंदीघोष जगन्नाथ, तालध्वज बलभद्र और दर्पदलन सुभद्रा का रथ है। सुभद्रा के रथ के लिए देवदलन नाम भी मिलता है।

105. कथन A: काती बिहू सामान्यतः भोगाली बिहू की तुलना में अधिक संयमित होता है। कारण R: काती बिहू के समय फसल अभी बढ़ रही होती है और संग्रहित अनाज सीमित हो सकता है।
(क) A असत्य पर R सत्य है
(ख) A सत्य पर R असत्य है
(ग) दोनों सत्य और R सही व्याख्या है
(घ) दोनों सत्य पर R सही व्याख्या नहीं है
उत्तर: (ग) दोनों सत्य और R सही व्याख्या है
व्याख्या: काती बिहू का कोंगाली नाम भी अभाव के भाव से जुड़ा है। फसलोत्तर भोगाली के भोज की तुलना में कृषि चक्र की यह स्थिति संयमित रूप को समझाती है।

106. गरिया पूजा विशेष रूप से किस राज्य से संबंधित है?
(क) नागालैंड
(ख) सिक्किम
(ग) मिज़ोरम
(घ) त्रिपुरा
उत्तर: (घ) त्रिपुरा
व्याख्या: गरिया पूजा त्रिपुरा की जनजातीय परंपराओं का प्रमुख उत्सव है। इसमें कल्याण, समृद्धि और कृषि से जुड़ी कामनाएँ की जाती हैं।

107. बोनालू किस राज्य का प्रमुख उत्सव है?
(क) बिहार
(ख) पंजाब
(ग) मिज़ोरम
(घ) तेलंगाना
उत्तर: (घ) तेलंगाना
व्याख्या: बोनालू तेलंगाना में देवी महाकाली की उपासना से जुड़ा उत्सव है। देवी को विशेष भोजन चढ़ाना इसकी प्रमुख परंपरा है।

108. पुरी के इन आयोजनों का अनुष्ठानिक क्रम लगाएँ: 1 बहुड़ा यात्रा, 2 स्नान पूर्णिमा, 3 नीलाद्रि बिजे, 4 बाहर जाने वाली रथ यात्रा।
(क) 2-4-1-3
(ख) 2-1-4-3
(ग) 4-2-1-3
(घ) 4-1-3-2
उत्तर: (क) 2-4-1-3
व्याख्या: स्नान पूर्णिमा पहले आती है, फिर गुंडिचा की ओर रथ यात्रा होती है। बहुड़ा वापसी यात्रा और नीलाद्रि बिजे मंदिर में पुनः प्रवेश का अनुष्ठान है।

109. किस पर्व को व्यापक रूप से प्रकाश का त्योहार कहा जाता है?
(क) पोंगल
(ख) बिहू
(ग) दीपावली

Cosmo Classes

(घ) तीज

उत्तर: (ग) दीपावली

व्याख्या: दीपावली में दीप प्रज्वलन प्रमुख सांस्कृतिक परंपरा है। इससे जुड़े धार्मिक आख्यान अलग-अलग समुदायों में भिन्न हो सकते हैं।

110. कथन देखें: 1 ओडिशा की बोइता बंदना में छोटी नावें तैराई जाती हैं। 2 वाराणसी की देव दीपावली कार्तिक पूर्णिमा से जुड़ी है। 3 दोनों एक ही पशु मेले के नाम हैं। कौन-से सही हैं?

(क) केवल 1 और 3
(ख) 1, 2 और 3
(ग) केवल 2 और 3
(घ) केवल 1 और 2

उत्तर: (घ) केवल 1 और 2

व्याख्या: बोइता बंदना समुद्री यात्रा की स्मृति और देव दीपावली वाराणसी के घाटों पर दीप प्रज्वलन से जुड़ी है। समान पूर्णिमा से जुड़ने पर भी दोनों अलग परंपराएँ हैं।

111. थाबल चोंगबा विशेष रूप से मणिपुर के किस उत्सव से जुड़ा है?

(क) नोंगक्रेम
(ख) मोपिन
(ग) वांगला
(घ) याओशांग

उत्तर: (घ) याओशांग

व्याख्या: याओशांग के दौरान थाबल चोंगबा की सामुदायिक नृत्य परंपरा प्रसिद्ध है। याओशांग होली के समय मनाया जाता है।

112. संगीत आयोजन–नगर मिलाएँ: 1 सप्तक, 2 तानसेन समारोह, 3 त्यागराज आराधना, 4 मार्गज़ी संगीत ऋतु; क चेन्नई, ख तिरुवैयारु, ग अहमदाबाद, घ ग्वालियर।

(क) 1-ग, 2-घ, 3-ख, 4-क
(ख) 1-ग, 2-क, 3-घ, 4-ख
(ग) 1-घ, 2-ग, 3-ख, 4-क
(घ) 1-ख, 2-घ, 3-क, 4-ग

उत्तर: (क) 1-ग, 2-घ, 3-ख, 4-क

व्याख्या: सप्तक अहमदाबाद, तानसेन समारोह ग्वालियर, त्यागराज आराधना तिरुवैयारु और मार्गज़ी संगीत ऋतु चेन्नई से प्रमुख रूप से जुड़े हैं।

113. संगीत उत्सव–नगर मिलाएँ: 1 हरिवल्लभ, 2 डोवर लेन संगीत सम्मेलन, 3 सवाई गंधर्व भीमसेन महोत्सव, 4 सप्तक; क पुणे, ख अहमदाबाद, ग जालंधर, घ कोलकाता।

(क) 1-घ, 2-ग, 3-क, 4-ख
(ख) 1-ग, 2-घ, 3-क, 4-ख
(ग) 1-ग, 2-क, 3-ख, 4-घ
(घ) 1-ख, 2-घ, 3-ग, 4-क

उत्तर: (ख) 1-ग, 2-घ, 3-क, 4-ख

व्याख्या: हरिवल्लभ जालंधर, डोवर लेन कोलकाता, सवाई गंधर्व भीमसेन महोत्सव पुणे और सप्तक अहमदाबाद के प्रसिद्ध संगीत आयोजन हैं।

114. नुआखाई विशेष रूप से भारत के किस क्षेत्र से संबंधित है?

(क) तटीय गोवा
(ख) पूर्वी लद्दाख
(ग) उत्तरी सिक्किम
(घ) पश्चिमी ओडिशा

उत्तर: (घ) पश्चिमी ओडिशा

व्याख्या: नुआखाई पश्चिमी ओडिशा का प्रमुख नई फसल का पर्व है। नई उपज अर्पित करने और सामूहिक उत्सव की परंपरा इसमें महत्वपूर्ण है।

115. ईद-उल-फितर किस इस्लामी महीने के रोज़ों की समाप्ति से जुड़ी है?

(क) रजब
(ख) रमज़ान
(ग) मुहर्रम
(घ) ज़िलहिज्जा

उत्तर: (ख) रमज़ान

व्याख्या: ईद-उल-फितर रमज़ान के रोज़ों के बाद शव्वाल महीने की शुरुआत में मनाई जाती है।

116. राजस्थान का मरु महोत्सव किस नगर से संबंधित है?

(क) अलवर
(ख) उदयपुर
(ग) कोटा
(घ) जैसलमेर

उत्तर: (घ) जैसलमेर

व्याख्या: जैसलमेर का मरु महोत्सव थार क्षेत्र की लोक संस्कृति, संगीत और परंपराओं को प्रस्तुत करता है।

117. कथन देखें: 1 भवनाथ मेला माउंट आबू में लगता है। 2 इसका प्रमुख मंदिर विष्णु को समर्पित है। कौन-से कथन सही हैं?

(क) केवल 1
(ख) न 1 न 2
(ग) केवल 2
(घ) 1 और 2 दोनों

उत्तर: (ख) न 1 न 2

व्याख्या: भवनाथ मेला जूनागढ़ में गिरनार की तलहटी पर लगता है। भवनाथ महादेव मंदिर शिव को समर्पित है। दोनों कथन गलत हैं।

118. उत्सव–मंदिर मिलाएँ: 1 अंबुबाची, 2 आट्टुकाल पोंगाला, 3 पुरी रथ यात्रा, 4 चित्तिरै विवाह; क जगन्नाथ, ख मीनाक्षी, ग कामाख्या, घ आट्टुकाल भगवती।

(क) 1-घ, 2-ग, 3-क, 4-ख
(ख) 1-ग, 2-घ, 3-क, 4-ख
(ग) 1-ग, 2-ख, 3-घ, 4-क
(घ) 1-क, 2-घ, 3-ख, 4-ग

उत्तर: (ख) 1-ग, 2-घ, 3-क, 4-ख

व्याख्या: अंबुबाची कामाख्या, पोंगाला आट्टुकाल भगवती, पुरी रथ यात्रा जगन्नाथ और चित्तिरै विवाह मीनाक्षी मंदिर की परंपरा से जुड़े हैं।

119. मोपिन मुख्यतः अरुणाचल प्रदेश के किस समुदाय से संबंधित है?

(क) गालो
(ख) वांचो
(ग) इदु मिश्मी
(घ) मोनपा

उत्तर: (क) गालो

व्याख्या: मोपिन गालो समुदाय का प्रमुख पर्व है। इसमें समृद्धि और अच्छी फसल की कामना की जाती है।

120. आओलिंग या आओलियांग किस नागा समुदाय का प्रमुख पर्व है?

(क) कोन्याक
(ख) अंगामी
(ग) लोथा
(घ) सुमी

उत्तर: (क) कोन्याक

व्याख्या: आओलिंग नागालैंड के कोन्याक समुदाय का प्रमुख पर्व है। इसे आओ समुदाय के मोआत्सु से अलग पहचानना चाहिए।

121. सिक्किम के पांग ल्हाबसोल में विशेष रूप से किस पर्वत के प्रति श्रद्धा व्यक्त की जाती है?

(क) अन्नपूर्णा
(ख) धौलागिरि
(ग) कंचनजंगा
(घ) नंदा देवी

उत्तर: (ग) कंचनजंगा

व्याख्या: पांग ल्हाबसोल में कंचनजंगा को रक्षक देवता के रूप में सम्मान दिया जाता है। यह सिक्किम की विशिष्ट उत्सव परंपरा है।

122. कथन A: अंबुबाची में कामाख्या मंदिर परंपरागत रूप से कुछ दिनों के लिए बंद रहता है। कारण R: धार्मिक मान्यता में यह देवी के वार्षिक रजस्वला होने से जुड़ा है।

(क) A असत्य पर R सत्य है
(ख) दोनों सत्य और R सही व्याख्या है
(ग) A सत्य पर R असत्य है
(घ) दोनों सत्य पर R सही व्याख्या नहीं है

उत्तर: (ख) दोनों सत्य और R सही व्याख्या है

व्याख्या: अंबुबाची की धार्मिक मान्यता के कारण मंदिर कुछ दिनों तक बंद रहता है और फिर दर्शन खुलते हैं। यह आस्था और अनुष्ठान का वर्णन है।

123. इन संकेतों से उत्सव पहचानें: तमिलनाडु; नागोर दरगाह; शाहुल हमीद की वार्षिक स्मृति।

(क) वेलंकन्नी पर्व
(ख) अजमेर उर्स
(ग) नागोर कंदूरी
(घ) महामहम

उत्तर: (ग) नागोर कंदूरी

व्याख्या: नागोर का कंदूरी या कंदूरी उर्स संत शाहुल हमीद की स्मृति से संबंधित है। अजमेर का उर्स मोइनुद्दीन चिश्ती से जुड़ा है।

124. कथन देखें: 1 वौठा गुजरात का मेला है। 2 यह केवल आधुनिक विज्ञान प्रदर्शनी है और इसकी पशु-व्यापार परंपरा नहीं है। कौन-से कथन सही हैं?

(क) केवल 2
(ख) केवल 1
(ग) न 1 न 2
(घ) 1 और 2 दोनों

उत्तर: (ख) केवल 1

व्याख्या: वौठा गुजरात का धार्मिक और पशु-व्यापार मेला है। विशेषकर गधों के व्यापार की ऐतिहासिक पहचान के कारण दूसरा कथन गलत है।

125. पुथांडु किस भाषाई समुदाय का पारंपरिक नववर्ष है?

(क) पंजाबी
(ख) असमिया
(ग) तमिल
(घ) मराठी

उत्तर: (ग) तमिल

व्याख्या: पुथांडु तमिल नववर्ष है। यह सामान्यतः अप्रैल में तमिल महीने चित्तिरै के आरंभ में आता है।

126. माघ बिहू को किस नाम से भी जाना जाता है?

(क) कोंगाली बिहू
(ख) बोहाग बिहू
(ग) रोंगाली बिहू
(घ) भोगाली बिहू

उत्तर: (घ) भोगाली बिहू

व्याख्या: माघ बिहू भोगाली बिहू कहलाता है। फसल के बाद सामूहिक भोज इसकी प्रमुख विशेषता है।

127. गोवा के उत्सव-विशेषताएँ मिलाएँ: 1 साओ जोआओ, 2 बोंदेराम, 3 कार्निवल; क किंग मोमो, ख संत योहन बपतिस्ता और कुओं में छलाँग की परंपरा, ग दीवार द्वीप और झंडे।

(क) 1-ख, 2-ग, 3-क
(ख) 1-ख, 2-क, 3-ग
(ग) 1-क, 2-ग, 3-ख
(घ) 1-ग, 2-ख, 3-क

उत्तर: (क) 1-ख, 2-ग, 3-क

व्याख्या: साओ जोआओ संत योहन बपतिस्ता, बोंदेराम दीवार द्वीप के झंडा उत्सव और गोवा कार्निवल किंग मोमो से जुड़ा है।

128. लोसूंग या नामसूंग किस राज्य से संबंधित है?

(क) असम
(ख) मणिपुर
(ग) त्रिपुरा
(घ) सिक्किम

उत्तर: (घ) सिक्किम

व्याख्या: सिक्किम में भूटिया समुदाय की लोसूंग और लेपचा समुदाय की नामसूंग परंपराएँ फसल तथा नववर्ष उत्सव से जुड़ी हैं।

129. दक्षिण के संगीत आयोजन-स्थान मिलाएँ: 1 चेम्बई संगीतोल्सवम, 2 कुथिरमालिका का स्वाति संगीत उत्सव, 3 त्यागराज आराधना; क तिरुवैयारु, ख गुरुवायूर, ग तिरुवनंतपुरम।

(क) 1-ग, 2-ख, 3-क
(ख) 1-क, 2-ग, 3-ख
(ग) 1-ख, 2-ग, 3-क
(घ) 1-ख, 2-क, 3-ग

उत्तर: (ग) 1-ख, 2-ग, 3-क

व्याख्या: चेम्बई संगीतोल्सवम गुरुवायूर, कुथिरमालिका का स्वाति उत्सव तिरुवनंतपुरम और त्यागराज आराधना तिरुवैयारु में होते हैं।

130. पर्व-समुदाय मिलाएँ: 1 वांगला, 2 नोंगक्रेम, 3 ड्री, 4 मोआत्सु; क आओ, ख अपातानी, ग गारो, घ खासी।

(क) 1-ग, 2-ख, 3-क, 4-घ
(ख) 1-ग, 2-घ, 3-ख, 4-क
(ग) 1-क, 2-घ, 3-ग, 4-ख
(घ) 1-घ, 2-ग, 3-ख, 4-क

उत्तर: (ख) 1-ग, 2-घ, 3-ख, 4-क

व्याख्या: वांगला गारो, नोंगक्रेम खासी, ड्री अपातानी और मोआत्सु आओ समुदाय से संबंधित हैं।

131. पोंगल किस राज्य का प्रमुख फसल उत्सव है?

(क) असम
(ख) गुजरात
(ग) ओडिशा
(घ) तमिलनाडु

उत्तर: (घ) तमिलनाडु

व्याख्या: पोंगल तमिलनाडु का प्रमुख कृषि पर्व है। नई फसल और खेती में सहायक प्रकृति के प्रति कृतज्ञता इसका केंद्रीय भाव है।

132. छठ के चार प्रमुख अनुष्ठानों का क्रम लगाएँ: 1 उषा अर्घ्य, 2 नहाय-खाय, 3 संध्या अर्घ्य, 4 खरना।

(क) 2-3-4-1
(ख) 2-4-3-1
(ग) 4-2-1-3
(घ) 3-2-4-1

उत्तर: (ख) 2-4-3-1

व्याख्या: क्रम नहाय-खाय, खरना, संध्या अर्घ्य और उषा अर्घ्य है। अंतिम दो चरण क्रमशः डूबते और उगते सूर्य से संबंधित हैं।

133. तिब्बती बौद्ध सांस्कृतिक परंपराओं में लोसर किस अवसर को चिह्नित करता है?

(क) नववर्ष
(ख) पशु व्यापार ऋतु
(ग) मानसून की समाप्ति
(घ) ग्रीष्म अयनांत

उत्तर: (क) नववर्ष

व्याख्या: लोसर तिब्बती नववर्ष का उत्सव है। लद्दाख, हिमालयी क्षेत्रों और विभिन्न बौद्ध समुदायों में इसके स्थानीय रूप मिलते हैं।

134. कथन देखें: 1 सोनपुर मेला हरिहर क्षेत्र मेला भी कहलाता है। 2 इसका क्षेत्र गंगा–गंडक संगम से जुड़ा है। कौन-से कथन सही हैं?

(क) 1 और 2 दोनों
(ख) केवल 2
(ग) न 1 न 2
(घ) केवल 1

उत्तर: (क) 1 और 2 दोनों

व्याख्या: दोनों कथन सही हैं। बिहार का सोनपुर मेला हरिहर क्षेत्र की तीर्थ परंपरा और गंगा–गंडक संगम क्षेत्र से जुड़ा है।

135. पारंपरिक ओणम क्रम में इन दिनों को रखें: 1 उत्राडम, 2 अथम, 3 तिरुवोणम, 4 मूलम।

(क) 2-4-1-3
(ख) 2-1-4-3
(ग) 1-2-4-3
(घ) 4-2-3-1

उत्तर: (क) 2-4-1-3

व्याख्या: ओणम का प्रमुख दस-दिवसीय क्रम अथम से तिरुवोणम तक माना जाता है। इसमें मूलम के बाद उत्राडम और फिर तिरुवोणम आता है।

136. सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला किस नगर से संबंधित है?

(क) पानीपत
(ख) फरीदाबाद
(ग) हिसार
(घ) अंबाला

उत्तर: (ख) फरीदाबाद

व्याख्या: सूरजकुंड फरीदाबाद, हरियाणा में है। यह मेला हस्तशिल्प, लोककलाओं और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के लिए प्रसिद्ध है।

137. शिगमो किस राज्य का पारंपरिक वसंत उत्सव है?

(क) बिहार
(ख) हिमाचल प्रदेश
(ग) सिक्किम
(घ) गोवा

उत्तर: (घ) गोवा

व्याख्या: शिगमो गोवा की लोक संस्कृति से जुड़ा वसंत उत्सव है। लोकनृत्य और रंगीन शोभायात्राएँ इसमें शामिल होती हैं।

138. पर्व-स्मृति मिलाएँ: 1 गुरु नानक गुरुपर्व, 2 क्रिसमस, 3 कर्बला-स्मरण वाला आशूरा, 4 महावीर जयंती; क महावीर का जन्म, ख ईसा का जन्म, ग गुरु नानक का जन्म, घ हुसैन की शहादत।

(क) 1-ग, 2-घ, 3-क, 4-ख
(ख) 1-ख, 2-ग, 3-घ, 4-क
(ग) 1-ग, 2-ख, 3-घ, 4-क
(घ) 1-क, 2-ख, 3-ग, 4-घ

उत्तर: (ग) 1-ग, 2-ख, 3-घ, 4-क

व्याख्या: गुरुपर्व, क्रिसमस और महावीर जयंती संबंधित जन्म-स्मृतियाँ हैं। कर्बला की स्मृति में आशूरा इमाम हुसैन की शहादत से जुड़ा है।

139. कथन देखें: 1 तरनेतर मेला मीनाक्षी मंदिर से जुड़ा है। 2 यह राजस्थान में होता है। कौन-से कथन सही हैं?

(क) केवल 1
(ख) न 1 न 2
(ग) 1 और 2 दोनों
(घ) केवल 2

उत्तर: (ख) न 1 न 2

व्याख्या: तरनेतर मेला गुजरात में त्रिनेत्रेश्वर महादेव मंदिर परिसर से संबंधित है। मीनाक्षी मंदिर मदुरै में है। दोनों कथन गलत हैं।

140. जयपुर की प्रसिद्ध तीज शोभायात्रा किस राज्य में होती है?

(क) राजस्थान
(ख) हरियाणा
(ग) मध्य प्रदेश
(घ) गुजरात

उत्तर: (क) राजस्थान

व्याख्या: जयपुर राजस्थान की राजधानी है। यहाँ तीज की पारंपरिक शोभायात्रा प्रसिद्ध है।

141. परंपरा-पर्व मिलाएँ: 1 पूकलम, 2 विशुक्कणी, 3 दही हांडी, 4 कुदमट्टम; क त्रिशूर पूरम, ख जन्माष्टमी, ग ओणम, घ विशु।

(क) 1-घ, 2-ग, 3-ख, 4-क
(ख) 1-ग, 2-क, 3-घ, 4-ख
(ग) 1-ख, 2-घ, 3-क, 4-ग
(घ) 1-ग, 2-घ, 3-ख, 4-क

उत्तर: (घ) 1-ग, 2-घ, 3-ख, 4-क

व्याख्या: पूकलम ओणम की पुष्प सजावट और विशुक्कणी विशु का शुभ दर्शन है। दही हांडी जन्माष्टमी तथा सजावटी छतरियाँ बदलने का कुदमट्टम त्रिशूर पूरम से जुड़ा है।

142. किंग मोमो से जुड़ा भारत का प्रसिद्ध कार्निवल किस राज्य में होता है?

(क) गुजरात
(ख) तमिलनाडु
(ग) केरल
(घ) गोवा

उत्तर: (घ) गोवा

व्याख्या: गोवा कार्निवल में किंग मोमो एक प्रतीकात्मक पात्र है। झाँकियाँ और शोभायात्राएँ इसके प्रमुख आकर्षण हैं।

143. कथन देखें: 1 पुष्कर मध्य प्रदेश में है। 2 पुष्कर मेला कार्तिक पूर्णिमा से जुड़ा है। कौन-से कथन सही हैं?

(क) केवल 2
(ख) न 1 न 2
(ग) 1 और 2 दोनों
(घ) केवल 1

उत्तर: (क) केवल 2

व्याख्या: पुष्कर राजस्थान में है। मेले का प्रमुख धार्मिक स्नान कार्तिक पूर्णिमा से जुड़ा है, इसलिए केवल दूसरा कथन सही है।

144. चित्तिरै से आरंभ तमिल कैलेंडर वर्ष में क्रम लगाएँ: 1 थाई पोंगल, 2 पुथांडु, 3 आदि पेरुक्कु, 4 मार्गज़ी संगीत ऋतु।

(क) 2-3-4-1
(ख) 1-2-3-4
(ग) 2-4-3-1
(घ) 3-2-1-4

Cosmo Classes